28 अगस्त 2026
शुक्रवार, रायपुर
वर्ष : 26 अंक : 206
पृष्ठ : 12 मूल्य ₹ 2.00
RNI NO. CHH HIN/2001/05596

दैनिक सुप्रभात रायपुर
प्रतिदिन राजधानी
आम आदमी का खास अखबार

संस्थापक-स्व. श्री रामचंद नचरानी
pratidincg@gmail.com
+91 98060 44444
E-paper https://epaper.pratidinrajdhani.in

रायपुर
पंडरिया विधायक भावना बोहरा ... 03 पृष्ठ

खेल
दिनुषा के शतक से श्रीलंका ने बचाया ... 07 पृष्ठ

व्यापार
वैश्विक दबाव से लगातार दूसरे... 08 पृष्ठ

देश
राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने IFS प्रशिक्षुओं को... 11 पृष्ठ

जिन किसी व्यक्ति को समाचार या विज्ञापन देना है संपर्क करे : मो. नं. 9806044444, 6262904444 इस नंबर के अलावा अन्य नंबर पर दी गई सूचना से समाचार पत्र का लेना-देना नही रहेगा...

छत्तीसगढ़ में राज्य प्रशासनिक सेवा अधिकारियों का तबादला

रायपुर। छत्तीसगढ़ सरकार के सामान्य प्रशासन विभाग ने एक बड़ा प्रशासनिक फेरबदल करते हुए राज्य प्रशासनिक सेवाके 6 वरिष्ठ अधिकारियों के नवीन पदस्थापना आदेश जारी किए हैं।

मंत्रालय महानदी भवन, नवा रायपुर अटल नगर से जारी इस आदेश के तहत कई जिलों के अपर कलेक्टर, नगर निगम आयुक्त और छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग के परीक्षा नियंत्रक स्तर के पदों में फेरबदल किया गया है। यह तबादला सूची प्रशासनिक आधार पर अस्थाई रूप से तत्काल प्रभाव से लागू की गई है।

दीप्ति गौत्ते को अपर कलेक्टर, बलौदाबाजार–भाटापारा से परीक्षा नियंत्रक, छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग, नवा रायपुर अटल नगर भेजा गया है । डॉ. ऋतु वर्मा को उप सचिव, सामान्य प्रशासन विभाग के पद पर रहते हुए उन्हें छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग परीक्षा नियंत्रक के अतिरिक्त प्रभार से मुक्त किया गया है।देव नारायण कश्यप को आयुक्त, नगर पालिक निगम अंबिकापुर से उप सचिव, नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग, मंत्रालय नियुक्त किया गया है।

चित्रकांत चाली ठाकुर को अपर कलेक्टर, कोंडागांव से मुख्य कार्यपालन अधिकारी , जिला पंचायत नारायणपुर भेजा गया है । गुड्डू लाल जगत को अपर कलेक्टर, बेमेतरा से उप सचिव, श्रम विभाग, मंत्रालय स्थानांतरित किया गया है ।जबकि विनय कुमार अग्रवाल को मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत नारायणपुर से आयुक्त, नगर पालिक निगम अंबिकापुर भेजा गया है ।

नेपाल बाढ़ से 30 देशों के लोग लापता, अब तक 359 की मौत

एजेंसी, नई दिल्ली

नेपाल में बाढ़ से मरने वालों का आंकड़ा लगातार बढ़ता जा रहा है. पुलिस के मुताबिक, शाम 5 बजे तक आठ जिलों से 359 शवों को बरामद किया गया है. नेपाल पुलिस के प्रवक्ता अबी नारायण कफ्ले ने मौत के संशोधित आंकड़ों की पोस्ट के जरिए पुष्टि की है।

ताजा आंकड़ों के मुताबिक, रसुवा से 17 शवों को बरामद किया गया, जबकि नौकोट से 28, धडिंग से 33, चितवान से 132, गोरखा से 30, तानाहुन से 22, नवलपारसी ईस्ट से 82 और नवलपारसी वेस्ट से 15 शव बरामद किए गए हैं. पुलिस और अन्य एजेंसियों की तरफ से लगातार बाढ़ प्रभावित इलाकों में रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया जा रहा है और पीड़ित परिवारों को बचाया जा रहा है.

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने बीती देर रात कहा कि संकट की इस घड़ी में राज्य सरकार अपने प्रत्येक नागरिक के साथ खड़ी है। उन्होंने कहा कि नेपाल में फंसे नागरिकों की सुरक्षित वापसी और उन्हें आवश्यक सहायता उपलब्ध कराने के लिए सरकार पूरी तत्परता के साथ कार्य कर रही है।

नेपाल में जल प्रलय से हाहाकार

नेपाल की बाढ़ में 668 लापता पर्यटकों की सूची सार्वजनिक, 178 भारतीय भी शामिल

रसुवा की भोटेकोशी नदी में आई बाढ़ के बाद लापता हुए पर्यटकों के नाम सार्वजनिक किए गए हैं।

पर्यटन विभाग के अनुसार, देशी और विदेशी मिलाकर कुल 668 पर्यटक लापता हैं। इनमें 327 महिलाएं शामिल हैं। आंकड़ों के मुताबिक लापता पर्यटकों में 178 भारतीय, 127 नेपाली और 65 अमेरिकी नागरिक हैं। इसके अलावा 35 ऑस्ट्रेलियाई और 25 कनाडाई पर्यटक भी लापता बताए गए हैं।

छत्तीसगढ़ के नागरिकों की सहायता के लिए हेल्पलाइन नंबर जारी

नेपाल में बाढ़ एवं भूस्खलन के कारण फंसे छत्तीसगढ़ के नागरिकों की सहायता के लिए राज्य सरकार ने हेल्पलाइन नंबर जारी किए हैं। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के निर्देश पर फंसे नागरिकों की सुरक्षित वापसी और आवश्यक सहायता सुनिश्चित करने के लिए प्रशासन सक्रिय रूप से कार्य कर रहा है।

राज्य सरकार द्वारा जारी जानकारी के अनुसार, प्रदेश के नागरिक अथवा उनके परिजन सहायता एवं आवश्यक जानकारी के लिए आपदा प्रबंधन हेल्पलाइन 1070 तथा दूरभाष +91-771-2223471 पर संपर्क कर सकते हैं।

बहनों का सम्मान, सशक्तिकरण और खुशहाली से बनेगा विकसित छत्तीसगढ़: सीएम साय

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

रक्षाबंधन के पावन अवसर पर जशपुर जिले के फरसाबहार विकासखंड के ग्राम केरसई में आज भाई–बहन के स्नेह, विश्वास और आत्मीयता का भावपूर्ण दृश्य देखने को मिला। यहां आयोजित 'रक्षाबंधन एवं बहनों से संवाद' कार्यक्रम में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के पहुंचने पर क्षेत्र की बहनों ने बड़े उत्साह और आत्मीयता के साथ उनका स्वागत किया और उनकी कलाई पर राखी बांधी। बहनों के स्नेह से अभिभूत मुख्यमंत्री ने उनसे आत्मीय संवाद किया, उनकी बातें सुनीं और सभी को रक्षाबंधन की हार्दिक शुभकामनाएं दीं।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि रक्षाबंधन केवल भाई–बहन के स्नेह का पर्व नहीं, बल्कि विश्वास, सम्मान और सुरक्षा के संकल्प का भी पर्व है। जब बहन अपने भाई की कलाई पर राखी बांधती है तो वह धागा जीवन भर उसके सम्मान और सुख–दु:ख में साथ खड़े रहने की जिम्मेदारी से जोड़ देता है। प्रदेश की माताओं और बहनों का स्नेह तथा आशीर्वाद मिलना उनके लिए सौभाग्य की बात है।

मुख्यमंत्री ने बहनों से कहा कि आपने मुझे जो स्नेह और विश्वास दिया है, उसे बनाए रखना मेरा दायित्व है। मेरा फर्ज है कि आपका और क्षेत्र की जनता का सिर हमेशा ऊंचा रहे तथा विकास का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे।卐 उन्होंने कहा कि माताओं–बहनों के सम्मान, सशक्तिकरण और खुशहाली से ही परिवार मजबूत होगा और मजबूत परिवारों से विकसित छत्तीसगढ़ का निर्माण होगा।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 'खेलो इंडिया संवाद' को वर्चुअली संबोधित किया

उप मुख्यमंत्री अरुण साव 'खेलो इंडिया संवाद' कार्यक्रम में हुए शामिल

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर तिलक वर्मा और यूथ-आइकन डॉ. प्रियंका बिस्सा भी हुए शामिल

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

उप मुख्यमंत्री तथा खेल एवं युवा कल्याण मंत्री अरुण साव आज गुरुवार को रायपुर में राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईटी) में आयोजित 'खेलो इंडिया संवाद' कार्यक्रम में शामिल हुए।

हॉकी के जादूगर मेजर ध्यानचंद की जयंती राष्ट्रीय खेल दिवस के मौके पर आयोजित देशव्यापी 'खेलो इंडिया संवाद' को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केन्द्रीय युवा मामले व खेल मंत्री डॉ. मनसुख मंडाविया ने वर्चुअली संबोधित किया।

उन्होंने देश के विभिन्न शहरों से लगभग 1600 स्थानों से जुड़े 8 लाख से अधिक युवाओं को संबोधित किया। देशभर के एथलीट्स और खेल जगत की प्रसिद्ध हस्तियां भी इसमें वर्चुअली शामिल हुए। रायपुर में आयोजित कार्यक्रम में प्रसिद्ध अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर तिलक वर्मा और यूथ–आइकन डॉ. प्रियंका बिस्सा भी मौजूद थीं।

उप मुख्यमंत्री तथा खेल एवं युवा कल्याण मंत्री अरुण साव ने एनआईटी में आयोजित 'खेलो इंडिया संवाद' में युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि, हर व्यक्ति की सफलता के पीछे कठोर परिश्रम होता है। बुराईयों को त्याग कर, अपनी कमियों और खामियों को दूर कर जब मेहनत करते हैं, तब हमें बड़ी सफलता मिलती है। उन्होंने युवाओं को नशे से दूर रहने की अपील करते हुए कहा कि नशामुक्त युवा ही विकसित भारत का निर्माण कर सकता है। नशामुक्त होना अपने आप में देश को ताकत और मजबूती देना है।

मशहूर क्रिकेटर तिलक वर्मा ने कार्यक्रम में युवाओं के सवालों के जवाब देते हुए कहा कि, खेल व्यक्ति को सब कुछ सिखाता है। कठिन परिस्थितियों से जूझना, दवाब झेलना, कौशल, टीम भावना और मानसिक स्थिरता जैसे गुण विकसित करने के साथ ही यह सेहत, फिटनेस और पोषण के लिए जागरूक करता है। उन्होंने कहा कि कपिल देव, सचिन तेंदुलकर, विराट कोहली और नीरज चोपड़ा जैसे खिलाड़ियों ने देश के लाखों युवाओं को खेलों से जुड़ने के लिए प्रेरित किया है।

यूथ–आइकन डॉ. प्रियंका बिस्सा ने कहा कि युवाओं को सुझाव देने और पहल करने के साथ ही खुद जिम्मेदारी लेने की भी जरूरत है। युवा अपने इनिशिएटिव्स में ओनरशिप की भावना के साथ काम करें। नेतृत्व, शासन–प्रशासन और देश को आगे बढ़ाने में युवा अपनी सक्रिय और सशक्त मौजूदगी दर्ज कराएं।

मुख्यमंत्री ने 'साइंस ऑन व्हील्स' को दिखाई हरी झंडी.. अब स्कूलों तक पहुंचेगी प्रयोगों की चलती-फिरती विज्ञानशाला

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा - बच्चों में वैज्ञानिक सोच और नवाचार की भावना विकसित करने में उपयोगी होगी पहल

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने गुरुवार को कैम्प कार्यालय बगिया में 'साइंस ऑन व्हील्स' वाहन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। विज्ञान को स्कूलों और विद्यार्थियों के और करीब ले जाने वाली यह चलती–फिरती विज्ञानशाला बच्चों को रोचक प्रयोगों, वैज्ञानिक मॉडलों और गतिविधियों के माध्यम से विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी की दुनिया से परिचित कराएगी। विशेष रूप से आधुनिक वैज्ञानिक संसाधनों तक सीमित पहुंच वाले क्षेत्रों के विद्यार्थियों को इसका लाभ मिलेगा।

मुख्यमंत्री श्री साय ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि बच्चों में स्वाभाविक रूप से अपने आसपास की दुनिया को जानने और समझने की जिज्ञासा होती है। इस जिज्ञासा को वैज्ञानिक सोच, प्रयोग और नवाचार से जोड़ना आवश्यक है। 'साइंस ऑन व्हील्स' बच्चों को किताबों में पढ़े विज्ञान को प्रयोगों के माध्यम से समझने का अवसर प्रदान करेगी। इससे उनमें सवाल पूछने, प्रयोग करने और समस्याओं के वैज्ञानिक समाधान खोजने की प्रवृत्ति विकसित होगी।

उन्होंने कहा कि आज विज्ञान और प्रौद्योगिकी हमारे जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। आने वाला समय नई तकनीकों और नवाचार का है। ऐसे में विद्यार्थियों को स्कूली शिक्षा के दौरान ही विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के व्यावहारिक पक्ष से परिचित कराना उनके भविष्य के लिए उपयोगी सिद्ध होगा। इस प्रकार की पहल बच्चों की प्रतिभा को पहचानने और उन्हें विज्ञान, अनुसंधान तथा नवाचार के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

'साइंस ऑन व्हील्स' की विशेषता यह है कि इसमें विज्ञान को केवल सैद्धांतिक जानकारी तक सीमित न रखते हुए विद्यार्थियों को स्वयं प्रयोग करने और गतिविधियों में भाग लेने का अवसर मिलेगा। वाहन के माध्यम से स्कूलों तक वैज्ञानिक मॉडल, प्रयोग और प्रदर्शनियां पहुंचाई जाएंगी। इससे विद्यार्थी विज्ञान के विभिन्न सिद्धांतों को सरल और रोचक तरीके से समझ सकेंगे।

कार्यक्रम में विद्यार्थियों को मुख्य रूप से चार महत्वपूर्ण मॉड्यूल से जोड़ा जाएगा। अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी के माध्यम से उन्हें ब्रह्मांड और अंतरिक्ष विज्ञान की रोचक दुनिया से परिचित कराया जाएगा। रोबोटिक्स के माध्यम से नई तकनीकों, नवाचार और भविष्य के तकनीकी कौशल की समझ विकसित की जाएगी।

न्यायालय तहसीलदार रायपुर तहसील व जिला रायपुर (छ.ग.)

ईश्तहार

राप्रक्रमांक/अ-6/वर्ष 25-26
रायपुर, दिनांक 27/08/2026
ग्राम पंडरीतराई, प0ह0नं0 109/47,
तहसील व जिला रायपुर

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक श्री सरफराज डगली पिता सालेह मोहम्मद डगली निवासी 536, वार्ड नंबर 36, के. के. रोड मौदहापारा, रायपुर तहसील व जिला रायपुर (छ0ग0) द्वारा इस न्यायालय में धारा-110 छ.ग. भू-राजस्व संहिता 1959 के अंतर्गत् नामांतरण बाबत् आवेदन पत्र पेश कर लेख किया है कि आवेदक द्वारा ग्राम पंडरीतराई, प.ह.नं. 109/47, रा.नि.मं. रायपुर तहसील व जिला रायपुर स्थित परिवर्तित भूमि शीट नंबर 02, प्लाट नंबर 51/4 खसरा नंबर 146/40 रकबा 800 वर्गफुट भूमि को विक्रेता श्री मोहसिन खान पिता मोहम्मद रफीक निवासी 1425, जय हिन्द चौक, राजातालाब, रायपुर छ0ग0 से पंजीकृत बैनामा दिनांक 22/09/2025 के आधार पर कय कर स्वामित्व एंव आधिपत्य प्राप्त किया है। अत: पंजीकृत विक्रय विलेख के आधार पर नामांतरण किये जाने हेतु निवेदन किया है। उक्त प्रकरण की सुनवाई दिनांक / / 2026 को होगी।

अतएव जिस किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वे स्वयं या अपने अभिभाषक के माध्यम से अपनी लिखित आपत्ति दिनांक 15/09/2026 को इस न्यायालय में पेश करें । नियत समयावधि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा ।

आज दिनांक 27/8/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर से जारी किया गया ।

मुहर

तहसीलदार
रायपुर (छ.ग.)

शपथपत्र

मैं शपथकर्ता तामेश्वर साहू उम्र 29 वर्ष पिता श्री राजकुमार साहू निवासी-ग्राम-भद्रापाली पों. बलौदाबाजार जिला बलौदाबाजार छ.ग. जो कि निम्नलिखित कथन शपथ पूर्वक करती हूँ कि:-

1. यह कि ऊपर वर्णित मेरा नाम व पता सत्य एवं सही है।

2 यह कि मेरे पुत्र हार्दिक साहू (HARDIK SAHU) का जन्म दिनांक 21-11-2024 को स्थान-शुभकामना हास्पीटल रायपुर में हुआ है जिसका पंजीकरण संख्या बी 2024 22904340014478 जारी दिनांक 16-01-2025 है। जिसके जन्म प्रमाण पत्र में पुत्र का नाम-डीव्यश साहू (DEEVYESH SAHU) दर्ज / अंकित हो गया है। जिसका नाम परिवर्तन कर पुत्र का सही नाम-हार्दिक साहू (HARDIK SAHU) दर्ज करवाना चाहता हूँ। जिसे जन्म प्रमाणपत्र में सुधार कर प्रदान किया जावे।

3. यह कि यह शपथ पत्र श्रीमान के समक्ष मेरे पुत्र के आधार कार्ड कमांक 3625 2311 3299 में दर्ज नाम-डीव्यश साहू (DEEVYESH SAHU) के स्थान पर नाम परिवर्तन कर सही नाम हार्दिक साहू (HARDIK SAHU) दर्ज कराये जाने हेतु प्रस्तुत है। तत् संबंध में यह शपथ पत्र श्रीमान के समक्ष प्रस्तुत है।

सत्यापन

मैं शपथकर्ता उक्त शपथ पत्र के माध्यम से यह सत्यापित करती हूं कि ऊपर की कंडिका 01 से 03 तक की समस्त जानकारी मेरे ज्ञान से सत्य एवं सही है।

शपथकर्ता

न्यायालय तहसीलदार आरंग, जिला-रायपुर (छ.ग.)

ईश्तहार

राप्रक्रमांक/ अ-6-अ/वर्ष 2025-26
ग्राम बोरिद प.ह.नं.- 29

एतद् द्वारा ग्रामवासी एवं सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि अधिवक्ता श्री शिवशंकर महिलांग के माध्यम से आवेदक त्रिभुवन पिता स्व. बगसराम चंद्राकर निवासी ग्राम बोरिद तहसील आरंग जिला रायपुर छ.ग. का आवेदन ग्राम बोरिद प.ह.नं. 29 रा.नि.म. भिलाई तहसील आरंग स्थित भूमि खसरा नंबर 343, 1014 का रकबा क्रमश: 0.8200, 0.0300 हे आवेदक के नाम पर दर्ज भूमि है। वर्तमान खसरा नंबर 343 बंदोबस्त के पूर्व खसरा नंबर 149/1 रकबा 0.953 हे. भूमि आवेदक के पिता बगसराम पिता दयाराम था बंदोबस्त पश्चात् खसरा नंबर 343 का त्रुटिवश रकबा 0.138 हे. रकबा कम हो गया है रकबा सुधार कर दुरूस्त किये जाने के संबंध में अनुविभागीय अधिकारी (रा.) आरंग के समक्ष आवेदन पेश कर इस न्यायालय को प्राप्त हुआ है।

अत: एव इस संबंध में जिस किसी व्यक्ति / संस्था को दावा आपत्ति हा. तो व इस न्यायालय में दिनाँक 09.09.2026 तक स्वंय या अपने अभिभाषक के माध्यम से आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नही किया जावेगा।

यह ईश्तहार आज दिनाँक 21.08.2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन मुद्रा से जारी किया गया है।

मुहर

तहसीलदार
आरग (छ.ग.)

शपथपत्र

रामनगर शपथकर्ता श्री भगवान दास मानिकपुरी पिता श्री हरिदास मानिकपुरी निवासी- 1360 श्री राम नगर नया चंगोराभाठा रायपुर छ.ग. रहने वाला है जो कि निम्नानुसार कथन शपथ पूर्वक करता हूँ कि:-

1. यह कि मेरा नाम व पता उपरोक्तानुसार है जो कि सत्य व सही है।

2. यह कि मेरा पुत्री मिष्टी मानिकपुरी MISTY MANIKPURI का जन्म दिनांक 30/06/2024 को हो चुका है जिसका जन्म डां भीमराव अम्बेडकर स्मृति चिकित्सालय रायपुर छ0ग0 में हो चुका है जिसका जन्म प्रमाण पत्र बना हैं जिस पर मेरी पुत्री का नाम चुनेश्वरी मानिकपुरी C H U N E S H W A R I MANIKPURI दर्ज अंकित हो चुका है। जो कि गलत दर्ज अंकित है।

3. यह कि मेरी पुत्री के जन्म प्रमाण पत्र मे चुनेश्वरी मानिकपुरी CHUNESH-WARI MANIKPURI दर्ज अंकित है जिसे विलोपित कर सही नाम मिष्टी मानिकपुरी MISTY MANIKPURI दर्ज अंकित कर ना जन्म प्रमाण पत्र प्रदान किया जावे जिस हेतू महोदय के समक्ष शपथपत्र प्रस्तुत किया जा रहा है।

सत्यापन

मैं शपथकर्ता यह सत्यापित करता हूँ। कि शपथ पत्र कंडिका 1 व 3 से लिखी बातें मेरे निजी जानकारी से सत्य एवं सहीं है अत: आज दिनांक को स्थान शहर रायपुर में अपने हस्ताक्षर कर दी है।

शपथकर्ता

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.- 05)

ईदगाहभाठा, नवीन पानी टंकी परिसर, रायपुर
Email ID - rmczone5@gmail.com

पत्र क्र. /34856/ न. पा. नि.
जोन क्रं - 5/2026
रायपुर, दिनांक 27-08-2026

ईश्तहार

नामंतरण प्र.क्र. 34856
वार्ड का नाम - 68 - डॉ. खूबचंद बघेल वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 68 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. RPR567H0550A जो की निगम अभिलेख श्री / श्रीमती LOKESH NAGPURE पिता / पति श्री / श्रीमती PUNARAM NAGPURE के नाम से दर्ज है जिसको श्री / श्रीमती BHARTI DEWANGAN पिता / पति श्री/श्रीमती MANISH DEWANGAN ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / पंजीकृत विक्रय विलेख / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा /प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

" सूचना जारी करे "

(जोन कमिश्नर)
जोन (5) नगर पालिक निगम,
रायपुर (छ.ग.

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.- 05)

ईदगाहभाठा, नवीन पानी टंकी परिसर, रायपुर
Email ID - rmczone5@gmail.com

पत्र क्रं./34857/न. पा. नि./
जोन क्रं.-5/2026
रायपुर, दिनांक 27-08-2026

ईश्तहार

नामंतरण प्र.क्र. 34857
वार्ड का नाम-67-भक्तमाता कर्मा वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 67 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. RPR663H0015E जो की निगम अभिलेख श्री / श्रीमती KEDARNATH GAU-TAM पिता / पति श्री/श्रीमती TRIVENI SHANKAR GAUTAM के नाम से दर्ज है जिसको श्री / श्रीमती NAMAN SHARMA पिता / पति श्री श्रीमती ANUJ SHARMA ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र , दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / पंजीकृत विक्रय विलेख / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

" सूचना जारी करे "

(जोन कमिश्नर)
जोन (5) नगर पालिक निगम,
रायपुर (छ.ग.

CGHB कार्यालय संपदा अधिकारी

छीसगढ़ गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मंण्डल, संपदा प्रबंधन प्रक्षेत्र-01 सिरपुर भवन, व्यवसायिक परिसर कबीर नगर रायपुर
ई-मेल- eocghbzone1@gmail.com

आम सूचना

छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मंडल द्वारा वीर सावरकर नगर हीरापुर कालोनी, रायपुर में निर्मित JU. MIG-1016 भवन योजना के अतंर्गत, दुकानों/भूखण्डों/भवनों में से भूखण्ड/भवन क्रमांमक JU. MIG-1016 श्री विजय कुमार तिवारी पिता/श्री नंदकुमार तिवारी को भाड़ाक्रय/पूर्णमूल्य आधार पर आबंटित किया गया है। आबंटी द्वारा दिनांक 23/10/2010 को विक्रय विलेख निष्पादित कर लिया गया।

आबंटी उक्त भवन के विक्रय हेतु दिनांक 05/08/2026 को निष्पादित विक्रय इकरारनामा की छायाप्रति प्रस्तुत कर भवन /श्रीमती पुतुल सिंह पति श्रही संदीप कुमार सिंह के नाम से विक्रय करने के लिए विक्रय अनुमति की मांग की हैं।

अत: किसी भी व्यक्ति शासकीय / अर्द्धशासकीय संस्था इत्यादि को उक्त भूखण्ड/भवन के विक्रय के संबंध में किसी भी प्रकार की कोई आपत्ति हो तो इस कार्यालय में लिखित रूप से प्रमाणित दस्तावेज सहित इस आमसूचना प्रकाशन के 15 दिन के अन्दर समक्ष उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत करें। अन्यथा बाद में प्राप्त आपत्ति मान्य नही की जायेंगी।

सम्पदा अधिकारी,
छत्तीसगढ़ गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल,
संपदा प्रबंधन प्रक्षेत्र-01
कबीर नगर, रायपुर

नेपाल में बाढ़ एवं भूस्खलन में रायपुर की मोनिका यादव लापता

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

नेपाल में आई भीषण बाढ़ और भूस्खलन की आपदा के बीच छत्तीसगढ़ सरकार ने वहां मौजूद प्रदेश के नागरिकों की सुरक्षा और सहायता के लिए तत्परता से कदम उठाए हैं। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के निर्देश पर राज्य सरकार प्रदेश के सभी जिलों से नेपाल गए नागरिकों की जानकारी एकत्रित कर स्थिति की लगातार निगरानी कर रही है।

प्रशासनिक आंकड़ों के अनुसार रायपुर जिले के महादेव घाट (थाना डी.डी. नगर) की निवासी सुश्री मोनिका यादव के नेपाल में बाढ़ के बाद से लापता होने की सूचना मिली है। वे 22 अगस्त 2026 से नेपाल प्रवास पर थीं और वर्तमान में परिजनों से उनका संपर्क टूट गया है। राज्य सरकार संबंधित अधिकारियों एवं केंद्रीय एजेंसियों के साथ समन्वय स्थापित कर उनकी सुरक्षित खोजबीन के प्रयास कर रही है।

संकट की इस घड़ी में छत्तीसगढ़ राज्य सरकार ने नागरिकों से सहयोग की अपील की है। सरकार का कहना है कि नेपाल गए या वहां रह रहे प्रदेश के नागरिकों के संबंध में यदि किसी के पास भी कोई जानकारी हो, तो उसे तुरंत प्रशासन से साझा करें।

टोल फी नंबर 1070, कंट्रोल रूम नंबर 0771-2223471 छत्तीसगढ़ सरकार ने आश्वस्त किया है कि वह प्रभावित नागरिकों और उनके परिजनों की मदद के लिए पूरी संवेदनशीलता के साथ खड़ी है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव छत्तीसगढ़ के नागरिकों के संबंध में लगातार जानकारी जुटा रही है तथा उनके परिजनों को आवश्यक सहयोग उपलब्ध कराने के लिए तत्पर है।

माताओं के संघर्ष की कहानियों ने नम कीं आंखें, जरूरतमंद परिवारों की सहायता के लिए समाजसेवियों ने बढ़ाए हाथ

'हौसले वाली माँ' कार्यक्रम ने रचा इतिहास, 39 परिवारों का सम्मान

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

सहयोग एक सामाजिक संस्था द्वारा आयोजित 'हौसले वाली माँ' कार्यक्रम बेहद भावनात्मक, प्रेरणादायी और यादगार रहा। कार्यक्रम में कुल 39 परिवारों ने सहभागिता की। इन परिवारों की माताओं को उनके संघर्ष, साहस और परिवार के प्रति समर्पण के लिए फ्रेमयुक्त सम्मान-पत्र, स्वीट एवं उपहार देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम की विशेषता यह रही कि सम्मानित माताओं को मंच पर अपने जीवन के संघर्ष और अनुभव साझा करने का अवसर भी दिया गया।

माताओं ने जब अपने जीवन की कठिन परिस्थितियों, संघर्षों और परिवार को संभालने की अपनी कहानी सुनाई तो माहौल भावुक हो गया। कई माताओं की संघर्षगाथा ने उपस्थित लोगों की आंखें नम कर दीं और यह एहसास कराया कि समाज में ऐसी अनेक माताएं हैं, जो विपरीत परिस्थितियों में भी अपने परिवार के लिए मजबूती से खड़ी रहती हैं।

कार्यक्रम में शदाणी दरबार संत मंडली के साथ समाजसेवी एवं गणमान्य नागरिक जीतू बड़वानी, पवन लोहाना, अमर चंदनानी, मनोहर चंदनानी, अमर गिदवानी, सचिन मेघानी, किशोर कुंदनानी, दिलीप बजाज, नरेश पंजवानी, राजा बजाज, चेतन तारवानी, अनिल मोटवानी, राजू तारवानी, शंकर लाल दानवानी, सुदेश मन्धान, दौलत पारप्यानी, राजेश गुरनानी एवं डॉक्टर एन.डी. गजवानी सहित अनेक गणमान्यजन उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में सहयोग टीम के राष्ट्र प्रमुख चंदर देवानी के साथ अंकित रोहरा, नितिन मथानी, मनीष पंजवानी, राम भक्तानी, दिव्या आडवाणी, रीना तलरेजा, सिमरन चावला, सिमरन बजाज, रेखा भोजवानी, काजल विरानी, ज्योति चांदवानी, मंजू मलंग, मनीषा आडवाणी, रेखा तोलवानी, भावना शर्मा, पूनम चावला, प्रिया अमलानी एवं सुनीता अठवानी सहित सहयोग परिवार के सदस्य मौजूद रहे।

कार्यक्रम में रंगारंग प्रस्तुतियों के साथ लकी ड्रॉ का आयोजन भी किया गया। मनोरंजक प्रश्नोत्तरी के माध्यम से उपस्थित लोगों से सवाल-जवाब किए गए और विजेताओं को उपहार प्रदान किए गए। पूरे कार्यक्रम में उत्साह, मनोरंजन और भावनात्मक जुड़ाव का अनूठा संगम देखने को मिला।

जरूरतमंद परिवारों की मदद का संकल्प

कार्यक्रम का सबसे महत्वपूर्ण और प्रेरणादायी पक्ष यह रहा कि माताओं की संघर्षगाथा सुनने के बाद समाजसेवा के लिए उपस्थित लोगों के मन में नई सोच पैदा हुई।

जीतू बड़वानी ने पांच जरूरतमंद परिवारों को राशन उपलब्ध कराने का संकल्प लिया। वहीं अमर चंदनानी ने यथासंभव गरीब एवं जरूरतमंद परिवारों की सहायता करने की घोषणा की।

इसी क्रम में चेतन तारवानी ने घोषणा की कि जिन जरूरतमंद परिवारों के पास भोजन की नियमित व्यवस्था नहीं है, वे उनके पास आकर अपना कार्ड बनवा सकते हैं। ऐसे जरूरतमंद परिवारों को बाकायदा हर महीने राशन उपलब्ध कराने की व्यवस्था की जाएगी।

सहयोग की पहल को मिली नई दिशा

सहयोग एक सामाजिक संस्था हमेशा समाज को जोड़ने और जरूरतमंदों तक सहायता पहुंचाने के लिए विभिन्न सामाजिक गतिविधियां करती रही है। संस्था की सबसे बड़ी कोशिश यही रही है कि समाज के अलग-अलग वर्गों को एक मंच पर लाकर एक-दूसरे के सुख-दु:ख में सहभागी बनाया जाए।

'हौसले वाली माँ' कार्यक्रम में सहयोग परिवार इस उद्देश्य में बेहद सफल रहा। कार्यक्रम ने न केवल 39 परिवारों को सम्मान दिया, बल्कि समाज के सक्षम लोगों के भीतर जरूरतमंदों के लिए कुछ करने की भावना भी जगाई। सहयोग टीम के राष्ट्र प्रमुख चंदर देवानी ने कहा कि इस कार्यक्रम के बाद सबसे बड़ी उपलब्धि यह रही कि जीतू बड़वानी, अमर चंदनानी और चेतन तारवानी जैसे समाजसेवियों के मन में समाज के लिए जमीनी स्तर पर और अधिक कार्य करने की इच्छा जागी। उन्होंने तीनों को इस पहल के लिए बधाई देते हुए कहा कि यह केवल एक घोषणा नहीं, बल्कि समाज के प्रति जिम्मेदारी की भावना का उदाहरण है। चंदर देवानी ने कहा कि सहयोग परिवार आने वाले समय में समाजसेवा को और अधिक जमीनी स्तर तक ले जाएगा। जरूरतमंद परिवारों की वास्तविक समस्याओं को समाज के सामने लाया जाएगा और उनकी मदद के लिए एक मजबूत व्यवस्था तैयार की जाएगी।

उन्होंने कहा कि सहयोग परिवार से जुड़े किसी भी व्यक्ति या परिवार को कोई समस्या है तो उसकी समस्या को सामने लाने और समाधान तक पहुंचाने के लिए 'सहयोग मित्र मंडल' बनाया जाएगा। इसका उद्देश्य केवल सहायता करना नहीं, बल्कि जरूरतमंद व्यक्ति को सही सहायता, सही व्यक्ति और सही व्यवस्था से जोड़ना होगा।

कार्यक्रम के अंत में सहयोग परिवार ने सभी सम्मानित माताओं, अतिथियों, समाजसेवियों, सहयोगियों एवं उपस्थित नागरिकों का आभार व्यक्त किया। 'हौसले वाली माँ' कार्यक्रम ने यह संदेश दिया कि जब समाज संवेदनशील होकर एक-दूसरे का हाथ थामता है, तो संघर्ष की कहानी प्रेरणा बन जाती है और सम्मान की एक छोटी-सी पहल किसी परिवार के जीवन में बड़ी उम्मीद जगा सकती है।

कार्यालय अधीक्षण अभियंता, लोक निर्माण विभाग, रायपुर मण्डल क्रमांक 1 (छत्तीसगढ़)

निविदा सूचना

एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्नलिखित निर्माण कार्य हेतु ऑनलाईन (Online) निविदा आमंत्रित की जाती है:-

एन.आई.टी.क्र. /सिस्टम टेन्डर नं.	कार्य का विवरण	अनुमानित लागत रू. (लाख में)
1	2	3
122/198197	White/Colour Washing of Various Residential and Non Residential Building Under Sub Div., Tilda-Neora, Block-Tilda, Distt.-Raipur (C.G.) (तृतीय आमंत्रण)	रू. 20.00 लाख
09/198198	B.T Patch Repair work on 1. Sonpairi Main Road to Khilora via Kabir Aashram 2. Gourbhat Bhalera Tamasivni Tandul. 3. Uperwara Tendua Cheriya Banjari Kurru 4. Jamgaon Mandlor Pond Dagniya 5. Cheriya Kurru Road 6. Tarra 17 No. Nali Nawagaon 7. Bhothidih Champaran Road 8. Charoda Khapri Tamasioni Burkha Pond Road 9. Torla Bhurkha Kumhari Road 10. Sunderkera Kathiya Road 11. Kathiya Tarra Ugetarra Nawagaon Road 12. Kendri Uparwara Road 13. Kendri ITM Uparwara Road 14. Jhanki Mudpar Pacheda Road Under Dn. No. 3 Nava Raipur (द्वितीय आमंत्रण)	रू. 149.95 लाख
124/198199	Construction of Office for Divisional Joint Director Agriculture at Labhandih Raipur in Chhattisgarh Under Construction Sub Division No.v, Atal Nagar Nava Raipur (C.G.) (द्वितीय आमंत्रण)	रू. 159.10 लाख
10/198200	Construction of (Balance Work) y Way Direction Cc Road, Bt Road & Drain Work (Length 2.373km) at Pt. Jawahar Lal Nehru, Ward No. w, Kabeer Nagar, Municipal Corporation, Raipur i/c Culverts ot Dist. Raipur (पंचम आमंत्रण)	रू. 124.59 लाख
07/198204	Road safety work for Vidhansabha road to Haritage Hospital Kachna Raipur (C.G.) (षष्ट आमंत्रण)	रु. 131.05 लाख

एन.आई.टी.क्र.122 सिस्टम टेन्डर नं. 198197, एन.आई.टी. क्र.10 सिस्टम टेन्डर नं. 198200 एवं एन.आई.टी.क्र. 07 सिस्टम टेन्डर नं. 198204 निविदा डाउनलोड़ करने की अंतिम तिथि दिनांक 07.09.2026 समय सायं 5:30 बजे तक एवं एन.आई.टी.क्र. 09 सिस्टम टेन्डर नं. 198198 एवं एन.आई. टी.क्र. 124 सिस्टम टेन्डर नं. 198199 निविदा डाउनलोड़ करने की अंतिम तिथि दिनांक 08.09.2026 समय सायं 5:30 बजे तक

उपरोक्त निर्माण कार्यो की निविदा की सामान्य शर्तें, धरोहर राशि विस्तृत निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी https://eproc.cgstate.gov.in पर देखी जा सकती है एवं डाउनलोड की जा सकती है।

जी - 262702998/9

अधीक्षण अभियंता,
लोक निर्माण विभाग
रायपुर मंडल क्र.-1, रायपुर (छ.ग.)

खाली लौटने वाली मालगाड़ियों में माल लदान का अवसर

बिलासपुर, (प्रतिदिन राजधानी)

भारतीय रेलवे द्वारा मालगाड़ियों की उपलब्ध क्षमता का अधिकतम उपयोग करने तथा माल परिवहन को अधिक किफायती और सुगम बनाने के उद्देश्य से परंपरागत खाली प्रवाह दिशा योजना लागू की गई है। इस योजना के तहत उन दिशाओं में माल लदान को प्रोत्साहित किया जा रहा है, जहां मालगाड़ियां माल उतारने के बाद सामान्यत: खाली लौटती हैं।

इस पहल से खाली लौटने वाली मालगाड़ियों की क्षमता का बेहतर उपयोग होगा और ग्राहकों को रियायती माल भाड़े पर अपने उत्पादों को रेल के माध्यम से विभिन्न स्थानों तक पहुंचाने का अवसर मिलेगा। साथ ही, इससे भारतीय रेलवे को अतिरिक्त माल यातायात प्राप्त करने में मदद मिलेगी।

01 अगस्त 2026 से लागू हैं संशोधित प्रावधान

परंपरागत खाली प्रवाह दिशा में माल लदान के लिए सरलीकृत स्वचालित माल भाड़ा छूट योजना जो कि पहले से लागू है के संशोधित प्रावधान 01 अगस्त 2026 से 31 जुलाई 2027 तक प्रभावी रहेंगे।

अधिसूचित खाली प्रवाह दिशाओं में पात्र माल के लदान पर सामान्य माल भाड़े में 15 से 20 प्रतिशत तक की छूट प्रदान की जाएगी। यह छूट निर्धारित पात्रता एवं अन्य शर्तों के अनुसार लागू होगी।

क्या है परंपरागत खाली प्रवाह दिशा योजना?

भारतीय रेलवे के कई मार्गों पर मालगाड़ियां एक दिशा में माल लेकर जाती हैं और माल उतारने के बाद दूसरी दिशा में खाली लौटती हैं। योजना का उद्देश्य ऐसी खाली वापसी यात्रा में उपलब्ध क्षमता का उपयोग माल ढुलाई के लिए करना है। अर्थात, जिस दिशा में मालगाड़ी सामान्यत: खाली लौटती है, उस दिशा में पात्र माल लदान करने वाले ग्राहक को कम माल भाड़े का लाभ मिल सकता है।

ग्राहकों को स्वत: मिलेगा छूट का लाभ

योजना की महत्वपूर्ण विशेषता यह है कि निर्धारित शर्तों को पूरा करने वाली पात्र माल खेप पर माल भाड़े में छूट रेलवे की व्यवस्था के माध्यम से स्वत: लागू होगी। इसके लिए ग्राहक को प्रत्येक पात्र खेप के लिए अलग से आवेदन करने की आवश्यकता नहीं होगी।

3छूट केवल रेलवे द्वारा निर्धारित एवं अधिसूचित खाली प्रवाह दिशाओं में पात्र माल पर लागू होगी। संबंधित दिशा, माल की पात्रता, छूट की दर तथा अन्य शर्तें निर्धारित रेलवे प्रावधानों के अनुसार होंगी।

यह योजना उद्योगों, व्यापारियों और अन्य माल ग्राहकों के लिए अपने उत्पादों को कम लागत में दूर-दराज के क्षेत्रों और नए बाजारों तक पहुंचाने का अवसर प्रदान करेगी। रियायती माल भाड़े के कारण माल ढुलाई की लागत कम होने से उत्पादों की कुल लागत को नियंत्रित करने में मदद मिलेगी, जिसका लाभ आगे चलकर उपभोक्ताओं को भी मिल सकता है। इससे बाजार में वस्तुओं की कीमतों को कम रखने तथा महंगाई को नियंत्रित करने में भी सकारात्मक योगदान की संभावना है। इसके साथ ही, रेल के माध्यम से विभिन्न क्षेत्रों तक उत्पादों की आसान और किफायती पहुंच से व्यापारियों और उत्पादकों को नए बाजारों में अपने उत्पाद पहुंचाने का अवसर मिलेगा।

MUNICIPAL CORPORATION, RAIPUR
OFFICE OF THE COMMISSIONER MUNICIPAL CORPORATION
e-Procurement Tender Notice

Main Portal: http://eproc.cgstate.gov.in
1st call

NIT NO:23/PWD/Zone-2/2026 RAIPUR DATED: 27/08/2026
Online bids are invited for the following of works up to Date 17/09/2026 at 17:30 hours.

Sr. No	System Tender No.	Name of Work	Amount of the Estimate (Rupees in Lakh)	Earnest Money Deposit	Eligible class of contract or/firm	Time allowed for Completion
1	198431	राजीव गांधी वार्ड क्र. 13, जोन क्र. 2. त्रिमूर्ति नगर, फाफाडीह स्थित दया भवन में अतिरिक्त कक्ष का निर्माण कार्य।	15.00	15000.00	Class D & above	06 Months (वर्षाऋतु छोड़कर)

The details can be viewed and downloaded online directly from the Government of Chhattisgarh e-Procurement Portal https://eproc.cgstate.gov.in from 28/08/2026 10.30 Hours (IST) on wards.

For more details on the tender and bidding process you may please visit the above-mentioned portal.

NOTE: -
1. All eligible/interested contractors are mandated to get enrolled on e-Procurement portal.
2. Contractors can contact Help Desk for any clarification of their doubts regarding the process of Electronic Procurement System. **Help Desk at Toll Free No.** 18004199140 or through Email ID **helpdesk.eproc@cgswan.gov.in**

ZONE COMMISSIONER
ZONE-2
MUNICIPAL CORPORATION
RAIPUR (C.G.)

कार्यालय नगर पालिक निगम बीरगांव, जिला-रायपुर (छ.ग.)

क्रं./ 47 / न.पा.नि./ जलप्रदाय शाखा-2026-27/ बीरगांव, दिनांक 21/08/2026

मैन्यूअल पद्धति निविदा आमंत्रण सूचना

निकाय की जलप्रदाय शाखा में निम्नानुसार कार्य हेतु निविदा प्रपत्र "बी" में पात्र फर्मो से मुहरबंद निविदाएं तीन लिफाफा पद्धति में स्पीड पोस्ट / रजिस्ट्री डॉक से आमंत्रित हैं। निविदा प्राप्त होने की अंतिम तिथि 11.09.2026 अपरान्ह 3.00 बजे तक। प्राप्त निविदाओं को खोलने की तिथि 11.09.2026 सायं 4.00 बजे।

क्र.	कार्य का नाम	अनु. लागत (लाख रू.)
1	डी. आई. के 9 पाईप लाईन मरम्मत कार्य व इंटरकनेक्शन कार्य (लेबर वर्क)	8.45
2	डी. आई. के 7 पाईप लाईन मरम्मत कार्य व इंटरकनेक्शन कार्य (लेबर वर्क)	7.00
3	जी. आई. पाईप लाईन मरम्मत कार्य (लेबर वर्क)	6.00

निविदा की सामान्य शर्तें, धरोहर राशि, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी कार्यालयीन अवधि में कार्यालय से तथा साथ ही यह जानकारी नगर पालिक निगम बीरगांव की वेबसाईट www.nagarnigambirgaon.com अथवा संचालनालय की बेबसाईट www.uad.cg.gov.in से भी डाउनलोड की जा सकती है।

आयुक्त

पंडरिया विधायक भावना बोहरा का महादेव की भक्ति के साथ मानव सेवा का संकल्प

अमरकंटक और डोंगरिया में 1.5 लाख से अधिक कांवड़ियों और श्रद्धालुओं ने किया भोजन

रायपुर, (प्रतिदिन राजधानी)

सेवा, श्रद्धा और सामाजिक सरोकार की भावना को आगे बढ़ाते हुए पंडरिया विधायक भावना बोहरा द्वारा लगातार पांचवें वर्ष अमरकंटक में कांवड़ यात्रियों के लिए मेला मैदान (डोम) नया नगर पालिका परिसर, अमरकंटक, जिला अनूपपुर (मध्यप्रदेश) में 30 जुलाई से संचालित निःशुल्क भोजन एवं विश्राम व्यवस्था का 24 अगस्त को विधिवत समापन हुआ। इसके साथ इस वर्ष जलेश्वर महादेव मंदिर ग्राम डोंगरिया में भी पूरे सावन माह तक कांवड़ियों एवं श्रद्धालुओं के लिए भंडारे की व्यवस्था की गई। अमरकंटक एवं डोंगरिया में इस वर्ष कुल 1,50,000 से अधिक शिव भक्तों और कांवड़ियों का आगमन हुआ जिनकी सेवा की गई और अमरकंटक में कठिन यात्रा के बाद कांवड़ियों ने विश्राम किया एवं अमरकंटक व डोंगरिया में भंडारे में सात्विक भोजन परोसा गया।

विधायक भावना बोहरा द्वारा विगत पांच वर्षों से अमरकंटक में कांवड़ यात्रियों की सेवा के लिए यह व्यवस्था की जा रही है। इसका उद्देश्य दूर-दराज से आने वाले श्रद्धालुओं को यात्रा के दौरान सुविधा प्रदान करना और 'सेवा ही सबसे बड़ा धर्म है' की भावना को साकार करना है। इस वर्ष अमरकंटक एवं जलेश्वर महादेव डोंगरिया में आयोजित भंडारे में कुल 1,50,000 से अधिक भोजन की थालियां कांवड़ यात्रियों एवं श्रद्धालुओं को परोसा गया। इसी क्रम में डोंगरिया स्थित जलेश्वर महादेव मंदिर में भी पूरे सावन माह तक विधायक भावना बोहरा द्वारा श्रद्धालुओं के लिए भंडारे की व्यवस्था की गई। इस दौरान प्रतिदिन बड़ी संख्या में ग्रामीणों, कांवड़ यात्रियों एवं शिवभक्तों ने प्रसादी ग्रहण की।

इस अवसर पर विधायक भावना बोहरा ने कहा कि भगवान महादेव की भक्ति के साथ श्रद्धालुओं की सेवा करना उनके लिए केवल धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि जनसेवा और संस्कारों से जुड़ा दायित्व है। सावन माह में शिवभक्तों की सेवा करने का अवसर उन्हें लगातार पांचवें वर्ष प्राप्त हुआ, यह उनके लिए सौभाग्य की बात है। उन्होंने कहा कि बिगत वाले हमारे कवीरधाम जिला के कांवड़ियों की सेवा करने के साथ साथ विगत 2 वर्षों से माँ नर्मदा मंदिर अमरकंटक से भोरमदेव मंदिर तक 151 किलोमीटर की भी माँ नर्मदा और भोलेनाथ जी के आशीर्वाद से मुझे मिला।

राखी से पहले 'विष्णु भैया' की सौगात, प्रेम कुंवर के घर आई खुशियों की मिठास

रायपुर, (प्रतिदिन राजधानी)

रक्षाबंधन के पावन पर्व से पहले महतारी वंदन योजना की 31वीं किस्त की राशि महिलाओं के खातों में पहुंचने से प्रदेशभर में त्योहार की खुशियां और बढ़ गई हैं। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में संचालित इस योजना से महिलाओं को हर महीने मिलने वाली एक हजार रुपये की आर्थिक सहायता उनके लिए नियमित आर्थिक सहारे का माध्यम बन रही है। 'विष्णु के सुशासन' में योजनाओं का लाभ सीधे हितग्राहियों तक पहुंचने से महिलाओं में आत्मविश्वास और आर्थिक सुरक्षा की भावना मजबूत हो रही है।

मरवाही विकासखंड के ग्राम पंचायत गुदुमदेवरी निवासी श्रीमती प्रेम कुंवर श्याम के लिए भी रक्षाबंधन से पहले मिली महतारी वंदन योजना की किस्त किसी सौगात से कम नहीं है। राशि खाते में पहुंचने की जानकारी मिलते ही उनके चेहरे पर खुशी झलक उठी। उन्होंने इस सौगात के लिए मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के प्रति आभार व्यक्त करते हुए उन्हें स्नेहपूर्वक 'विष्णु भैया' कहा।

राखी, मिठाई और जरूरी सामान की खरीदारी में मिलेगी मदद

श्रीमती प्रेम कुंवर श्याम ने बताया कि महतारी वंदन योजना के तहत हर महीने मिलने वाली एक हजार रुपये की राशि उनकी रोजमर्रा की जरूरतों को पूरा करने में आर्थिक मदद करती है। रक्षाबंधन जैसे विशेष अवसर पर यह राशि और भी उपयोगी साबित हुई है।

उन्होंने कहा कि राखी से पहले खाते में राशि आने से राखी, मिठाई और परिवार के लिए जरूरी सामान खरीदने में काफी सहूलियत होगी। त्योहार के समय मिलने वाली यह आर्थिक सहायता उनके लिए खुशी के साथ-साथ राहत भी लेकर आई है।

प्रेम कुंवर ने भावुक होकर कहा, "विष्णु भैया की इस सौगात से हमारी राखी की खुशियां बढ़ गई हैं।

मोहला में फॉस्टर केयर से बालक को मिला नया परिवार, सुरक्षित भविष्य की नई शुरुआत

रायपुर, (प्रतिदिन राजधानी)

बाल संरक्षण के क्षेत्र में मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी जिले ने एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। जिला प्रशासन, महिला एवं बाल विकास विभाग तथा बाल कल्याण समिति (सीडब्ल्यूसी) के संयुक्त प्रयासों से जिले में पहला सफल फॉस्टर केयर (पोषण देखरेख) पुनर्वास पूरा किया गया है। इसके तहत एक बालक को संस्थागत देखरेख से निकालकर सुरक्षित, स्नेहपूर्ण और पारिवारिक वातावरण उपलब्ध कराया गया है। यह पहल बाल अधिकारों के संरक्षण और बच्चों के बेहतर भविष्य के लिए वैकल्पिक देखरेख व्यवस्था की प्रभावशीलता का प्रेरक उदाहरण बनकर सामने आई है। रेस्क्यू से पुनर्वास तक प्रशासन ने निभाई संवेदनशील भूमिका कलेक्टर श्रीमती तनुजा सलाम के निर्देशन तथा जिला कार्यक्रम अधिकारी एवं जिला बाल संरक्षण अधिकारी के मार्गदर्शन में 1 जून से 30 जून 2026 तक विकट परिस्थितियों में रहने वाले बच्चों के रेस्क्यू और पुनर्वास के लिए विशेष अभियान चलाया गया था। अभियान के दौरान श्रम विभाग, पुलिस विभाग और महिला एवं बाल विकास विभाग की संयुक्त टीम ने एक स्थानीय ढाबे से बालक का रेस्क्यू किया। जांच में पता चला कि बालक के माता-पिता तथा दादा-दादी का निधन हो चुका है। इसके बाद बालक को बाल कल्याण समिति के समक्ष प्रस्तुत कर तत्काल संरक्षण के लिए बालगृह भेजा गया।

बालक की इच्छा को दिया गया सम्मान

बालगृह में काउंसलिंग के दौरान बालक ने संस्थागत वातावरण के बजाय पारिवारिक वातावरण में रहने की इच्छा व्यक्त की। उसकी इच्छा और भावनात्मक जरूरतों को ध्यान में रखते हुए जिला प्रशासन एवं बाल संरक्षण इकाई ने फॉस्टर केयर के माध्यम से उसे परिवार का स्नेह और संरक्षण उपलब्ध कराने की दिशा में प्रयास शुरू किए। जिला बाल संरक्षण इकाई के सामाजिक कार्यकर्ता एवं संरक्षण अधिकारी (गैर-संस्थागत देखरेख) ने सेंटर ऑफ एक्सीलेंस इन अल्टरनेटिव

विष्णु भैया के बिहान से बहनों को मिला आर्थिक संबल, मछली पालन से आत्मनिर्भरता की राह पर निरा राजवाड़े

भाई का स्नेह, बहनों का अधिकार-विष्णु भैया के साथ आत्मनिर्भर परिवार

रायपुर, (प्रतिदिन राजधानी)

छत्तीसगढ़ में ग्रामीण महिलाओं को संगठित कर उन्हें स्थायी आजीविका से जोड़ने और आर्थिक रूप से सशक्त बनाने में राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के अंतर्गत संचालित 'बिहान' महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। स्व-सहायता समूहों के माध्यम से महिलाओं को ऋण, प्रशिक्षण और आवश्यक सहयोग उपलब्ध कराया जा रहा है, जिससे वे स्थानीय संसाधनों का बेहतर उपयोग करते हुए स्वरोजगार की दिशा में आगे बढ़ रही हैं।

सरगुजा जिले के लखनपुर विकासखंड अंतर्गत ग्राम पुहपुटरा की श्रीमती निरा राजवाड़े की कहानी इसी बदलाव की प्रेरक मिसाल है। मुनिता स्व-सहायता समूह की सचिव निरा राजवाड़े ने समूह की महिलाओं के साथ मिलकर मछली पालन को आजीविका का साधन बनाया है। समूह ने 'बिहान' से जुड़कर 1 लाख 20 हजार रुपए का ऋण प्राप्त किया और इस राशि का उपयोग मछली पालन की गतिविधि शुरू करने के लिए किया।

10 वर्ष की लीज पर तालाब, सामूहिक प्रयास से शुरू हुआ मछली पालन

निरा राजवाड़े ने बताया कि मुनिता स्व-सहायता समूह ने 10 वर्ष की लीज पर तालाब लिया है। इसी तालाब में समूह की महिलाएं सामूहिक रूप से मछली पालन कर रही हैं। तालाब की देखरेख से लेकर मछली पालन से जुड़े कार्यों तक महिलाएं मिल-जुलकर जिम्मेदारी निभा रही हैं।

समूह का लक्ष्य मछली पालन के माध्यम से नियमित आय का अवसर विकसित करना है। आने वाले समय में मछलियों की बिक्री से प्राप्त होने वाली आय समूह की आर्थिक स्थिति को मजबूत करने के साथ महिलाओं की व्यक्तिगत और पारिवारिक आवश्यकताओं को पूरा करने में भी सहायक बनेगी।

बिहान से मिला सामूहिक आजीविका का रास्ता

निरा राजवाड़े बताती हैं कि 'बिहान' से जुड़ने से पहले उनके पास नियमित आजीविका का कोई साधन नहीं था। स्व-सहायता समूह से जुड़ने के बाद उन्हें अन्य महिलाओं के साथ मिलकर सामूहिक रूप से आर्थिक गतिविधि शुरू करने का अवसर मिला।

वे कहती हैं कि समूह से जुड़ने के बाद महिलाओं के लिए रोजगार और आय के नए रास्ते खुले हैं। सामूहिक प्रयास से काम करने से उनमें आत्मविश्वास बढ़ा है और अपने परिवार की आर्थिक स्थिति को बेहतर बनाने की उम्मीद भी मजबूत हुई है।

स्थानीय संसाधन से रोजगार और आत्मनिर्भरता की ओर कदम मुनिता स्व-सहायता समूह के लिए मछली पालन केवल आय अर्जित करने की गतिविधि नहीं, बल्कि आर्थिक आत्मनिर्भरता की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। संस्थागत ऋण का उपयोग उत्पादन आधारित गतिविधि में किया जा रहा है, जिससे महिलाओं को स्थानीय स्तर पर रोजगार का अवसर भी मिल रहा है।

नक्सल भय का अंत, अबूझमाड़ में फिर जीवंत हुई घोटुल की गौरवशाली परंपरा

बस्तर संभाग के नारायणपुर जिले के? अबूझमाड़ क्षेत्र में घोटुल परंपरा आदिवासी संस्कृति, अनुशासन और सामाजिक शिक्षा का एक अनूठा और जीवंत केंद्र है। अब अबूझमाड़ के अंदरूनी गांवों (जैसे

झारावाही) में ग्रामीण अपनी प्राचीन संस्कृति को सहेजने के लिए स्थानीय लकड़ियों और प्राकृतिक सामग्रियों से दोबारा पारंपरिक घोटुल तैयार कर रहे हैं। बुजुर्गों द्वारा युवाओं को समाज के नियम, परंपराएं, संगीत, नृत्य और जीवनोपयोगी दायित्व सिखाए जाते हैं।

चेलिक-मोटियारिनके सुरीले लोकगीत गूंजने लगे हैं

अबूझमाड़ की शाम अब भय के साये से मुक्त होकर अपनी पौराणिक और सांस्कृतिक लय में लौटने लगी है। जिस अंचल में कभी गोलियों की तड़तड़ाहट और सन्नाटे का खौफ हुआ करता था, वहां अब सूर्य ढलते ही मांदर की थाप और चेलिक-मोटियारिन के सुरीले लोकगीत गूंजने लगे हैं। सुरक्षा वातावरण में आए सकारात्मक बदलाव के साथ ही आदिवासी समाज की ऐतिहासिक धरोहर घोटुल की रौनक फिर से लौट आई है।

युवा बेझिझक घोटुल पहुंच रहे हैं

घोटुल केवल एक सामाजिक केंद्र नहीं, बल्कि आदिवासी समाज की संस्कृति, अनुशासन, लोककला और सामुदायिक मूल्यों की महत्वपूर्ण जीवन-पाठशाला है। नक्सली हिंसा और अनिश्चितता के दौर में गांव वाले शाम ढलते ही अपने घरों में दुबकने को मजबूर थे, जिससे घोटुल की गतिविधियां लगभग थम सी गई थीं। ?सुरक्षा बलों के प्रभावी अभियानों और नक्सल प्रभाव में आई कमी के बाद ग्रामीणों में सुरक्षा का भाव मजबूत हुआ है। अब युवा बेझिझक घोटुल पहुंच रहे हैं, जहां वे अपने बुजुर्गों से लोक परंपराएं, नृत्य और गीत सीखकर अपनी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को आगे बढ़ा रहे हैं।

रायपुर नगर पालिक निगम

जयस्तंभ चौक पर बिना अनुमति तोरण और मुख्य मार्ग पर अवैध गेट लगाने पर महापौर मीनल चौबे सख्त

रायपुर, (प्रतिदिन राजधानी)

राजधानी रायपुर के हृदयस्थल जयस्तंभ चौक जैसे महत्वपूर्ण सार्वजनिक स्थल पर बिना अनुमति तोरण लगाए जाने तथा मुख्य मार्ग पर अवैध रूप से बड़ा गेट लगाए जाने के मामले को महापौर श्रीमती मीनल चौबे ने गंभीरता से लिया है। मामले की जानकारी मिलते ही महापौर ने जोन-4 के संबंधित अधिकारियों को तत्काल नगर निगम मुख्यालय तलब कर कड़ी फटकार लगाई और पूरे प्रकरण की जवाबदेही तय करने के निर्देश दिए।महापौर ने अधिकारियों से पूछा कि जब नगर निगम से किसी प्रकार की अनुमति नहीं ली गई थी, तो सार्वजनिक स्थल और मुख्य मार्ग पर तोरण एवं बड़ा गेट कैसे लग गया? उन्होंने कहा कि शहर में नियम-कायदे सभी के लिए समान हैं। किसी व्यक्ति, संस्था या आयोजनकर्ता को नियमों की अनदेखा करने की छूट नहीं दी जा सकती।महापौर श्रीमती मीनल चौबे ने स्पष्ट कहा कि जयस्तंभ चौक रायपुर का प्रमुख सार्वजनिक स्थल है और मुख्य मार्ग पर इस तरह का गेट लगाना केवल नियमों का उल्लंघन नहीं, बल्कि यातायात व्यवस्था और आम नागरिकों की सुरक्षा एवं सुविधा से जुड़ा गंभीर विषय है। ऐसे मामलों में संबंधित अधिकारियों की जिम्मेदारी है कि वे समय रहते कार्रवाई करें। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि सीसीटीवी फुटेज के माध्यम से तत्काल यह पता लगाया जाए कि तोरण और गेट किस व्यक्ति अथवा संस्था द्वारा लगाए गए हैं। संबंधितों की पहचान कर नगर निगम के नियमों के तहत नियमानुसार कार्रवाई की जाए तथा पूरे मामले की रिपोर्ट प्रस्तुत की जाए।महापौर ने कहा कि सार्वजनिक स्थान किसी की निजी संपत्ति नहीं हैं। आयोजन के नाम पर यातायात बाधित करना या शहर की व्यवस्था बिगाड़ने की अनुमति नहीं दी जाएगी। उन्होंने अधिकारियों को सख्त निर्देश देते हुए कहा कि नियम तोड़ने वालों पर कार्रवाई होगी और नियमों का पालन कराने में लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों की भी जवाबदेही तय होगी।

नेपाल बाढ़ आपदा के संबंध में सहायता हेतु अपील

रायपुर, (प्रतिदिन राजधानी)

नेपाल में उत्पन्न बाढ़ आपदा के दौरान यदि आपके कोई परिजन, रिश्तेदार, परिवारजन अथवा परिचित नेपाल में प्रभावित क्षेत्र में हैं और उनकी जानकारी अथवा सहायता की आवश्यकता है, तो छत्तीसगढ़ राज्य आपदा प्रबंधन कंट्रोल रूम से संपर्क करें।

कंट्रोल रूम 0771-2223471

टोल-फ्री 1070

आपदा की इस कठिन घड़ी में छत्तीसगढ़ राज्य सरकार आपके साथ सदैव तत्पर है।

अनुमति के विपरीत निर्माणाधीन दो भवनों के फ्रंट एमओएस भवन के भाग को हटाने कार्रवाई

रायपुर, (प्रतिदिन राजधानी)

रायपुर नगर पालिक निगम के आयुक्त श्री संबित मिश्रा के निर्देश पर नगर निगम जोन 5 नगर निवेश विभाग द्वारा जोन 5 जोन कमिश्नर श्री खीरसागर नायक के मार्गदर्शन एवं कार्यपालन अभियंता श्री लाल महेन्द्र प्रताप सिंह, सहायक अभियंता श्री नागेश रामटेके, उपअभियंता श्री टिकेन्द्र चंद्राकर की उपस्थिति में जोन 5 क्षेत्र अंतर्गत भाठागांव ब्रम्हदेव कॉलोनी में अनुमति के विपरीत निर्माणाधीन दो भवनों में फ्रंट एमओएस भवन के भाग को सम्बंधित निर्माणकर्ता को नियमानुसार प्रक्रिया के अंतर्गत नोटिस देने के उपरांत हटाने अभियानपूर्वक कार्रवाई की.

शिक्षक दिवस 5 सितम्बर को शहीद स्मारक भवन में तिरंगा शक्ति फेस्ट गुरू वन्दन उत्सव ग्रेंड फिनाले

रायपुर, (प्रतिदिन राजधानी)

रायपुर जिला प्रशासन, रायपुर नगर पालिक निगम संस्कृति विभाग एवं कला केन्द्र रायपुर द्वारा शिक्षक दिवस दिनांक 5 सितम्बर 2026 को शहीद स्मारक भवन में तिरंगा शक्ति फेस्ट 2026 गुरू वन्दन उत्सव ग्रेंड फिनाले का आयोजन रखा गया है.शिक्षकों एवं विद्यार्थियों हेतु यह विशेष आयोजन रखा गया है.

इस विशेष आयोजन में दो आयु वर्ग जूनियर वर्ग में 5 वर्ष से 15 वर्ष आयु वर्ग तक के मध्य के प्रतिभागियों और सीनियर वर्ग में 15 वर्ष से 70 वर्ष आयु वर्ग तक के प्रतिभागियों के मध्य गायन और नृत्य की प्रतियोगिता रखी गयी है, जिसके लिए आडिशन दिनांक 30 अगस्त 2026 को प्रातः 11 बजे से रात्रि 7 बजे तक के मध्य टाउनहाल रायपुर में रखा गया है. प्रतियोगिता के माध्यम से गीत और नृत्य के क्षेत्र में हर आयु वर्ग के प्रतिभागियों को अपनी कला प्रतिभा का प्रदर्शन करने सहित कला की प्रतिभा को निखारने का सुअवसर रायपुर जिला प्रशासन, रायपुर नगर पालिक निगम संस्कृति विभाग और कला केन्द्र रायपुर के इस गरिमामयी आयोजन में सुअवसर सहज और सरल तरीके से प्राप्त हो सकेगा।

विधायक सुनील सोनी ने बीएसयूपी कॉलोनी भाठागांव में नवीन आँगनबाड़ी केन्द्र भवन का लोकार्पण कर दी सौगात

रायपुर, (प्रतिदिन राजधानी)

आज रायपुर दक्षिण विधायक सुनील सोनी ने रायपुर दक्षिण विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत रायपुर नगर पालिक निगम जोन क्रमांक 5 अंतर्गत भक्तमाता कर्मा वार्ड क्रमांक 67 क्षेत्र अंतर्गत भाठागांव बीएसयूपी कॉलोनी परिसर में 11 लाख 69 हजार रूपये की स्वीकृत लागत से नवीन आँगनबाड़ी केन्द्र भवन का लोकार्पण कर शानदार सौगात दी. नवीन आंगनबाड़ी केन्द्र भवन के लोकार्पण के अवसर पर बीएसयूपी कॉलोनी भाठागांव परिसर में भक्त माता कर्मा वार्ड क्रमांक 67 के पार्षद श्रीमती ममता तिवारी सहित नगर निगम जोन 5 जोन कमिश्नर खीरसागर नायक, कार्यपालन अभियंता लाल महेन्द्र प्रताप रामटेके और राजधानी शहर महिलाओं, सामाजिक कार्यकर्ताओं, नवयुवकों बच्चों, रहवासियों की बड़ी संख्या में उपस्थिति रही.

लेख समाचार प्रचार-प्रसार प्रकाशित हेतु संपर्क करे : 9806044444
प्रतिदिन राजधानी
रायपुर, शुक्रवार, 28 अगस्त 2026
https://epaper.pratidinrajdhani.in

सम्पादकीय

आत्महंता होनहार

राजस्थान के कोटा से एक और दुखद खबर आई। मेडिकल प्रवेश परीक्षा नीट की तैयारी कर रही 20 वर्षीय छात्रा ने फंदा लगाकर जान दे दी। इसके अलावा विचलित करने वाली यह खबर भी है कि पिछले पांच सालों में देश के प्रतिष्ठित इंजीनियरिंग संस्थान आईआईटी में 70 होनहारों ने आत्महत्या की। गंभीर चिंता यह भी कि जुलाई से शुरू हुए सत्र में अब तक आईआईटी के तीन और आईआईएम का एक छात्र आत्महत्या कर चुका है। वहीं आईआईएससी बंगलूरु में भी पंद्रह दिन में दो छात्रों ने आत्मघात किया है। विडंबना यह है कि इन आंकड़ों में देश के अन्य शिक्षण संस्थानों के आत्मघात के मामले शामिल नहीं किए जाते हैं। जिससे देश में आत्महत्या करने वाले छात्रों की वास्तविक तस्वीर सामने नहीं आ पाती। यह अकल्पनीय है कि जिन इंजीनियरिंग संस्थानों में दाखिला लेना छात्रों का सपना होता है, वहां पहुंचकर कोई छात्र आत्महत्या क्यों कर लेता है? विचारणीय प्रश्न है कि आखिर ये छात्र आत्मघाती कदम क्यों उठा रहे हैं? क्या वे इंजीनियरिंग आदि के पाठ्यक्रम के साथ साम्य नहीं बैठा पाते? क्या सिस्टम की खामियां उन्हें हताश करती हैं? क्या ग्रामीण पृष्ठभूमि से आए हिंदी व अन्य भारतीय भाषाओं के छात्र अंग्रेजी के पाठ्यक्रम के साथ तालमेल नहीं बैठा पाते हैं? अक्सर चर्चा होती है कि उच्च इंजीनियरिंग संस्थानों में देश के चर्चित व महंगे अंग्रेजी स्कूलों से आए छात्रों द्वारा भाषा,जाति, ग्रामीण पृष्ठभूमि तथा आर्थिक स्तर पर अन्य छात्रों के साथ भेदभाव किया जाता है। आरोप है कि अंग्रेजी माध्यम से आये छात्र हिंदी व क्षेत्रीय भाषाओं से पढ़ाई करके आए छात्रों को हेय दृष्टि से देखते हैं। आरोप तो यहां तक हैं कि कुछ शिक्षक भी ऐसे छात्रों के प्रति दुराग्रह रखते हैं। कमोबेश ऐसी चिंताएं ग्रामीण पृष्ठभूमि व वंचित समाज से आए छात्रों को लेकर भी सामने आती हैं। नये छात्रों को परिसर तथा छात्रावासों में भेदभाव जैसी समस्याओं का भी सामना करना पड़ता है। फलत: इन छात्रों का आत्मविश्वास डिगता है। कालांतर वे अपनी कक्षाओं की पढ़ाई के साथ साम्य नहीं बना पाते व हताशा में आत्मघात की राह चुनते हैं।

इंजीनियरिंग व प्रबंधन से जुड़े देश के उच्च शिक्षण संस्थानों में छात्रों की आत्महत्या की बढ़ती घातक प्रवृत्ति के मद्देनजर सरकार ने मामले की पड़ताल के लिए पिछली जनवरी में तीन सदस्यीय समिति गठित की थी। इस समिति ने भी स्वीकार किया था कि व्यवस्था में कुछ खामियां जरूर हैं, जिसके चलते छात्र आत्मघात के लिये बाध्य होते हैं। दरअसल, कुछ छात्र शिक्षा व्यवस्था, सामाजिक, आर्थिक व पारिवारिक आकांक्षाओं के बोझ के साथ अध्ययन कर रहे होते हैं। जिससे उनके मन में यह भय पैदा हो जाता है कि क्या वे अपने जीवन के लक्ष्य हासिल भी कर पाएंगे? बड़ी संख्या में मध्यमवर्गीय, गरीब परिवारों व वंचित समाज की प्रतिभाएं खून-पसीना एक करके इन संस्थानों में दाखिला लेती हैं। उन पर मानसिक दबाव होता है कि परिवार ने पेट काटकर और कर्ज आदि लेकर उन्हें महंगे इंजीनियरिंग व प्रबंधन संस्थानों में दाखिला दिलाया है। यदि वे असफल हुए तो परिवार को क्या मुंह दिखाएंगे? दूसरा, हमारे समाज में इंजीनियर, प्रबंधक व डॉक्टर बनने की भेड़चाल चल रही होती है।

विकसित भारत की राह में जर्जर शिक्षा व्यवस्था सबसे बड़ा सवाल

सवाल यह है कि जिस शिक्षा-व्यवस्था पर विकसित भारत की नींव रखी जानी है, उसकी बुनियाद ही कमजोर होगी तो 2047 का भारत कितना मजबूत होगा? सरकारी आंकड़े इस चिंता को और गंभीर बनाते हैं। यूडीआईएसई प्लस 2024-25 के अनुसार देश में 1,04,125 स्कूल ऐसे हैं जहां केवल एक शिक्षक कार्यरत है और इन स्कूलों में करीब 33.77 लाख विद्यार्थी पढ़ते हैं। यानी एक शिक्षक को कई कक्षाओं, अनेक विषयों और प्रशासनिक जिम्मेदारियों के बीच बच्चों की शिक्षा संभालनी पड़ रही है। यह केवल संख्या नहीं, बल्कि उन लाखों बच्चों के भविष्य की कहानी है, जिनके लिए सरकारी स्कूल शिक्षा का सबसे सुलभ और कई बार एकमात्र माध्यम हैं।

ललित गर्ग।

भारत आज वर्ष 2047 तक विकसित राष्ट्र बनने का संकल्प लेकर आगे बढ़ रहा है। एक शिक्षक, टूटती दीवारें और घटते सरकारी स्कूल-क्या शिक्षा के बिना 2047 का सपना पूरा होगा? दुनिया की तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की दिशा में देश की प्रगति, डिजिटल क्रांति, अंतरिक्ष उपलब्धियां, आधारभूत ढांचे का विस्तार और वैश्विक मंच पर बढ़ता प्रभाव निश्चित रूप से गौरव का विषय हैं। लेकिन इसी चमकदार तस्वीर के पीछे यदि हम सरकारी स्कूलों की ओर देखें तो एक दूसरा भारत दिखाई देता है-ऐसा भारत जहां हजारों बच्चे आज भी पर्याप्त शिक्षकों, सुरक्षित भवन, स्वच्छ पेयजल, शौचालय, बिजली और गुणवत्तापूर्ण शिक्षण के लिए संघर्ष कर रहे हैं।

विडंबना यह है कि उसी देश में हम विश्वस्तरीय विश्वविद्यालयों, आईआईटी, आईआईएम, मेडिकल संस्थानों और अत्याधुनिक शिक्षण परिसरों की चर्चा करते हैं, लेकिन गांव के उस बच्चे की ओर पर्याप्त ध्यान नहीं देते जो टूटी छत के नीचे बैठकर भविष्य के सपने देख रहा है। कहीं शिक्षक एक है और कक्षाएं पांच। कहीं विद्यालय भवन जर्जर है, कहीं पानी नहीं, कहीं शौचालय नहीं, कहीं बिजली और पंखे नहीं। हाल के महीनों में उत्तर प्रदेश के अनेक जिलों में विद्यार्थियों को अधिक शिक्षक, बेहतर भोजन, पेयजल, पंखे और बुनियादी सुविधाओं की मांग को लेकर सड़कों पर उतरना पड़ा। फतेहपुर में तो लगभग एक हजार विद्यार्थियों ने जर्जर कक्षाओं, रिसती छतों और सुरक्षित पेयजल जैसी मूलभूत सुविधाओं के लिए प्रदर्शन किया। यह स्थिति केवल किसी एक राज्य अथवा किसी एक सरकार की विफलता नहीं है। यह वर्षों से चली आ रही उस प्रशासनिक सोच का परिणाम है जिसमें शिक्षा को प्राथमिकता तो भाषणों में दी गई, लेकिन उसकी गुणवत्ता और जवाबदेही को शासन की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में स्थान नहीं मिला। शिक्षा विभागों में अधिकारियों और कर्मचारियों की बड़ी व्यवस्था है, बजट है, योजनाएं हैं, समितियां हैं, निरीक्षण तंत्र है-फिर भी एक शिक्षक वाले एक लाख से अधिक स्कूल कैसे बने रहे? यह सवाल केवल सरकार से नहीं, पूरे प्रशासनिक तंत्र से पूछा जाना चाहिए। निश्चित रूप से तस्वीर पूरी तरह निराशाजनक भी नहीं है। यूडीआईएसई प्लस के अनुसार 2024-25 में देश में कुल 14.71 लाख स्कूल, करीब 24.69 करोड़ विद्यार्थी और एक करोड़ से अधिक शिक्षक हैं। सरकारी स्कूलों की संख्या 10.13 लाख है, जबकि निजी मान्यता प्राप्त स्कूल करीब 3.40 लाख हैं। सरकार के आंकड़े यह भी बताते हैं कि एकल-शिक्षक स्कूलों की संख्या 2023-24 के 1,10,971 से घटकर 2024-25 में 1,04,125 हुई है और कंप्यूटर सुविधा वाले स्कूलों का अनुपात 57.2 प्रतिशत से बढ़कर 64.7 प्रतिशत हुआ है। इन सुधारों को स्वीकार करना चाहिए, लेकिन इन्हें अंतिम उपलब्धि मान लेना आत्मसंतोष होगा। क्योंकि शिक्षा की असली कसौटी भवन, कंप्यूटर या आंकड़े नहीं, बच्चे की सीखने की क्षमता और उसके भविष्य का निर्माण है। नीति आयोग की हालिया रिपोर्ट एक और महत्वपूर्ण तस्वीर सामने रखती है। 2014-15 में देश में 11.07 लाख सरकारी स्कूल थे, जो 2024-25 में घटकर 10.13 लाख रह गए। इसके विपरीत निजी मान्यता प्राप्त स्कूलों की संख्या 2.88 लाख से बढ़कर 3.39 लाख हो गई। यह परिवर्तन केवल स्कूलों की संख्या का उतार-चढ़ाव नहीं है, यह अभिभावकों की बदलती पसंद और सरकारी शिक्षा में घटते विश्वास का संकेत भी है। सबसे बड़ा प्रश्न यही है कि जब सरकार के पास भवन है, जमीन है, प्रशिक्षित शिक्षक हैं, वेतन देने की क्षमता है और विशाल प्रशासनिक तंत्र है, तब सरकारी स्कूल निजी स्कूलों से पीछे क्यों हैं? निजी स्कूलों की आलोचना करना आसान है, लेकिन यह भी देखना होगा कि अभिभावक अपनी सीमित आय में फीस देकर भी निजी स्कूल क्यों चुन रहे हैं। इसका उत्तर सरकारी स्कूलों की गुणवत्ता, अनुशासन, नियमितता, अंग्रेजी एवं तकनीकी शिक्षा, अभिभावक संवाद और सीखने के वातावरण में छिपा है। एसीईआर के आंकड़े भी इस अंतर को रेखांकित करते हैं। नीति आयोग की रिपोर्ट के अनुसार 2024 में कक्षा 3 के बच्चों में कक्षा 2 स्तर का पाठ पढ़ पाने वालों का अनुपात सरकारी स्कूलों में 23.4 प्रतिशत था, जबकि निजी स्कूलों में 35.5 प्रतिशत। कक्षा 5 में भी सरकारी स्कूलों का आंकड़ा 44.8 प्रतिशत और निजी स्कूलों का 59.3 प्रतिशत रहा। यानी समस्या केवल स्कूल भवन की नहीं, सीखने के परिणामों की भी है।

इसी के समानांतर उच्च शिक्षा और प्रतियोगी परीक्षाओं की तस्वीर भी चिंता पैदा करती है। पेपर लीक, परीक्षा में अनियमितता, भर्ती में देरी और युवाओं के आंदोलनों की खबरें लगातार सामने आती रही हैं। 2026 में परीक्षा संबंधी विवादों ने विद्यार्थियों और अभ्यर्थियों में असंतोष को व्यापक बनाया। इसका अर्थ यह है कि समस्या शिक्षा-व्यवस्था के निचले स्तर से लेकर उच्च स्तर तक फैली हुई है। प्राथमिक स्कूल में कमजोर नींव, माध्यमिक शिक्षा में गुणवत्ता का संकट और उच्च शिक्षा तथा प्रतियोगी परीक्षाओं में पारदर्शिता का सवाल-इन सबको अलग-अलग देखकर समाधान नहीं निकलेगा। सरकारी स्कूल वास्तव में भारत की सामाजिक समानता का सबसे महत्वपूर्ण माध्यम हैं। इन स्कूलों में ग्रामीण परिवारों, श्रमिकों, गरीबों, वंचित वर्गों और निम्न आय वाले परिवारों के बच्चे बड़ी संख्या में पढ़ते हैं। यदि इन विद्यालयों की गुणवत्ता गिरती है तो सबसे अधिक नुकसान उसी वर्ग को होता है जिसके पास महंगे निजी स्कूलों का विकल्प नहीं है। इसलिए सरकारी स्कूलों की बदहाली केवल शिक्षा का संकट नहीं, सामाजिक न्याय का संकट भी है। यहां एक कठोर लेकिन सार्थक सुझाव पर विचार होना चाहिए-क्या जनप्रतिनिधियों और वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों के बच्चों के लिए कुछ निश्चित परिस्थितियों में सरकारी स्कूलों में शिक्षा को प्रोत्साहित अथवा अनिवार्य करने जैसी व्यवस्था बनाई जा सकती है? जब नीति बनाने वाले परिवार स्वयं उसी व्यवस्था का अनुभव करेंगे, तब शायद स्कूल की टूटी खिड़की, बंद शौचालय, शिक्षक की कमी और खराब मिड-डे-मील केवल फाइल की टिप्पणी नहीं रहेंगे, बल्कि व्यक्तिगत अनुभव बन जाएंगे। शिक्षा को केवल मध्याह्न भोजन, छात्रवृत्ति, यूनिफॉर्म या मुफ्त पुस्तकों की योजनाओं तक सीमित नहीं किया जा सकता। ये आवश्यक हैं, लेकिन शिक्षा का उद्देश्य केवल बच्चे को स्कूल तक पहुंचाना नहीं, उसे ज्ञान, विवेक, कौशल, संस्कार और आत्मविश्वास से संपन्न नागरिक बनाना है। जिस बच्चे को आज गुणवत्तापूर्ण शिक्षा नहीं मिलेगी, उससे कल विकसित भारत के निर्माण में प्रभावी योगदान की अपेक्षा कैसे की जा सकती है? सरकार को अब घोषणाओं से आगे बढ़कर 'राष्ट्रीय सरकारी स्कूल कायाकल्प मिशन' जैसी व्यापक पहल पर विचार करना चाहिए। प्रत्येक स्कूल के लिए शिक्षक उपलब्धता, भवन की सुरक्षा, पेयजल, बिजली, डिजिटल सुविधा, शौचालय, पुस्तकालय, खेल मैदान और सीखने के परिणामों के स्पष्ट मानक तय हों। हर स्कूल का सार्वजनिक डैशबोर्ड हो और हर वर्ष यह बताया जाए कि कितने बच्चे पढ़ना, लिखना और गणित करना सीख पाए। शिक्षक नियुक्ति में पारदर्शिता हो और राजनीतिक हस्तक्षेप पर कठोर अंकुश लगे। स्कूल प्रबंधन समितियों को वास्तविक अधिकार दिए जाएं तथा जिला स्तर पर अधिकारियों की जवाबदेही तय हो। सबसे जरूरी है कि शिक्षा को राजनीति से ऊपर उठाया जाए। सरकार और विपक्ष दोनों को यह समझना होगा कि सरकारी स्कूल किसी पार्टी के नहीं, भारत के भविष्य के स्कूल हैं।

बीता हुआ वक्त लौटता नहीं, मगर यादों के झरोखे से बार-बार दस्तक देता है

दिन जो छिटक कर पीछे छूट गए हैं, वे कहीं मरते नहीं। वे बस मन की किसी भीगी हुई अलमारी के कोने में चुपचाप बैठ जाते हैं, जहां धूल तो जमती है, पर समय का पानी उन्हें धुंधला नहीं कर पाता। जब कभी आधी रात को गांव के घर की छप्पर से टपकती बूंदों की आवाज याद आती है या किसी पुराने सूटकेस से सूखे हुए गुलाब की महक उठती है, तो शरीर में सिरहन-सी दौड़ पड़ती है। इंसान सब कुछ कमा लेता है, ऊंचे से ऊंचे ओहदे पर बैठ जाता है, चमचमाती गाड़ियों की पिछली सीट पर बैठकर शहर की रोशनियों को निहारता है, लेकिन कहीं एक बच्चा अकेला खड़ा होकर अपनी मां के आंचल की छांव ढूंढ़ रहा होता है। मनीषियों ने शायद ऐसे ही किसी विरह, ऐसी ही किसी तड़प को याद करते हुए लिखा था- 'जब दिल में पुराने किसी अपने के दूर चले जाने का तीव्र उद्वेग उमड़ता है, तो कंठ रुंध जाता है, आंखें भर आती हैं और कुछ भी साफ दिखाई नहीं देता।' सच ही तो है, हम चाहे जितने आधुनिक हो जाएं, पर अतीत का वह धागा जब खींचा जाता है, तो भीतर से आदमी इस कदर छिल जाता है कि कोई मरहम काम नहीं आता। वह पुराना घर, जहां धूप भी दीवारों से छनकर बड़े सलीके से आती थी, अब सिर्फ हमारी बंद आंखों में ही सलामत है। उस घर के हर एक कोने में हमारी हंसी के कंकड़ और आंसुओं की नमी बिखरी पड़ी है। मां का वह रसोईघर, जहां सुबह-सुबह जलती हुई लकड़ी का धुआं आंखों में लगता था, पर उस धुएं से उठने वाली रोटियों की गंध पूरी दुनिया के इत्र से बढ़कर थी। पिता की वह पुरानी साइकिल वाला ऐनक का डब्बा, जिसे छूने से भी हम डरते थे, आज जब वह याद आता है, तो लगता है कि काश! एक बार फिर उस डांट को सुनने के लिए सब कुछ न्योछावर किया जा सके। हम कहां भूल पाते हैं? हम तो बस भूलने का ढोंग करते हैं, ताकि दुनिया हमें कमजोर न समझे। हम दिन भर हंसते हैं। दफ्तरों में बड़ी-बड़ी बातें करते हैं, मुस्कुराकर तस्वीरें खिंचवाते हैं, लेकिन जैसे ही शाम ढलती है और हम अपने अकेले कमरे में पहुंचते हैं, तो वह पुरानी कसक किसी धारदार चाकू की तरह हमारी रूह को चीर देती है। दरअसल, हम सब अपने-अपने हिस्से का अकेलापन जी रहे हैं। वह अकेलापन और कुछ नहीं, वही पुराने दिनों की अधूरी छोड़ दी गई बातें हैं। वे दोस्त, जो कभी एक ही कप चाय को चार हिस्सों में बांटकर पिया करते थे, आज न जाने किन-किन शहरों की बड़ी-बड़ी इमारतों में खो गए हैं। अब उन तक पहुंचने के लिए हमारे पास सिर्फ एक फोन नंबर है, जिस पर कॉल करने से पहले हम दस बार सोचते हैं कि कहीं वह व्यस्त तो नहीं होगा? वह नीम का पेड़, जिसके नीचे हमने न जाने कितने ख्वाब बोए थे, आज शायद काट दिया गया होगा, पर हमारे भीतर उस पेड़ की पत्तियां आज भी खड़खड़ाती हैं। जब कोई बहुत खुशहाल इंसान भी अचानक किसी सुंदर चीज को देखकर या मधुर स्वर को सुनकर अचानक उदास और बेचैन हो जाता है, तो असल में उसका मन बिना जाने ही अपने अतीत के गहरे, अमिट छापों और पुराने आत्मीय संबंधों को याद करने लगता है। हम जितने बड़े होते जाते हैं, हमारा बचपन हमसे उतना ही दूर एक स्टेशन पर छूट जाता है और हम एक ऐसी ट्रेन में सवार हो जाते हैं, जिसकी कोई वापसी नहीं है। बारिश की वह पहली बूंद, जब मिट्टी पर पड़ती है, तो जो सोंधी खुशबू हवा में घुलती है, वह सीधे खींचकर बचपन के उस आंगन में खड़ा कर देती है, जहां हम नंगे पांव कागज की नाव तैराया करते थे। अब हमारे पास महंगे जूते हैं, पानी से बचने के लिए छतरियां हैं, लेकिन वह बारिश अब कभी वैसी नहीं होती। अब पानी सिर्फ बाहर गिरता है, मन के अंदर सब कुछ सूखा रह जाता है। हम शहर के जहर को पीते-पीते इतने सख्त हो चुके हैं कि अब रोना भी चाहें तो आंसू पलकों के किनारे आकर जम जाते हैं। वे बचपन की बातें, मां की गोदी में सिर रखकर सो जाने का वह बेफिक्र सुकून, अब किसी भी कीमत पर वापस नहीं खरीदा जा सकता। जीवन असल में एक लंबा शोक-गीत है, जिसे हम मुस्कुराकर गाने की कोशिश करते हैं। जो चला गया, वह फिर कभी लौटकर नहीं आता, चाहे हम कितनी ही प्रार्थनाएं कर लें, कितनी ही मन्नतें मांग लें। मगर वह बीता हुआ समय हमारे भीतर एक ऐसा घाव छोड़ जाता है, जो कभी भरता नहीं, बस उस पर यादों की एक हल्की-सी परत जम जाती है। जब भी हवा का कोई झोंका उस परत को हटाता है, तो हम फिर से वही बेबस इंसान बन जाते हैं, जो अपने गुजरे हुए कल के सामने हाथ जोड़े खड़ा रहता है। श्रीमद्भागवत का वह भाव जब उद्धव कृष्ण से विदा लेते हैं, कुछ ऐसा ही है कि जब सब कुछ छूट रहा होता है, तो केवल उस दयालु भाव का ही सहारा बचता है। जिंदगी के इस सफर में हम सब एक-दूसरे से बिछड़ते हुए यात्री हैं, जो अपनी-अपनी पोटली में गुजरे हुए जमाने के कुछ सूखे आंसू और पुरानी हंसी जैसी यादें सहेजकर चल रहे हैं। यादों के झरोखे हमें अतीत के अनुभवों का एहसास कराते रहते हैं। जब तक सांसें हैं, यह टीस बनी रहेगी और जब आंखें बंद होंगी, शायद तभी इस छूटे हुए जमाने से हमारी आखिरी मुलाकात होगी।

नालों पर रोक से ही साफ होगी यमुना

यमुना को प्रदूषण मुक्त करने के लिए विभिन्न योजनाओं पर भारी-भरकम राशि खर्च की जा चुकी है। लेकिन समस्या जस की तस है। असल में यमुना तभी साफ हो सकती है जबकि उसमें गिरने वाले नालों के प्रदूषित पानी को रोका जाए। नदी में यह जहर सीवेज व कारखानों के रासायनिक अपशिष्ट आने से घुलता है। देश में पुण्यदायिनी नदी गंगा के बाद दूसरी प्रमुख नदी यमुना का प्रदूषण चर्चा का विषय बना हुआ है। उसका कारण 85 फीसदी से ज्यादा प्रदूषण बिना ट्रीट किए घरेलू कचरे और औद्योगिक रसायनयुक्त अपशिष्ट है। यदि दिल्ली सरकार की मानें तो यमुना की सफाई अलग-अलग परियोजनाओं के माध्यम से नहीं, वरन दिल्ली के पूरी सीवर इन्फ्रास्ट्रक्चर में व्यापक बदलाव के जरिए की जा रही है। सरकार का मानना है कि यमुना तब साफ होगी जब हर घर सीवर नेटवर्क से जुड़ा होगा। पहले देश में बहने वाली सबसे लंबी नदी गंगा को लें। मोक्षदायिनी मानी जाने वाली नदी गंगा अपने मायके उत्तराखंड से ही प्रदूषित होनी शुरू हो जाती है। इसका खुलासा कैग की रिपोर्ट कर चुकी है। साल 1985 से लेकर आज तक गंगा की प्रदूषण -मुक्ति हेतु 42,000 करोड़ की राशि खर्च की जा चुकी है। गंगा एक्शन प्लान पर शुरू में ही 1,200 करोड़ की राशि खर्च की गई थी। पर हालात जस के तस हैं। वहीं अब दिल्ली की यमुना नदी तमिलनाडु की कूवम नदी सहित देश की सबसे प्रदूषित नदी है। उसकी सफाई पर अब तक पिछले तीन वित्तीय वर्षों में कुल 5,536 करोड़ की राशि खर्च की जा चुकी है। यमुना संरक्षण और प्रदूषण नियंत्रण पर पहले ही लगभग 1,951 करोड़ की राशि खर्च की जा चुकी थी। इसके अलावा दिल्ली सरकार के ग्रीन बजट के तहत दिल्ली जल बोर्ड को 6,485 करोड़ रुपये की राशि दी गई। हाल-फिलहाल में ही दिल्ली सरकार ने यमुना की सफाई के लिए 4,500 करोड़ की राशि की मंजूरी दी है। यही नहीं, यमुना के जल को साफ करने के साथ-साथ नजफगढ़ ड्रेन की सफाई के लिए 1,000 करोड़ की परियोजनाओं को दिल्ली सरकार ने और मंजूरी दी है। इसके बावजूद हकीकत में यमुना आजकल गंदगी और दुर्गंध से सड़ रही है। आज यमुना नदी, सीवेज और कारखानों के रासायनिक अपशिष्ट से इतनी विषैली है कि सभी प्राणियों और जलजीवों की सेहत के लिए भी जानलेवा साबित हो रही है। यहां तक कि यमुना की मछलियां भी स्वास्थ्य के लिए हानिकारक साबित हो रही हैं। शोध के अनुसार, यहां की मछलियां खाने से या इसका पानी पीने से हार्मोनल असंतुलन, पाचन तंत्र में सूजन और कोशिकाओं को भारी नुकसान हो सकता है। इसका अहम कारण मछलियों के शरीर में माइक्रोप्लास्टिक की मात्रा का अत्यधिक पाया जाना है। यमुना के जल में जहरीले रसायनों की बात करें तो पानी में अमोनिया की सीमा अधिकांश एसटीपी को भी बाधित करती है। बीओडी का स्तर स्वीकार्य सीमा से अधिक है और घुलित ऑक्सीजन का स्तर अक्सर 2 मिलीग्राम प्रति लीटर से भी कम होने से जलीय जीवों के अस्तित्व के लिए खतरा बना हुआ है। वहीं, मानव और पशु मल-मूत्र से आने वाले बैक्टीरिया का स्तर सीमा से 32,000 गुना से भी ज्यादा है। दरअसल, कारखानों और सीवेज के जरिए नदी में आने वाले अमोनिया और फॉस्फेट जैसे रासायनिक तत्व जहरीले झाग बनाते हैं। इससे सांस लेने में दिक्कत आती है, गले में सूजन व संक्रमण भी होता है। वहीं पानी में आये क्रोमियम, सीसा, तांबा और अन्य धातुएं शरीर में पहुंचकर तंत्रिका तंत्र को कमजोर करती हैं। ये कैंसर, किडनी तथा लीवर जैसे भयावह रोग की वजह बनती हैं। यदि राजधानी दिल्ली के 22 किलोमीटर इलाके की ही बात करें तो यमुना अपनी बदहाली की कहानी खुद-ब-खुद बयां करती है।

भ्रष्टाचार पर जीरो टॉलरेंस के दावे, फिर बारिश में क्यों डूब जाती है व्यवस्था?

सुरेश सेठ।

भारतीय राजनीति के चेहरे को पहचानना अब आसान नहीं है। नेता जब चुनाव मैदान में उतरते हैं, तो उनके खास नारों में भूख मिटाने और बेरोजगारों को नौकरियां देने के वादे शामिल रहते हैं। भ्रष्टाचार खत्म कर देने के भी पुरजोर दावे होते हैं। मगर जब वे सत्ता में आते हैं, तो इन सभी मुद्दों पर चुप्पी साध लेते हैं। विचित्र बात यह है कि पद संभालते ही उनका एक प्रिय संदेश होता है कि भ्रष्टाचार कतई बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। तब जिस लोक कल्याणकारी व्यवस्था की कल्पना वे प्रस्तुत करते हैं, उसमें किसी को भी भूख से न मरने देने की गारंटी तो होती है, लेकिन नौकरियां देने का कोई संकल्प नहीं होता। यह विडंबना नहीं, तो और क्या है। देश को डिजिटल और कृत्रिम मेधा में सर्वश्रेष्ठ बना देने की बड़ी-बड़ी बातें होती हैं, लेकिन महत्त्वपूर्ण परीक्षाओं के प्रश्नपत्र लीक नहीं होंगे, इसकी कोई गारंटी नहीं होती। सत्तारूढ़ नेताओं के प्रिय वाक्यों में एक यह भी रहता है कि इस बार बरसात का सामना करने के लिए हम तैयार हैं। जनता को आवागमन में कोई दिक्कत नहीं होगी। जलभराव को रोकने और जनजीवन को सुरक्षित रखने के लिए सभी उपाय कर लिए गए हैं। मगर हकीकत में ऐसा कुछ भी नहीं होता। कुछ घंटों की बारिश में ही सड़कें जलमग्न हो जाती हैं। ज्यादातर रास्तों पर बने गड्ढे अंधे कुएं में बदल जाते हैं। हरियाणा का गुरुग्राम औद्योगिक और व्यावसायिक दृष्टि से आधुनिक है। यहां भी यह हाल है कि पिछले दिनों दो घंटे की तेज बारिश से इलाका जलमग्न हो गया। इससे पता चलता है कि हमारी व्यवस्था किस कदर विफल है। देश भ्रष्टाचार के दलदल में अगर डूबा है, तो इसके लिए जिम्मेदार वे नेता हैं, जो यह दावा करते आए हैं कि भ्रष्टाचार को बिल्कुल भी बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और फिर उसे होने देते हैं। भ्रष्टाचार के आरोप में कुछ नेता अवश्य पकड़े जाते हैं, लेकिन ऐसा कभी नहीं पाया गया कि किसी को बड़ी सजा दी गई हो और उसका दूरगामी प्रभाव पड़ा हो। दूसरी ओर, राज्य सरकारें अपने-अपने क्षेत्रों में निवेश आकर्षित करने के लिए नियम बनाती हैं, लेकिन जब वे असुविधा पैदा करने लगते हैं, तो भ्रष्ट आचरण शुरू हो जाता है। हर फाइल को आगे बढ़ाने के लिए चांदी के पहिए लगाए जाते हैं। इनको ढोने वाले बीच के लोग भी इस संस्कृति के वाहक बन जाते हैं। इस लिहाज से देखें, तो मानसून में जलभराव न सिर्फ प्रशासनिक लापरवाही, बल्कि भ्रष्ट तौर-तरीके अपनाने वाले तंत्र की कलई भी खोलते हैं। एक उदाहरण उत्तर प्रदेश से लिया जा सकता है। यहां 4,200 करोड़ रुपए की लागत से 63 किलोमीटर लंबे लखनऊ-कानपुर एक्सप्रेस-वे का उद्घाटन कुछ समय पहले हुआ था। तब इसे राज्य में आवागमन के लिए बड़ी उपलब्धि बताया गया था। यह भी कहा गया कि इस मार्ग से यात्रा करने में समय की बहुत बचत होगी। मगर जब बारिश हुई, तो जिस एक्सप्रेस-वे को वर्षों तक चलना था, वह एक महीने में ही धंस गया। दावा किया गया कि राजमार्ग आधुनिक तरीके से बनाया गया है। यह भी कहा गया कि अमेरिका और जर्मनी के बाद भारत में पहली बार नई तकनीक से सड़क बनी है। मगर क्या वजह रही कि इस मार्ग पर बारिश पड़ते ही उन्नाव से लखनऊ के बीच पैंतालीस किलोमीटर के हिस्से में इतनी टूट-फूट हो गई कि चालीस जगह उसकी मरम्मत कराने की जरूरत पड़ गई। आज कहीं से कोई सवाल नहीं उठता। इस बार भी किसी ने नहीं पूछा कि जिस सड़क को मजबूत बनाने का दावा किया गया था, वह निर्माण के एक महीने से भी कम समय में कैसे खराब हो गई? किन ठेकेदारों ने इसे बनाया और किन अधिकारियों ने इसके गुणवत्तापूर्ण निर्माण की मंजूरी दी। सवाल कोई नहीं पूछेगा। कोई पूछ भी लेगा, तो उसे जवाब नहीं मिलेगा। इस मामले में बस इतना भर हुआ कि मरम्मत पूरी होने तक, टोल टैक्स लेना बंद कर दिया गया और ठेकेदार को काली सूची में डाल दिया गया। मगर सवाल यह है कि एक्सप्रेस-वे पर आवागमन शुरू करने के लिए जिन अफसरों ने हरी झंडी दिखाई, उन पर कार्रवाई क्यों नहीं हुई? हालांकि अब जांच होगी, लेकिन भ्रष्टाचार की कीमत उस जांच को खा जाएगी। यह स्थिति उत्तर प्रदेश में ही नहीं, बल्कि सभी जगह यही हाल है। आज जहां भी बारिश होती है, शहरों के नियंत्रण कक्ष में गंदे पानी की आपूर्ति से लेकर जलभराव की शिकायतों का अंबार लग जाता है। यह देश में आम नजारा है कि एक घंटा बारिश होती है और तीन-चार घंटे तक सड़कों पर पानी जमा रहता है। ऐसी तस्वीरें पंजाब से लेकर दिल्ली और बिहार से लेकर मुंबई तक में आमतौर पर दिखाई देती हैं।

जलभराव की वजह यह है कि नालों और सीवर की समय पर सफाई नहीं होती। उखड़ी हुई सड़कों की मानसून से पहले मरम्मत नहीं होती। विचित्र बात है कि बरसात के दिनों में ही नई योजनाएं शुरू होती हैं। दूसरी ओर, नदी-नालों से लेकर बांधों तक से गाद नहीं हटाई जाती। अलबत्ता वादे जरूर किए जाते हैं, लेकिन उन पर अमल नहीं किया जाता।

लोक भवन में गूंजा अपनत्व का संदेश, दिव्यांग बच्चों ने राज्यपाल रमेन डेका को बांधा रक्षा सूत्र

रायपुर, (प्रतिदिन राजधानी)

रक्षाबंधन के पावन अवसर पर कोपल वाणी के श्रवण बाधित दिव्यांग बच्चों तथा मिनी मार्वेल्स स्कूल के नन्हे–मुन्ने बच्चों ने आज लोक भवन पहुंचकर राज्यपाल रमेन डेका को अपने हाथों से बनाई गई राखियां बांधीं। बच्चों ने रक्षा सूत्र बांधकर राज्यपाल के स्वस्थ, सुखी एवं दीर्घायु जीवन की कामना की और उन्हें अपने हाथों से तैयार की गई राखियों की विशेषता भी बताई। इसके बाद बच्चों ने राज्यपाल का मुंह मीठा कराया।

मासूम हाथों से बनाई गई राखियां जब राज्यपाल डेका की कलाई पर सजीं तो रक्षाबंधन का यह अवसर आत्मीयता और भावनाओं से भर उठा। राज्यपाल ने बच्चों के स्नेह को सहर्ष स्वीकार करते हुए उन्हें आशीर्वाद दिया तथा उपहार भेंट कर उनका उत्साहवर्धन किया।

लोक भवन पहुंचकर बच्चों के चेहरे पर खुशी और उत्साह देखते ही बन रहा था। विशेष रूप से कोपल वाणी के दिव्यांग बच्चों के लिए यह अवसर सम्मान, आत्मविश्वास और गौरव से भरा रहा। अपने हाथों से राखियां तैयार कर उन्हें राज्यपाल की कलाई पर बांधना बच्चों की रचनात्मकता, कौशल और आत्मनिर्भरता का सुंदर उदाहरण रहा। इस अवसर ने यह संदेश भी दिया कि दिव्यांग बच्चे समाज की मुख्यधारा का अभिन्न हिस्सा हैं और उन्हें समान अवसर एवं प्रोत्साहन मिलना चाहिए।

राज्यपाल डेका ने बच्चों की प्रतिभा और उत्साह की सराहना करते हुए कहा कि रक्षाबंधन प्रेम, स्नेह और पारस्परिक विश्वास का पर्व है। बच्चों का यह आत्मीय स्नेह मन को छू लेने वाला है। उन्होंने बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि समाज को दिव्यांग बच्चों की प्रतिभा को प्रोत्साहित करने और उन्हें आगे बढ़ने के समान अवसर प्रदान करने के लिए निरंतर प्रयास करना चाहिए।

इस अवसर पर कोपल वाणी की संस्थापिका श्रीमती पदमा शर्मा, श्रद्धा साहू एवं सोनिया दामनी उपस्थित रहीं। मिनी मार्वेल्स स्कूल की डायरेक्टर श्रीमती अनुभूति श्रीवास्तव सहित शिक्षकगण भी उपस्थित थे।

बहनों का मान, विष्णु भैया का सम्मान - महतारी वंदन से सजा राखी का त्योहार

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

छत्तीसगढ़ सरकार की महत्वाकांक्षी महतारी वंदन योजना एक बार फिर बहनों के लिए राखी से पहले सच्चा भाई होने का एहसास लेकर आई। तेलीबांधा स्थित गुरु घासीदास वार्ड निवासी श्रीमती रंजनी शेडे को योजना की 31वीं किस्त रक्षाबंधन से ठीक पहले प्राप्त हुई। किस्त मिलते ही उनका राखी का त्योहार और भी खास हो गया। अब वह अपने भाई और परिवार के साथ धूमधाम से राखी का पर्व मनाएंगी। श्रीमती रंजनी ने बताया कि वे हर महीने मिलने वाली महतारी वंदन की

राशि से अपने बच्चे की ट्यूशन और स्कूल फीस भरती हैं। उनका सपना है कि उनका बच्चा खूब पढ़े–लिखे और जीवन में आगे बढ़े। महतारी वंदन की राशि उनके इस सपने को पूरा करने में बड़ा सहारा बन रही है। उन्होंने भावुक होते हुए कहा कि राखी के पहले महतारी वंदन योजना की 31वीं किस्त जारी करने के लिए मैं विष्णु भैया का दिल से धन्यवाद करती हूं।

नक्सल पीड़ित 5 परिवारों के सदस्यों को मिली शासकीय सेवा

रायपुर, (प्रतिदिन राजधानी)

नक्सल पुनर्वास नीति से जीवन में आई स्थिरता, कलेक्टर तनुजा सलाम ने सौंपे नियुक्ति पत्र

नक्सल हिंसा से प्रभावित परिवारों के पुनर्वास और उन्हें समाज की मुख्यधारा से जोड़ने की दिशा में छत्तीसगढ़ शासन द्वारा किए जा रहे प्रयासों का सकारात्मक असर अब धरातल पर दिखाई दे रहा है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में संचालित नक्सल पुनर्वास नीति के तहत मोहला–मानपुर–अंबागढ़ चौकी जिले के पांच नक्सल पीड़ित परिवारों के पात्र सदस्यों को शासकीय सेवा में नियुक्ति प्रदान की गई है। जिला कार्यालय में बुधवार को आयोजित बैठक के दौरान मोहला–मानपुर–अंबागढ़ चौकी जिले के कलेक्टर श्रीमती तनुजा सलाम ने नवनियुक्त कर्मचारियों को नियुक्ति पत्र प्रदान किए और उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं।

आदिवासी विकास विभाग के आश्रमों और छात्रावासों में मिली

नक्सल पीड़ित परिवारों के इन पांच सदस्यों की नियुक्ति आदिवासी विकास विभाग के अंतर्गत संचालित छात्रावास एवं आश्रमों में भृत्य पद पर की गई है। नियुक्ति पत्र प्राप्त करने वालों में श्री रवि दुग्गा, श्री अजय कुमार सलामे, श्री दिलसाय कोरेटी, सुश्री समीला पूड़ो एवं सुश्री पायल ईश्वर पूड़ो शामिल हैं। शासकीय सेवा का अवसर मिलने से इन परिवारों को नियमित रोजगार के साथ आर्थिक स्थिरता मिलेगी और वे अपने परिवार की आवश्यकताओं को बेहतर ढंग से पूरा कर सकेंगे।

पुनर्वास नीति से पीड़ित परिवारों को मिल रहा नया संबल

नक्सल पुनर्वास नीति का उद्देश्य नक्सल हिंसा से प्रभावित परिवारों को पुनर्वास, सुरक्षा और स्थायित्व प्रदान करते हुए उन्हें विकास की मुख्यधारा से जोड़ना है। इसी क्रम में पात्र परिवारों के सदस्यों को शासकीय सेवा का अवसर दिया जाना उनके सामाजिक और आर्थिक पुनर्वास की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। शासकीय नौकरी मिलने से प्रभावित परिवारों में भविष्य को लेकर भरोसा बढ़ा है। यह पहल उन्हें आर्थिक रूप से मजबूत बनाने के साथ आत्मनिर्भर जीवन की ओर आगे बढ़ने का अवसर प्रदान कर रही है।

शासकीय सेवा जिम्मेदारी निभाने का अवसर भी

कलेक्टर सलाम ने नवनियुक्त कर्मचारियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि शासकीय सेवा केवल रोजगार प्राप्त करने का माध्यम नहीं, बल्कि समाज और शासन के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाने का अवसर भी है। उन्होंने नवनियुक्त कर्मचारियों से अपने दायित्वों का पूरी निष्ठा, ईमानदारी और जिम्मेदारी के साथ निर्वहन करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि कर्मचारी अपने कार्यस्थल पर अनुशासन और समर्पण के साथ कार्य करें तथा शासन की मंशा के अनुरूप आम नागरिकों को बेहतर सेवाएं उपलब्ध कराने में अपनी भूमिका निभाएं। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि शासकीय सेवा के माध्यम से नवनियुक्त कर्मचारी अपने परिवार की आर्थिक स्थिति को मजबूत करने के साथ आने वाली पीढ़ी के बेहतर भविष्य की नींव भी रखेंगे।

रक्षाबंधन पर प्रदेश की सभी बहनों की सुरक्षा गृहमंत्री विजय शर्मा सुनिश्चित करें -मिथलेश बघेल, प्रदेश अध्यक्ष महिला

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

आम आदमी पार्टी की महिला विंग प्रदेश अध्यक्ष मिथलेश बघेल ने रक्षाबंधन के महापर्व पर प्रदेश की महिलाओं की सुरक्षा को लेकर चिंता व्यक्त करते हुए राज्य के गृहमंत्री विजय शर्मा से सीधा सवाल किया है। मिथलेश बघेल ने कहा कि रक्षाबंधन भाई–बहन के अटूट प्रेम और सुरक्षा के विश्वास का त्यौहार है, ऐसे में गृहमंत्री प्रदेश की सभी बहनों को यह सार्वजनिक रूप से भरोसा दिलाएं कि कल का रक्षाबंधन उनके लिए पूरी तरह से सुरक्षित और भयमुक्त रहेगा।प्रदेश में हाल के दिनों में बढ़ी आपराधिक घटनाओं पर सवाल उठाते हुए उन्होंने कहा कि बहनें तभी सुरक्षित महसूस करेंगी जब कानून–व्यवस्था धरातल पर कड़ाई से लागू दिखे। त्यौहारों के दौरान माताओं और बहनों का सड़कों व सार्वजनिक स्थानों पर आवागमन बढ़ जाता है, लेकिन राज्य में लचर सुरक्षा व्यवस्था के कारण महिलाओं में डर का माहौल बना रहता है। मिथलेश बघेल ने आम आदमी पार्टी की ओर से मांग की है कि-

विशेष सुरक्षा बल की तैनाती-

रक्षाबंधन के अवसर पर सभी प्रमुख बाजारों, बस स्टैंडों, रेलवे स्टेशनों और संवेदनशील इलाकों में पुलिस बल और महिला पुलिस कर्मियों की विशेष तैनाती की जाए।

सुरक्षित परिवहन

सार्वजनिक परिवहन और ऑटो/टैक्सी स्टैंडों पर कड़ी निगरानी रखी जाए ताकि दूर–दराज जाने वाली बहनों को किसी तरह की असुविधा या खतरे का सामना न करना पड़े।

हेल्पलाइन नंबर सक्रियता

महिला हेल्पलाइन नंबरों को 24 घंटे एक्टिव और मुस्तैद रखा जाए ताकि किसी भी आपात स्थिति में तुरंत मदद पहुंच सके।

मिथलेश बघेल ने कहा कि प्रदेश की हर बेटी और बहन की सुरक्षा की जिम्मेदारी शासन–प्रशासन की है। गृहमंत्री केवल बयानों तक सीमित न रहकर धरातल पर पुख्ता इंतजाम करें, ताकि बहनें बिना किसी भय के रक्षाबंधन का पर्व खुशी–खुशी मना सकें।

कलिंगा विश्वविद्यालय शिक्षा संकाय द्वारा उच्च शिक्षा में नवाचार, एआई एवं अनुसंधान विषय पर 7-दिवसीय FDP का सफल आयोजन

रायपुर, (प्रतिदिन राजधानी)

कलिंगा विश्वविद्यालय, रायपुर के शिक्षा संकाय द्वारा फ्उच्च शिक्षा में नवाचार, एआई एवं अनुसंधानफ् विषय पर 17 से 24 अगस्त 2026 तक 7–दिवसीय फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम (स्नष्ठक्क) का सफलतापूर्वक ऑनलाइन आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन प्रतिदिन दोपहर 1:30 बजे से 3:00 बजे तक किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य शिक्षकों के ज्ञान, शोध दक्षताओं तथा नवाचार, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और उच्च शिक्षा में उभरती प्रवृत्तियों से संबंधित व्यावसायिक क्षमताओं को सुदृढ़ करना था। इस स्नष्ठक्क का आयोजन महात्मा गांधी बालिका विद्यालय (पी.जी.) कॉलेज, फिरोजाबाद; सेंट थॉमस कॉलेज, भिलाई नगर; तथा स्रू ड्ढड्डद्यह्लद्वह्लवह्लह्नह्न श्द्ध स्र्ड्डड्डद्दद्गद्दद्गड्डह्ल, क्कड्डद्ग के शैक्षणिक सहयोग से किया गया। कार्यक्रम का संबंध सतत विकास लक्ष्य (स्ठत्र) 4–गुणवत्तापूर्ण शिक्षा तथा स्ठत्र 9–उद्योग, नवाचार एवं आधारभूत संरचना से रहा। देश के प्रतिष्ठित शैक्षणिक एवं व्यावसायिक संस्थानों से आमंत्रित विशेषज्ञ वक्ताओं ने विभिन्न समकालीन विषयों पर सत्र लिए। इनमें आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एवं अनुसंधान, सोशल मीडिया एवं मानसिक स्वास्थ्य, क्रोध प्रबंधन, नवाचारी शिक्षण पद्धतियां, उच्च शिक्षा में नवाचार, परिकल्पना निर्माण एवं परीक्षण उपकरण, उच्च शिक्षा में एआई, उभरती प्रवृत्तियां तथा शैक्षणिक उत्कृष्टता जैसे विषय प्रमुख रहे। कार्यक्रम में डॉ. इमैनुएल हंस, डॉ. संध्या द्विवेदी, डॉ. दीप्ति संतोष, प्रो. प्रशांत श्रीवास्तव, डॉ. गणेश तन्नू, डॉ. बिजेंदर सिंह, डॉ. विकास भारद्वाज तथा डॉ. विशाल गोस्वामी ने विशेषज्ञ वक्ता के रूप में अपने सत्र प्रस्तुत किए। उनके सत्रों से प्रतिभागियों को अनुसंधान, नवाचारी

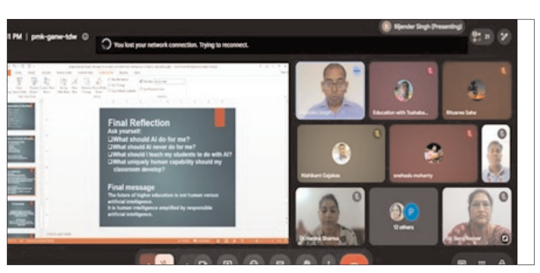

शिक्षण, एआई के जिम्मेदार उपयोग, तकनीक–सक्षम शिक्षण–अधिगम तथा उच्च शिक्षा की समकालीन चुनौतियों के संबंध में व्यावहारिक एवं उपयोगी जानकारी प्राप्त हुई। स्नष्ठक्क का प्रमुख उद्देश्य शिक्षकों में शोध समस्या की पहचान, परिकल्पना निर्माण, शोध अभिकल्प एवं परीक्षण से संबंधित क्षमताओं का विकास करना; विद्यार्थी–केंद्रित एवं नवाचारी शिक्षण पद्धतियों को बढ़ावा देना; शिक्षण, अधिगम, मूल्यांकन एवं अनुसंधान में एआई उपकरणों के प्रभावी उपयोग को प्रोत्साहित करना तथा उभरती तकनीकों के नैतिक एवं जिम्मेदार उपयोग के प्रति जागरूकता विकसित करना था।कार्यक्रम का समन्वय डॉ. सरोज नैय्यर, संयोजक, शिक्षा संकाय द्वारा आयोजन समिति एवं तकनीकी सहयोग टीम के सहयोग से किया गया। समग्र रूप से यह स्नष्ठक्क व्यावसायिक विकास, ज्ञान–विनिमय, शैक्षणिक नवाचार, अनुसंधान क्षमता निर्माण तथा संस्थागत शैक्षणिक सहयोग को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल सिद्ध हुआ।

अयोध्या के दशरथ महल से पवित्र मिट्टी लेकर पहुंचे डॉ. पुरुषोत्तम चंद्राकर

रायपुर, (प्रतिदिन राजधानी)

चित्रोत्पला लोक कला परिषद द्वारा प्रसिद्ध लोक कलाकार राकेश तिवारी की अगुवाई में फ्माता कौशल्या संग तीजा तिहारफ् का आयोजन 11 से 15 सितंबर 2026 तक चंदखुरी में किया जा रहा है।

इस कार्यक्रम में अयोध्या से आज मिट्टी लेकर वरिष्ठ लोक कलाकार डॉक्टर पुरुषोत्तम चंद्राकर एवं पंडित राजेश शर्मा जी रायपुर पहुंचे .परिषद के सदस्यों हेमलाल पटेल संत हरिकर नीतीश यादव, श्रेया चंद्राकर, ललित काकड़े द्वारा उनका रेलवे स्टेशन में फुल माला, बाजा गाजा के साथ स्वागत किया गया। .साथ ही अनेक सामाजिक संस्थाओं के सदस्य भी इन लोगों का स्वागत किया .कल डॉक्टर पुरुषोत्तम चंद्राकर के द्वारा पवित्र मिट्टी की छत्तीसगढ़ के प्रसिद्ध चित्रकार पीलू साहू को सौपेंगे एवं कल से ही श्री साहू द्वारा मूर्ति निर्माण आरंभ किया जाएगा. जिसे बाद में चंदखुरी ले जाया जायेगा।

कल डॉक्टर पुरुषोत्तम चंद्राकर के द्वारा पवित्र मिट्टी की छत्तीसगढ़ के प्रसिद्ध चित्रकार पीलू साहू को सौपेंगे एवं कल से ही श्री साहू द्वारा मूर्ति निर्माण आरंभ किया जाएगा. जिसे बाद में चंदखुरी ले जाया जायेगा।

दिल का दौरा पड़ने से पहले शरीर देता है संकेत -डॉ. स्नेहिल गोस्वामी

रायपुर, (प्रतिदिन राजधानी)

एमएमआई नारायणा मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल, रायपुर

अधिकतर लोग हार्ट अटैक के शुरुआती संकेतों को तभी पहचान पाते हैं जब बहुत देर हो चुकी होती है।

लेकिन सच यह है कि हमारा शरीर इसके आने से कई दिन, यहां तक कि महीनों पहले भी चेतावनी देना शुरू कर देता है। इन्हें प्रोड्रोमल लक्षण कहा जाता है। थकान, शारीरिक गतिविधि के दौरान सांस फूलना, या दिल की धड़कन का अनियमित या तेज़ होना ; ऐसे लक्षण अक्सर इस बात का संकेत होते हैं कि भविष्य में हार्ट अटैक हो सकता है। समय रहते इन्हें पहचान लेने से दिल को होने वाले बड़े नुकसान को टाला जा सकता है और गंभीर परिणामों को काफी हद तक कम किया जा सकता है। दिल की कमज़ोरी की शुरुआत, बिना किसी शोर के उच्च रक्तचाप, मधुमेह, उच्च कोलेस्ट्रॉल और गतिहीन जीवनशैली, धमनियों – यानी वे रक्तवाहिनियां जो ऑक्सीजन युक्त रक्त को दिल तक पहुंचाती और वापस ले जाती हैं ; के सिकुड़ने के प्रमुख कारण हैं। धूम्रपान रक्तवाहिनियों को नुकसान पहुंचाता है और उनमें खून का थक्का जमने की आशंका बढ़ा देता है, जिससे ये और सिकुड़ जाती हैं या पूरी तरह बंद हो जाती हैं। दुर्भाग्य से, यह समस्या अब युवाओं और मध्यम आयु वर्ग के लोगों में भी आम होती जा रही है। मेडिकल डायलॉग्स की एक रिपोर्ट (10 नवंबर, 2025) के अनुसार, भारत में 40 वर्ष से कम आयु के लगभग चार में से एक से पांच में से एक व्यक्ति को हार्ट अटैक होता है, और इनमें से लगभग आधे मामले 50 वर्ष की आयु से पहले सामने आते हैं। इसके अलावा, 2023 से 2026 के बीच जारी कई विशेषज्ञ रिपोर्टों का अनुमान है कि भारत में होने वाले सभी हार्ट अटैक का 25त्न हिस्सा 40 वर्ष से कम उम्र के लोगों में होता है। दिल की पहली चेतावनी: ये छह संकेत ह्य सबसे सामान्य प्रोड्रोमल लक्षण है सीने में दर्द या बेचैनी। ऐसा तब होता है जब दिल को पर्याप्त मात्रा में रक्त नहीं मिल पाता। यह लक्षण अक्सर उरोस्थि (स्टर्नम, यानी सीने के बीचोंबीच स्थित लंबी, चपटी हड्डी जो पसलियों से जुड़ी होती है) के पीछे हल्के दर्द के रूप में महसूस होता है, लेकिन तेज़ दर्द भी एक खतरनाक स्थिति का संकेत हो सकता है। दर्द के अलावा, कई हृदय रोगी अपने पैरों या टखनों में सूजन आने की शिकायत भी करते हैं। यह ऊतकों में तरल पदार्थ जमा होने का संकेत है, जो हृदय की विफलता के कारण होता है। एक और लक्षण है अचानक शुरू होने वाली खांसी जिसमें बलगम आता है – यह पल्मोनरी एडिमा (फेफड़ों में पानी भरना) का विशिष्ट संकेत है। धड़कन का असामान्य रूप से महसूस होना (हार्ट पैल्पिटेशन) भी एक चिंताजनक लक्षण है, क्योंकि यह अतालता (एरिथमिया) का संकेत हो सकता है। जब दिल कोशिकाओं तक पर्याप्त ऑक्सीजन नहीं पहुंचा पाता, तो सांस लेना भी मुश्किल होने लगता है।

बस्तर की महिलाओं ने तैयार की बिना शक्कर वाली ऑर्गेनिक काजू-कतली

वन मंत्री केदार कश्यप ने की सराहना

रायपुर, (प्रतिदिन राजधानी)

बस्तर अंचल में महिला स्व–सहायता समूह की सदस्यों ने अपनी लगन और नवाचार के दम पर स्वरोजगार एवं उद्यमिता की एक प्रेरक मिसाल पेश की है। बस्तर वनमंडल (जिला यूनियन जगदलपुर) के अंतर्गत संचालित वन धन विकास केंद्र, बकावंड की धारणी करीन स्व–सहायता समूह की महिलाओं ने स्थानीय वनोपज का मूल्य–संवर्धन करते हुए बस्तर के ऑर्गेनिक काजू और शुद्ध ऑर्गेनिक गुड़ के अनूठे मेल से बिना शक्कर की स्वास्थ्यवर्धक बस्तर काजू–कतली तैयार की है। वन मंत्री केदार कश्यप ने काजू–कतली के स्वाद और महिलाओं की उद्यमशील सोच की भूरि–भूरि प्रशंसा की।

समूह की महिलाओं ने मुख्य वन संरक्षक कार्यालय जगदलपुर के रिवाल्विंग फण्ड से ऋण लेकर बाजार दर पर कच्चे काजू की खरीदी शुरू की थी। प्रसंस्करण के बाद इसे खुले बाजार में बेचकर लाभ कमाने के बाद महिलाओं ने नया प्रयोग करते हुए शक्कर–रहित काजू–कतली बनाई। आधा किलो और एक किलोग्राम की आकर्षक पैकेजिंग में तैयार इस मिठाई को बाजार में ग्राहकों का जबरदस्त प्रतिसाद मिल रहा है।

वन मंत्री से मुलाकात और आगामी योजना

स्व–सहायता समूह की महिलाओं ने सर्किट हाउस जगदलपुर में प्रदेश के वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री केदार कश्यप से सौजन्य भेंट कर उन्हें प्रथम चरण में तैयार की गई बस्तर काजू–कतली भेंट की। महिलाओं ने बताया कि आगामी ऐतिहासिक बस्तर दशहरा और दीपावली के अवसर पर आम नागरिकों के लिए विभागीय आउटलेट श्संजीवनीश् के माध्यम से इसकी पर्याप्त आपूर्ति सुनिश्चित की जाएगी। वन मंत्री केदार कश्यप ने काजू–कतली के स्वाद और महिलाओं की उद्यमशील सोच की भूरि–भूरि संरक्षक जगदलपुर स्टाइलो मंडावी, मुख्य वन संरक्षक (वन्य प्राणी) उत्तम कुमार गुप्ता और वनमंडलाधिकारी बस्तर दीपेश कपिल को समूह को आवश्यकतानुसार हरसंभव विभागीय सहायता प्रदान करने के निर्देश दिए।

धागा विश्वास का दिव्यांग महिलाओं और श्रवण बाधित छात्राओं की हुनर भरी उड़ान

रायपुर, (प्रतिदिन राजधानी)

रक्षाबंधन का पर्व इस बार रायपुर में दो विशेष स्थानों के लिए सिर्फ त्योहार नहीं, बल्कि आत्मनिर्भरता और मुख्य धारा से जुड़ने का उत्सव बन गया है। समाज कल्याण विभाग द्वारा संचालित एकीकृत महिला सहायता केंद्र अपराजिता, माना कैम्प और मठपुरैना स्थित शासकीय दृष्टि एवं श्रवण बाधितार्थ विद्यालय की बहनों ने अपने हाथों से बनाई राखियों से एक नई मिसाल पेश की है।

माना कैम्प स्थित अपराजिता केंद्र में दिव्यांग महिलाओं को सुरक्षित आश्रय और चिकित्सा सुविधा के साथ–साथ रचनात्मक गतिविधियों से जोड़ा जा रहा है। यहाँ की हितग्राही महिलाओं द्वारा रक्षाबंधन के लिए सुंदर राखियां तैयार की गई हैं। केंद्र में हर त्योहार इसी तरह मनाया जाता है, जिससे उनका मानसिक स्वास्थ्य बेहतर होता है और उनमें आत्मविश्वास लौटता है। स्वस्थ होने पर इन महिलाओं का पुनर्वास न केवल छत्तीसगढ़ बल्कि ऊटी, दिल्ली, तमिलनाडु, ओडिशा, कोलकाता, ओंकारेश्वर, फरीदाबाद जैसे देश के विभिन्न राज्यों में किया जा चुका है। इसी तरह मठपुरैना स्थित शासकीय दृष्टि एवं श्रवण बाधितार्थ विद्यालय की श्रवण बाधित छात्राओं ने भी अपने हुनर से आकर्षक राखियां बनाई हैं। विद्यालय में छात्राओं को राखी निर्माण के साथ–साथ पेंटिंग एवं सिलाई का प्रशिक्षण भी दिया जाता है। उनके द्वारा बनाई गई और लोगों द्वारा खरीदे जाने पर उनका देव साय को समर्पित एक राखी बनाई है। समाज कल्याण विभाग की यह पहल बताती है कि राखी जैसी गतिविधियां केवल त्योहार नहीं, बल्कि दिव्यांग हितग्राहियों को समाज की मुख्य धारा से जोड़ने और आत्मनिर्भर बनाने का सशक्त माध्यम हैं।

22 फीट गहरे जलाशय में डूबे राजकुमार का मिला शव, बिना लाइफ जैकेट के पानी में उतारने का आरोप

बलरामपुर , (प्रतिदिन राजधानी)

बलरामपुर जिले के त्रिकुंडा थाना क्षेत्र के नावाडीह गांव में जलाशय की लीकेज ठीक करने के दौरान डूबे 55 वर्षीय राजकुमार मरावी का शव बुधवार दोपहर करीब 11=30 बजे बांध की नहर से बरामद किया गया। परिजनों और ग्रामीणों ने सिंचाई विभाग के कर्मचारियों पर राजकुमार को बिना लाइफ जैकेट और जरूरी सुरक्षा इंतजामों के गहरे पानी में उतारने का आरोप लगाया है। घटना के बाद गांव में नाराजगी है और जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई की मांग तेज हो गई है।

ग्रामीणों के अनुसार, त्रिकुंडा जलाशय से करीब एक महीने से पानी का रिसाव हो रहा था। इसकी मरम्मत के लिए सिंचाई विभाग के टाइम कीपर अनिल गुप्ता और चौकीदार अहमद अली मौके पर पहुंचे थे। इसी दौरान गांव के राजकुमार मरावी को भी काम के लिए बुलाया गया।

परिजनों का कहना है कि राजकुमार की तबीयत पहले से ठीक नहीं थी और उन्होंने जलाशय पर जाने से इनकार किया था। इसके बावजूद उन्हें कई बार बुलाया गया। परिवार का आरोप है कि पहले 500, फिर 1000 और बाद में 5000 रुपये देने की बात कहकर उन्हें काम के लिए तैयार किया गया। परिजनों के अनुसार, राजकुमार को करीब 22 फीट गहरे पानी में लीकेज ठीक करने के लिए उतारा गया। इस दौरान उनके पास लाइफ जैकेट या कोई दूसरा सुरक्षा उपकरण नहीं था। कुछ समय बाद जब वह पानी से बाहर नहीं आए तो ग्रामीणों ने उनकी तलाश शुरू की।

ग्रामीणों ने बताया कि राजकुमार को खोजने के दौरान करीब 15 साल के एक बच्चे को भी कमर में रस्सी बांधकर पानी में उतारा गया था। हालांकि बच्चा सुरक्षित बाहर आ गया। इसके बाद पुलिस और एसडीआरएफ को सूचना दी गई। दोनों टीमों ने मौके पर पहुंचकर जलाशय में तलाश शुरू की।

रातभर चली तलाश, दोपहर में मिला शव

राजकुमार की तलाश मंगलवार रात तक जारी रही। बुधवार दोपहर करीब 11=30 बजे उनका शव बांध की नहर में मिला। पुलिस की मौजूदगी में शव को बाहर निकाला गया। शव मिलने के बाद परिजनों में कोहराम मच गया।

ग्रामीणों का आरोप है कि हादसे के बाद सिंचाई विभाग के कुछ जिम्मेदार कर्मचारी मौके से चले गए।

महापौर ने महादेव घाट, डोंगाघाट व पुराने पुल का किया निरीक्षण

जगदलपुर, (प्रतिदिन राजधानी)

निगम क्षेत्र में लगातार हो रही बारिश से बनी बाढ़ की स्थिति के बीच महापौर संजय पांडे ने बुधवार को शहर के विभिन्न प्रभावित क्षेत्रों महादेव घाट, डोंगा घाट, पुराना पुल, गोरिया बहार एवं आस–पास के क्षेत्रों में पहुंचकर जलस्तर और आवागमन की स्थिति देखी। उन्होंने संबंधित अधिकारियों से क्षेत्र की वर्तमान स्थिति की जानकारी ली और सतत निगरानी बनाए रखने के निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान महापौर संजय पांडे ने कहा कि वर्तमान में पानी की स्थिति नियंत्रण में है, लेकिन बारिश और नदी के जलस्तर को देखते हुए प्रभावित क्षेत्रों पर लगातार नजर रखना जरूरी है। उन्होंने नागरिकों से भी सावधानी बरतने और प्रशासन द्वारा जारी दिशा–निर्देशों का पालन करने की अपील की।

बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों के निरीक्षण के साथ महापौर ने शहर के सौंदर्यीकरण और हरियाली की दिशा में चल रही तैयारियों का भी जायजा लिया। इंद्रावती नदी से गोरिया बहार तक राष्टीय राजमार्ग के दोनों ओर और डिवाइडर के आस–पास करीब ढाई हजार पौधे लगाए जाने हैं। पौधरोपण से पहले महापौर ने स्थल की साफ–सफाई एवं अन्य व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों से पौधरोपण स्थल की तैयारी को लेकर चर्चा की और आवश्यक दिशा–निर्देश दिए। यहां कनेर एवं टिकोमा के पौधे लगाए जाएंगे। पौधों के लगने से राष्टीय राजमार्ग का क्षेत्र हरा–भरा होने के साथ शहर की निरीक्षण के दौरान नगर निगम अध्यक्ष खेमसिंग देवांगन, एमआईसी सदस्य निर्मल पाणिग्राही, संग्राम सिंह राणा एवं विधुशेखर झा सहित निगम संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

मन को स्थिर करना ही सुखी जीवन की कुंजी- रत्ननिधि

धमतरी, (प्रतिदिन राजधानी)

धर्मनगरी धमतरी के पार्श्वनाथ जिनालय, इतवारी बाजार में चातुर्मास के दौरान धर्मसभा एवं विभिन्न धार्मिक आयोजन श्रद्धा और

आध्यात्मिक वातावरण में संपन्न हो रहे हैं। धर्मसभा में रत्ननिधि श्री जी महाराज साहेब ने ‡मन को स्थिर करना ही सुखी जीवन की कुंजी‡ विषय पर प्रवचन देते हुए कहा कि मनुष्य के जीवन की सबसे बड़ी समस्या बाहरी परिस्थितियां नहीं, बल्कि मन की चंचलता है। मन कभी अतीत की यादों में तो कभी भविष्य की चिंता में भटकता रहता है, जिसके कारण व्यक्ति वर्तमान में रहते हुए भी शांति का अनुभव नहीं कर पाता। उन्होंने कहा कि मन शांत हो तो साधारण जीवन भी सुखमय लगता है, जबकि मन अशांत हो तो सुविधाओं के बावजूद बेचैनी बनी रहती है। मन को नियंत्रित करने के लिए आत्मचिंतन, स्वाध्याय, ध्यान और प्रभु स्मरण को जीवन का हिस्सा बनाने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि परिस्थितियां हमेशा हमारे अनुसार नहीं चलेंगी, लेकिन उनके प्रति हमारी प्रतिक्रिया हमारे हाथ में है। प्रवचन में चिंता के बजाय चिंतन अपनाने का संदेश देते हुए कहा गया कि बीते समय का पछतावा और भविष्य की चिंता मन की शांति छीन लेते हैं, इसलिए वर्तमान को का बड़ा बाधक बताते हुए मौन, धैर्य और क्षमा का मार्ग अपनाने की असंतोष बढ़ता है, जबकि संतोष जीवन का सबसे बड़ा धन है। प्रतिदिन बन सकता है। उन्होंने कहा कि परिवर्तन की शुरुआत मन से होती है; विचार बदलेंगे तो व्यवहार, कर्म और जीवन की दिशा भी बदलेगी। प्रवचन के समापन पर उन्होंने कहा कि सुखी जीवन का रहस्य अधिक पाने में नहीं, बल्कि मन को स्थिर और संतुष्ट रखने में है।

150 मोबाइलों की बड़ी सेंधमारी का पर्दाफाश, होटल के सुराग और सीसीटीवी से झारखंड में दबोचा गया

जशपुर, (प्रतिदिन राजधानी)

छत्तीसगढ़ में जशपुर जिले के कुनकुरी में मोबाइल दुकान का शटर काटकर करीब 150 स्मार्टफोन पार करने वाले अंतरराज्यीय गिरोह का जशपुर पुलिस ने पर्दाफाश कर दिया है। तकनीकी साक्ष्यों और सीसीटीवी फुटेज की मदद से पुलिस की विशेष टीम ने मुख्य आरोपित तौसीफ रजा (35 वर्ष) को झारखंड के साहेबगंज जिले से धर दबोचा। आरोपित को न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया है, जबकि उसका दूसरा साथी चोरी के माल समेत फरार है, जिसकी तलाश में पुलिस लगातार दबिश दे रही है।

वारदात 11 अगस्त की रात कुनकुरी स्थित %कठौतिया मोबाइल शॉप% में हुई थी। संचालक पंकज कुमार पारिक रोज की तरह रात 9 बजे दुकान बंद कर घर गए थे। अगली सुबह पास के बैंक कर्मी ने शटर खुला देख उन्हें सूचना दी। मौके पर पहुंचकर देखा गया तो शटर के दोनों ताले कटे हुए थे और अंदर रखे लगभग 150 कीमती मोबाइल फोन गायब थे। संचालक की शिकायत पर कुनकुरी थाने में भारतीय न्याय संहिता (ब्नह्स) की धाराओं 331(4), 305(ए) और 3(5) के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई।

विवेचना के दौरान पुलिस ने आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले। एक पास के होटल से अहम सुराग मिला, जहां वारदात से पहले दो संदिग्धों ने खाना खाया था और संचालक को एक मोबाइल नंबर भी दिया था। डिजिटल साक्ष्यों और नंबर की पड़ताल के बाद आरोपित की पहचान मुर्गीटोली (नारायणपुर, राजमहल, साहेबगंज) निवासी तौसीफ रजा के रूप में हुई।

डीआईजी एवं एसएसपी डॉ. लाल उमेद सिंह के निर्देश पर गठित विशेष टीम ने झारखंड पहुंचकर दबिश दी और तौसीफ को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में उसने कबूला कि वह अपने साथी के साथ मिलकर लंबे समय से मोबाइल दुकानों को निशाना बनाने की फिराक में था। दोनों ने ओडिशा, आंध्र प्रदेश और छत्तीसगढ़ के कई शहरों में दुकानों की रेकी की थी और अंततः कुनकुरी की दुकान को चुना। घटना की रात शटर के ताले काटकर मोबाइल चुराए, कुछ दूर जाकर खाली डिब्बे व कवर झाड़ियों में फेंके और केवल हैंडसेट पिट्ठू बैग में भरकर बस से फरार हो गए। पुलिस ने आरोपित के पास से वारदात में प्रयुक्त पिट्ठू बैग और उसका निजी मोबाइल जब्त कर लिया है। आरोपित ने खुलासा किया कि चोरी के सभी फोन उसके फरार साथी के पास हैं। पुलिस टीम दूसरे आरोपित को चिन्हित कर उसकी गिरफ्तारी और माल बरामदगी के प्रयास में जुटी है।

जिला स्तरीय अधिकारियों को किया गया साइबर अपराधों के प्रति जागरूक

कोंड़ागांव, (प्रतिदिन राजधानी)

साइबर अपराधों की रोकथाम एवं आम नागरिकों सहित शासकीय अधिकारी–कर्मचारियों को साइबर सुरक्षा के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से कोंड़ागांव पुलिस द्वारा साइबर जागृति अभियान के तहत जिले भर में व्यापक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इसी क्रम में आज बुधवार को जिला कलेक्टर कार्यालय परिसर में जिले के समस्त विभाग प्रमुखों की आयोजित बैठक में जिले के विभिन्न विभागों के विभाग प्रमुख अधिकारीगण, अनुविभागीय दण्डाधिकारी, कार्यपालिक मजिस्ट्रेट एवं अन्य शासकीय अधिकारी उपस्थित थे। बैठक के दौरान कोंड़ागांव एसपी पंकज चन्द्रा द्वारा उपस्थित अधिकारियों के मध्य साइबर जागृति कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को विभिन्न प्रकार के साइबर फॉड से बचाव के संबंध में जागरूक किया गया। उन्हें विशेष रूप से अज्ञात फोन कॉल, फर्जी लिंक, संदिग्ध मोबाइल एप्लीकेशन, सोशल मीडिया के माध्यम से होने वाली ठगी, बैंकिंग फॉड तथा ओटीपी एवं अन्य गोपनीय जानकारी किसी के साथ साझा नहीं करने के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी दी गई।

कोंड़ागांव एसपी पंकज चन्द्रा द्वारा कार्यक्रम को रोचक एवं सहभागितापूर्ण बनाने के उद्देश्य से उपस्थित अधिकारियों के बीच साइबर सुरक्षा विषय पर क्विक प्रतियोगिता आयोजित की गई। प्रतियोगिता का मुख्य उद्देश्य अधिकारियों एवं कर्मचारियों की साइबर जागरूकता को बढ़ाना तथा साइबर अपराधों से बचाव संबंधी महत्वपूर्ण जानकारियों को सरल एवं प्रभावी तरीके से पहुंचाना था। क्विज प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए जिला कलेक्टर कोण्डागांव नुपूर राशि पन्ना विजेता रहीं। उनके साथ प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले अन्य अधिकारियों को भी सम्मानित एवं पुरस्कृत किया गया। क्विज प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले अधिकारी में कोंड़ागांव कलेक्टर नुपूर राशि पन्ना , मुख्य नगरपालिका अधिकारी चिन झा, तहसीलदार, माकड़ी अंकुर रात्रे,जिला समन्वयक अधिकारी मानव विश्वास, महिला एवं बाल विकास विभाग के रेणु शामिल रहे।

कार्यक्रम के पश्चात जिला कलेक्टर नुपूर राशि पन्ना ने साइबर जागृति अभियान से संबंधित क्यूआर कोड स्कैन कर सेल्फी ली तथा उपस्थित सभी अधिकारी–कर्मचारियों को साइबर सुरक्षा के प्रति सदैव सजग और सतर्क रहने का संदेश दिया। उन्होंने आम नागरिकों से भी अपील की कि वे डिजिटल माध्यमों का उपयोग करते समय सावधानी बरतें, किसी भी अज्ञात व्यक्ति के साथ अपनी बैंकिंग अथवा व्यक्तिगत जानकारी साझा न करें तथा किसी भी प्रकार की साइबर ठगी की स्थिति में तत्काल संबंधित एजेंसी को सूचना दें।

इसी क्रम में भारतीय स्टेट बैंक कलेक्ट्रेट शाखा, कोण्डागांव में भी एसपी पंकज चन्द्रा द्वारा साइबर जागृति कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में बैंक के अधिकारी एवं कर्मचारियों को वर्तमान समय में बढ़ रहे बैंकिंग एवं ऑनलाइन साइबर अपराधों के संबंध में जागरूक किया गया। पुलिस अधीक्षक द्वारा फर्जी बैंक कॉल, ओटीपी/यूपीआई फ्रॉड, केवायसी अपडेट के नाम पर ठगी, फर्जी लिंक, डिजिटल अरेस्ट, सोशल मीडिया एवं ऑनलाइन बैंकिंग से संबंधित धोखाधड़ी से बचाव के उपायों की जानकारी दी गई।

हर खेत का हो डिजिटल सर्वे, हर किसान का हो पंजीयन -कलेक्टर

दुर्ग, (प्रतिदिन राजधानी)

प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना, सामान्य फसल अनुमान सर्वेक्षण योजना एवं अन्य कृषि सांख्यिकी योजनाओं के संबंध में वार्षिक प्रशिक्षण पीडब्ल्यूडी सभागार में सभी अनुविभागीय अधिकारी, उप संचालक कृषि, तहसीलदार एवं पटवारी के लिए आयोजित किया गया। प्रशिक्षण के दौरान अपर कलेक्टर हरवंश सिंह मिरी भी उपस्थित थे। सहायक अधीक्षक भू–अभिलेख द्वारा अधिकारियों को योजनाओं की प्रक्रिया एवं कार्यों की बारीकियों की विस्तार से जानकारी दी गई।

प्रशिक्षण के दौरान कलेक्टर अभिजीत सिंह ने फसलों के डिजिटल फसल सर्वेक्षण, एग्रीस्टेक पोर्टल एवं लंबित बकेट क्लेम प्रकरणों की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने डिजिटल फसल सर्वेक्षण का कार्य आगामी सितंबर माह तक पूर्ण करने को कहा। उन्होंने सर्वेक्षण में आ रही दिक्कतों की जानकारी लेते हुए सर्वेयरों की संख्या बढ़ाने तथा कार्य को प्राथमिकता से पूरा करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने पटवारियों को अधिक से अधिक सर्वेक्षणों का अनुमोदन करने को कहा। उन्होंने कहा कि कई गांवों में सर्वेक्षण पूरा होने के बावजूद पटवारियों द्वारा समय पर अनुमोदन नहीं किया जा रहा है। उन्होंने निर्देश दिए कि पटवारी सर्वेयरों के साथ कम से कम एक–दो खसरों का मौके पर निरीक्षण करें। किसी खेत में फसल को लेकर संदेह होने पर सर्वेयर संबंधित फसल का फोटो संबंधित अधिकारी व पटवारी के साथ साझा करें, ताकि किसी संदिग्ध या प्रतिबंधित फसल की जानकारी मिलने पर नियमानुसार रिपोर्ट की जा सके।

उन्होंने सक्रिय सर्वेयरों की सूची तैयार करने के निर्देश दिए।

ताकि निष्क्रिय सर्वेयरों को हटाकर उनके स्थान पर दूसरे सर्वेयरों की नियुक्ति की जा सके। कलेक्टर ने जानकारी दी कि डिजिटल फसल सर्वेक्षण केवल धान की फसल तक सीमित नहीं है। धान के स्थान पर कोदो, कुटकी, अरहर, कपास, सोयाबीन, तिल, रागी सहित अन्य फसलें लेने वाले किसानों की फसलों का भी सर्वेक्षण किया जाना है, ताकि पात्र किसानों को नियमानुसार अनुदान का लाभ मिल सके।

कलेक्टर ने एग्रीस्टेक पोर्टल पर किसानों का शत–प्रतिशत पंजीयन सुनिश्चित करने तथा लंबित बकेट क्लेम प्रकरणों का शीघ्र निराकरण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि कोई भी पात्र किसान पंजीयन से वंचित नहीं होना चाहिए।

तपस्या से कर्मों की निर्जरा होती है–मणिभद्र मुनि

दुर्ग, (प्रतिदिन राजधानी)

नेपाल केसरी मानव मिलन के संस्थापक राष्ट्रसंत मणिभद्र मुनि के सानिध्य में जय आनंद मधुकर रतन भवन, बांधा तालाब, दुर्ग में धार्मिक आराधनाओं के साथ त्याग, तपस्या और आध्यात्मिक साधना का क्रम निरंतर जारी है।

इसी क्रम में बाधमार परिवार की बहू खुशबू बाधमार द्वारा की गई कठिन मासक्षमण तपस्या के उपलक्ष्य में अभिनंदन एवं अनुमोदना समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर सामाजिक बंधुओं के साथ बड़ी संख्या में परिजन, रिश्तेदार एवं धर्मप्रेमी श्रद्धालु उपस्थित हुए और तपस्वी खुशबू बाधमार का अभिनंदन कर उनकी तपस्या की अनुमोदना की। धर्मसभा में राष्ट्रसंत मणिभद्र मुनि ने कहा कि तपस्या से कर्मों की निर्जरा होती है। हमारे जितने कर्म कटेंगे, उतना ही मोक्ष का मार्ग प्रशस्त होगा। मासक्षमण तपस्वी खुशबू बाधमार की तपस्या से प्रेरित होकर परिवार की 9 बेटियों एवं दामादों ने एक साथ तीन उपवास (तेला तप) करने का संकल्प लेकर तपस्या का अनुमोदन किया। इनमें आस्था–अमित छाजेड़, अवनी–विक्की गोलछा, अंशु–गौरव पारख, अंकित–अमित लालवानी, राजुल–अर्पण छाजेड़, श्रुति–श्रेयांश सेठिया, सृष्टि–अनुज कोचर, श्रेया–मेहुल पारख तथा ऋषभ–साक्षी झामण प्रमुख हैं। इसी क्रम में टीकाराम, मंजू संचेती सहित कुछ गुप्त मासक्षमण की तपस्या चल रही है ।

राजस्व संबंधित प्रकरणों में कार्य लंबित रखने वाले पटवारियों को नोटिस जारी करने के निर्देश

दुर्ग , (प्रतिदिन राजधानी)

कलेक्टर अभिजीत सिंह ने कलेक्टोरेट सभाकक्ष में आयोजित राजस्व अधिकारियों की समीक्षा बैठक में विभागीय कार्यों की विस्तृत समीक्षा करते हुए राजस्व प्रकरणों का समय–सीमा के भीतर गुणवत्तापूर्ण निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

उन्होंने नामांतरण, खाता विभाजन, सीमांकन, भू–अर्जन, स्वामित्व योजना, भारतमाला परियोजना, एग्रीस्टैक, भू–आबंटन, नजूल, नक्शा बटांकन सहित विभिन्न राजस्व कार्यों की प्रगति की जानकारी ली। समीक्षा के दौरान कलेक्टर ने अविवादित एवं विवादित नामांतरण, खाता विभाजन तथा सीमांकन के समय–सीमा से बाहर लंबित प्रकरणों को प्राथमिकता के साथ निराकृत करने के निर्देश दिए। उन्होंने सभी तहसीलदारों को लंबित प्रकरणों के शीघ्र निराकरण के लिए प्रभावी कार्यवाही सुनिश्चित करने कहा। सीमांकन के समय–सीमा से बाहर लंबित प्रकरणों में राजस्व निरीक्षकों से लिखित प्रतिवेदन प्राप्त करने के निर्देश भी दिए।

स्वामित्व योजना के तहत तहसीलवार समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने अधिकार अभिलेखों के वितरण में तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने योजना से संबंधित कार्यों को निर्धारित समय–सीमा में पूर्ण करने पर विशेष जोर दिया। कलेक्टर ने डिजिटल फसल सर्वेक्षण, एग्रीस्टैक पोर्टल तथा लंबित बकेट क्लेम प्रकरणों की भी समीक्षा की। कोटवारी भूमि विक्रय पर सिविल वाद दायर किए गए प्रकरणों की जानकारी ली। उन्होंने डिजिटल फसल सर्वेक्षण का कार्य आगामी सितंबर माह तक पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने सर्वेयरों की संख्या बढ़ाने तथा कार्य को प्राथमिकता के आधार पर पूरा करने कहा।

उन्होंने पटवारियों को अधिक से अधिक सर्वेक्षणों का अनुमोदन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। सर्वेक्षण पूर्ण होने के बावजूद पटवारियों द्वारा समय पर अनुमोदन नहीं किया जा रहा है। उन्होंने सख्त निर्देश देते हुए किसानों का शत–प्रतिशत पंजीयन सुनिश्चित करने कहा। उन्होंने स्पष्ट किया।

कृषि अफसरों ने सितंबर से आंदोलन की दी चेतावनी

दुर्ग, (प्रतिदिन राजधानी)

कृषि विभाग के अधिकारियों ने सितंबर माह से आंदोलन करने की चेतावनी दी है। ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी संघ, कृषि विकास अधिकारी एवं वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी, संघ की संयुक्त बैठक में यह निर्णय लिया गया। बैठक में अपनी विभिन्न मांगों को लेकर उन्होंने चर्चा की।

संगठन के विजय लहरे ने कोर्ट के विभिन्न पारित निर्णय का हवाला देते हुए कहा कि इसके अनुसार संचालक कृषि द्वारा भर्ती नियम में संशोधन 4 दिसंबर 2018 के आधार पर की गई समस्त पदोन्नतियों को निरस्त कर नियमानुसार मूल भर्ती नियम 2010 के अनुसार संशोधित पदोन्नति आदेश जारी करने की मांग की गई है। साथ ही कृषि प्रमुख पद वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारियों को राजपत्र अधिकारी घोषित करने हेतु मांग रखी गई। उन्होंने कहा उक्त मांगों का समर्थन में आगामी सितंबर में संयुक्त रूप से आंदोलन करने का निर्णय लिया गया है। बैठक में आंदोलन की रूप रेखा पर भी चर्चा की गई। साथ ही इसके लिए शीघ्र ही रणनीति तैयार करने की बात की। बैठक में संघ से जुड़े अधिकारी बड़ी संख्या में मौजूद थे।

खेल समाचार प्रचार-प्रसार प्रकाशित हेतु संपर्क करे : 9806044444

प्रतिदिन राजधानी

रायपुर, शुक्रवार, 28 अगस्त 2026

https://epaper.pratidinrajdhani.in

दिनुषा के शतक से श्रीलंका ने बचाया कोलंबो टेस्ट, भारत ने 1-0 से जीती सीरीज

भारत से फॉलोऑन खेलकर श्रीलंका ने पहली बार मैच बचाया, दिनूषा ने सीरीज में 3 शतक लगाए, संगकारा-कैलिस के क्लब में शामिल

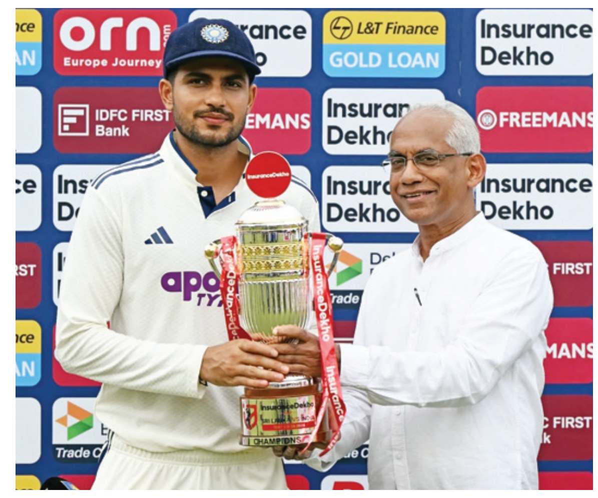

कोलंबो। भारत और श्रीलंका के बीच कोलंबो में खेला गया दूसरा टेस्ट मैच ड्रॉ रहा। भारत ने सीरीज 1-0 से अपने नाम की। फॉलोऑन खेलकर रही श्रीलंका ने दूसरी पारी में 9 विकेट पर 429 रन बनाए और मैच बचाया। टीम ने भारत के खिलाफ फॉलोऑन खेलने के बाद पहली बार मैच ड्रॉ कराया है। श्रीलंका के बल्लेबाज सोनल दिनूषा ने सीरीज में 3 शतक लगाए। उन्होंने 2 मैचों की टेस्ट सीरीज में सबसे ज्यादा शतक लगाने के मामले श्रीलंका के पूर्व कप्तान कुमार संगकारा और साउथ अफ्रीका के जैक्स कैलिस के रिकॉर्ड की बराबरी की।

श्रीलंका ने फॉलोऑन के बाद चौथी बार मैच बचाया : श्रीलंका ने टेस्ट में चौथी बार फॉलोऑन मिलने के बाद मैच बचाया। टीम ने भारत के खिलाफ पहली बार ऐसा किया है। दिनूषा एक टेस्ट सीरीज में स्पिनरों के खिलाफ स्वीप से सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज बन गए। उन्होंने इस सीरीज में स्पिनरों के खिलाफ 173 रन स्वीप से बटोरें। उन्होंने इंग्लैंड के कप्तान जो रुट के 160 रन का रिकॉर्ड तोड़ा।

श्रीलंका ने दूसरी पारी में 216 रन की बढ़त बनाई : श्रीलंका ने फॉलोऑन मिलने के बाद दूसरी पारी में 216 रन की बढ़त बनाई। जो भारत के खिलाफ फॉलोऑन खेलने के बाद तीसरी सबसे बड़ी बढ़त है। दिनूषा भारत के खिलाफ टेस्ट मैच की दोनों पारियों में शतक लगाने वाले तीसरे श्रीलंकाई बल्लेबाज बन गए। उनसे पहले दलीप मेंडिस और अरविंदा डी सिल्वा यह कारनामा कर चुके हैं।

दिनूषा ने 5 टेस्ट में 606 रन बनाए : दिनूषा करियर के शुरुआती 5 टेस्ट मैचों में 600 रन तक पहुंचने वाले श्रीलंका के दूसरे बल्लेबाज बने। उनके टेस्ट में 606 रन हो चुके हैं। 631 रन के साथ कामिंदु मेंडिस पहले स्थान पर हैं। दिनूषा 2 मैचों की टेस्ट सीरीज में 3 शतक जमाने वाले बल्लेबाजों के क्लब में शामिल हो गए। उनसे पहले 7 बल्लेबाज यह कारनामा कर चुके हैं। अरविंद डी-सिल्वा ने सबसे ज्यादा 2 बार यह मुकाम हासिल किया है। दिनूषा एक टेस्ट सीरीज की चारों पारियों में 50 से ज्यादा रन बनाने वाले तीसरे श्रीलंकाई बल्लेबाज बन गए। उन्होंने भारत के खिलाफ सीरीज की चारों पारियों में 50+ का स्कोर बनाया।

नुवानथा के पैर के अंगूठे पर गेंद लगी : 104वें ओवर में रवींद्र जडेजा की गेंद श्रीलंकाई बल्लेबाज केशरा नुवनथा के पैर के अंगुठे पर लगी। ओवर की दूसरी गेंद जडेजा ने ब्लॉकहोल में डाली। केशरा बैट नीचे लाने में लेट हो गए और गेंद जाकर उनके पैर पर लगी। इम्पैक्ट आउटसाइज स्टंप था, इसलिए वे एलबीडब्ल्यू से बच गए। इसके बाद नुवानथा ने जूता उतारकर फिजियो को मैदान पर बुलाया। ट्रीटमेंट के बाद दोबारा खेल शुरु हुआ।

जडेजा चोट के बाद मैदान से बाहर चले गए

128वें ओवर में रवींद्र जडेजा तकलीफ में नजर आए। ओवर की तीसरी गेंद फेंकने के बाद जडेजा असहज दिखे। उनके दाहिने पैर की एड़ी में तकलीफ थी। इसके बाद वे अंपायर से अपनी कैप लेकर मैदान से बाहर चले गए हैं। उनका ओवर प्रसिद्ध कृष्णा ने पूरा किया।

टी-ब्रेक के बाद पहली गेंद पर सोनल ने शतक पूरा किया

134वें ओवर की पहली ही गेंद पर सोनल ने सीरीज का तीसरा शतक पूरा किया। 98 रन पर खेल रहे सोनल ने मोहम्मद सिराज की गेंद को उन्होंने मिड-विकेट की ओर फ्लिक किया। फिर 2 रन लेकर अपना शतक पूरा किया।

ऑस्ट्रेलिया ए महिला टीम के खिलाफ बहु प्रारूप सीरीज के लिए भारतीय ए टीम घोषित

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) की महिला चयन समिति ने ऑस्ट्रेलिया ए के भारत दौरे के लिए भारत ए की टी-20, एकदिवसीय और बहुदिवसीय टीमों की घोषणा कर दी है। ऑस्ट्रेलिया ए के दौरे पर तीन टी-20, तीन एकदिवसीय और एक बहुदिवसीय मुकाबला खेला जाएगा। तीन मैचों की टी-20 सीरीज न्यू चंडीगढ़ में होगी, जबकि तीन एकदिवसीय मुकाबले मोहाली के पीसीए स्टेडियम में खेले जाएंगे। दौरे का समापन धर्मशाला में होने वाले बहुदिवसीय मुकाबले से होगा।

टी-20 टीम : अनुष्का शर्मा (कप्तान), सयाली सतघरे (उपकप्तान), वृंदा दिनेश, सुजाता डे, तेजल हसबनीस, निक्की प्रसाद, शिप्रा गिरि (विकेटकीपर), श्वेता सहरावत, उमा छेत्री (विकेटकीपर), तनुजा कंवर, मिन्नू मणि, वैश्णवी शर्मा, जिंतिमणि कलिता, शबनम शकील, सिमरन दिल बहादुर।

एकदिवसीय टीम: यास्तिका भाटिया (कप्तान और विकेटकीपर), अनुष्का शर्मा (उपकप्तान), वृंदा दिनेश, प्रिया पुनिया, तनीषा सिंह, तेजल हसबनीस, निक्की प्रसाद, उमा छेत्री (विकेटकीपर), मिन्नू मणि, अमनदीप कौर, वैश्णवी शर्मा, सयाली सतघरे, जिंतिमणि कलिता, शबनम शकील, अक्षिता भगत।

बहुदिवसीय टीम

यास्तिका भाटिया (कप्तान और विकेटकीपर), अनुष्का शर्मा (उपकप्तान), शुभा सतीश, प्रिया पुनिया, तनीषा सिंह, तेजल हसबनीस, निक्की प्रसाद, ममता माडीवाला (विकेटकीपर), सुश्री दिब्यदर्शिनी, शुचि उपाध्याय, वैश्णवी शर्मा, सयाली सतघरे, जिंतिमणि कलिता, शबनम शकील, अक्षिता भगत।

सहवाग के बेटे आर्यवीर की अंडर-19 टीम इंडिया में एंट्री

भारत-ऑस्ट्रेलिया सीरीज के लिए चुने गए, द्रविड़ के बेटे अन्वय भी वनडे टीम में

नई दिल्ली। पूर्व भारतीय ओपनर वीरेंद्र सहवाग के बेटे आर्यवीर को पहली बार भारत की अंडर-19 टीम में चुना गया है। उन्हें ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीन वनडे मैचों की सीरीज के लिए टीम में जगह मिली है। तीनों मुकाबले सितंबर में राजकोट में खेले जाएंगे। आर्यवीर दाएं हाथ के बल्लेबाज हैं और फिलहाल दिल्ली प्रीमियर लीग में वेस्ट दिल्ली लायंस की ओर से खेल रहे हैं। राहुल द्रविड़ के बेटे अन्वय को भी वनडे टीम में शामिल किया गया है। अन्वय विकेटकीपर-बल्लेबाज हैं। यानी, वनडे टीम में वीरेंद्र सहवाग और राहुल द्रविड़ के बेटे एक साथ नजर आएंगे। हालांकि, आर्यवीर और अन्वय दोनों को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ होने वाले दो मल्टी-डे मैचों की टीम में जगह नहीं मिली है।

डीपीएल में खेल रहे आर्यवीर : आर्यवीर सहवाग ने हाल ही में दिल्ली प्रीमियर लीग के 2026 सीजन में वेस्ट दिल्ली लायंस के लिए खेला है। वे इससे पहले 2024 में कूच बिहार ट्रॉफी में बड़ी पारी खेलकर चर्चा में आए थे। उन्होंने मेघालय के खिलाफ 297 रन बनाए थे।

तीन वनडे राजकोट में होंगे : भारत और ऑस्ट्रेलिया की -19 टीमों के बीच तीन वनडे मैच खेले जाएंगे। तीनों मुकाबले राजकोट में होंगे। तीनों मुकाबले सुबह 9 बजे से शुरू होंगे।

लक्ष्य कप्तान, यशवर्धन उपकप्तान : वनडे सीरीज के लिए लक्ष्य रायचंदानी को भारतीय टीम का कप्तान बनाया गया है। यशवर्धन चौहान उपकप्तान होंगे। वहीं मल्टी-डे मैचों के लिए दोनों की भूमिकाएं बदल जाएंगी। यशवर्धन कप्तान और लक्ष्य उपकप्तान होंगे। भारत को वनडे सीरीज के बाद दो मल्टी-डे मैच भी खेलने हैं। पहला मुकाबला 27 से 30 सितंबर तक राजकोट में होगा। दूसरा मल्टी-डे मैच 5 से 8 अक्टूबर तक अहमदाबाद के क्र ग्राउंड पर खेला जाएगा।

अन्वय ने श्रीलंका में प्रभावित किया : अन्वय द्रविड़ ने जुलाई में श्रीलंका दौरे पर भारत की -19 टीम के लिए 87 रन की पारी खेली थी। उन्होंने इस प्रदर्शन की बदौलत वनडे टीम में अपनी जगह बरकरार रखी है।

भारत की अंडर-19 वनडे टीम : लक्ष्य रायचंदानी (कप्तान), यशवर्धन चौहान (उप कप्तान), रजत बघेल, आर्यवीर सहवाग, वीके विनीत, कुशाग्र ओझा, अर्जुन राजपूत, मनाल चौहान, अन्वय द्रविड़, वी यशवीर, रोहित यादव, शाविन विनोद, मोहित उल्वा, चिगुरुपति वेंकट और काव्य पटेल।

मल्टी-डे टीम में आर्यवीर-अन्वय नहीं

दो मल्टी-डे मैचों के लिए भारत टीम: यशवर्धन चौहान (कप्तान), लक्ष्य रायचंदानी (उप कप्तान), सागर विर्क, कुशाग्र ओझा, मनाल चौहान, कुश पटेल, मानव कृष्णा, अभिप्राय बिस्वास, रोहित यादव, ईशान ओम, अयान अकरम, प्रणव राघवेंद्र, प्रियांशु सिंह, मोहित उल्वा और आर्यन यादव शामिल हैं।

भारत के न्यूजीलैंड दौरे के टिकटों की रिकॉर्ड बिक्री...

पहले 48 घंटे में 26 हजार टिकट बिके, 12 मैचों का दौरा अक्टूबर से

वेलिंगटन। भारत के न्यूजीलैंड दौरे के लिए पहले 48 घंटे में 26 हजार टिकट बिक गए हैं। यह न्यूजीलैंड क्रिकेट की प्री-सेल में रिकॉर्ड मांग है। यह दौरा 22 अक्टूबर से शुरू होगा और 1 दिसंबर तक चलेगा। दोनों टीमों के बीच 5 टी-20, 5 वनडे और 2 टेस्ट खेले जाएंगे। भारतीय टीम 2019-20 के बाद पहली बार न्यूजीलैंड में टेस्ट सीरीज खेलेगी।

ईडन पार्क के व्हाइट-बॉल मैचों की सबसे ज्यादा मांग : न्यूजीलैंड क्रिकेट के अनुसार, ऑकलैंड के ईडन पार्क में होने वाले व्हाइट-बॉल मुकाबलों के टिकट सबसे तेजी से बिक रहे हैं। यहां सीरीज का चौथा टी-20 और पहला वनडे खेला जाएगा।

क्राइस्टचर्च के हेगले ओवल में भी टिकटों की भारी मांग है। करीब 9 हजार दर्शकों की क्षमता वाले इस मैदान पर भारत और न्यूजीलैंड के बीच शुरुआती दो टी-20 मैच 22 और 24 अक्टूबर को खेले जाएंगे। इसी मैदान पर दौरे का दूसरा और आखिरी टेस्ट भी खेला जाएगा। यह मुकाबला 27 नवंबर से 1 दिसंबर तक होगा और इसके टिकटों की बिक्री भी तेजी से हो रही है।

वेलिंगटन में भी टिकटों की मजबूत मांग : वेलिंगटन में होने वाले मुकाबलों के लिए भी शुरुआती बिक्री मजबूत रही है। हेनरी स्टेडियम में सीरीज का तीसरा टी-20 और दूसरा वनडे खेला जाएगा। वहीं, पहला टेस्ट सेलो बेसिन रिजर्व में 19 नवंबर से शुरू होगा।

भारत को खेलते देखना दुर्लभ मौका : न्यूजीलैंड क्रिकेट के चीफ मार्केटिंग एंड कमर्शियल ऑफिसर ग्लेन क्रिचली ने कहा कि फैंस ने टिकट जल्दी खरीदने की अपील पर अच्छी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि पहले दो दिनों में रिकॉर्ड बिक्री से पता चलता है कि बड़ी संख्या में फैंस ने समय रहते अपनी सीट बुक कर ली है। क्रिचली ने कहा कि न्यूजीलैंड के फैंस के लिए भारत के खिलाफ क्रिकेट मैच का माहौल देखने और दुनिया के बड़े क्रिकेट सितारों को लाइव देखने का यह खास मौका है।

पिछले सीजन जितनी ही रखी टिकटों की कीमत : इस सीजन टिकटों की कीमत में बढ़ोतरी नहीं की है। बोर्ड के मुताबिक, क्रिकेट नेशन एक्सेस कोड का इस्तेमाल करने पर टिकट 30 न्यूजीलैंड डॉलर से कम में मिल रहा है। फैंस के लिए 'द फोर' और 'द सिक्स' ग्रुप टिकट पैकेज के साथ-साथ अलग-अलग वेन्यू के टिकट बंडल भी उपलब्ध हैं। इनका उद्देश्य ज्यादा दर्शकों को मैच देखने के लिए आकर्षित करना है।

7 सितंबर से आम दर्शकों के लिए टिकट बिक्री : क्रिकेट नेशन की मेंबर सेल के बाद आम दर्शकों के लिए टिकटों की बिक्री 7 सितंबर से शुरू होगी। हालांकि, जो फैंस क्रिकेट नेशन के लिए साइन अप करेंगे, उन्हें प्री-सेल में पहले टिकट खरीदने का मौका मिलेगा। उन्हें इस दौरान 15% की छूट भी मिलेगी।

12 मैचों का पूरा दौरा, 6 साल बाद टेस्ट सीरीज : भारत और न्यूजीलैंड तीनों फॉर्मेट के कुल 12 मुकाबले खेलेंगे। यह न्यूजीलैंड की मेजबानी में मैचों की संख्या के लिहाज से सबसे बड़ा भारत दौरा है। भारतीय टीम करीब छह साल बाद न्यूजीलैंड में टेस्ट सीरीज खेलेगी। पिछली बार 2019/20 में भारत ने वहां टेस्ट सीरीज खेली थी। इस बार दोनों टेस्ट वेलिंगटन के बेसिन रिजर्व और क्राइस्टचर्च के हेगले ओवल में होंगे। इस दौरे की वनडे सीरीज अगले साल होने वाले वनडे वर्ल्ड कप की तैयारियों के लिहाज से भी अहम होगी।

टिकट पैकेज का गणित, 'द फोर' में 4 और 'द सिक्स' में 6 टिकट : न्यूजीलैंड क्रिकेट ने ग्रुप में मैच देखने वाले दर्शकों के लिए द फोर में और द सिक्स टिकट विकल्प शुरू किए हैं। ये सामान्य टिकट से अलग पैकेज हैं, जिनमें एक साथ कई टिकट खरीदने पर डिस्काउंटेड कीमत मिलती है। द फोर में 4 वयस्कों के टिकट और द सिक्स में 6 वयस्कों के टिकट शामिल हैं।

पाकिस्तानी मूल के यूएई क्रिकेटर पर 15 महीने का बैन

आसिफ खान डोप टेस्ट में फेल, प्रतिबंधित स्टेरॉयड मिला, टेस्ट सितंबर 2025 में हुआ

नई दिल्ली। पाकिस्तान में जन्मे यूएई के बल्लेबाज आसिफ खान पर 15 महीने का बैन लगा है। वे डोप टेस्ट में फेल हो गए। उनके सैंपल में प्रतिबंधित स्टेरॉयड के सैंपल मिले हैं। यह टेस्ट 8 सितंबर 2025 को हुआ था। आसिफ के सैंपल में मेस्टेरोलोन का मेटाबोलाइट मिला। मेस्टेरोलोन एक प्रतिबंधित एनाबॉलिक स्टेरॉयड है, जिसका इस्तेमाल टेस्टोस्टेरोन का स्तर बढ़ाने के लिए किया जाता है।

आसिफ ने नियम तोड़ने की बात मानी

36 साल के क्रिकेटर को आईसीसी एंटी-डोपिंग कोड के अनुच्छेद 2.1 के उल्लंघन का दोषी पाया गया। आईसीसी ने अपने बयान में कहा है कि आसिफ ने नियम तोड़ने की बात मान ली हैं। उन्होंने वर्ल्ड एंटी-डोपिंग एजेंसी (वाडा) और आईसीसी के साथ केस रिजॉल्यूशन एग्रीमेंट के जरिए सजा स्वीकार की है।

बैन इस साल 7 दिसंबर को खत्म होगा

आसिफ पर लगाया गया प्रतिबंध 8 सितंबर 2025 से लागू माना गया है। यह प्रतिबंध इस साल 7 दिसंबर तक चलेगा। आईसीसी ने कहा- आसिफ 8 अक्टूबर से किसी टीम के साथ ट्रेनिंग कर सकेंगे। वह किसी क्लब या आईसीसी के किसी सदस्य संगठन की सुविधाओं का इस्तेमाल भी कर सकेंगे। हालांकि प्रतियोगी क्रिकेट में उनकी वापसी 8 दिसंबर से ही हो सकेगी। आसिफ पर 29 दिसंबर 2025 को अस्थायी निलंबन शुरू किया गया था। 8 सितंबर 2025 से 'अस्थायी निलंबन शुरू होने तक' के उनके इंडिविजुअल रिकॉर्ड या अवॉर्ड रद्द कर दिए गए हैं।

2022 में यूएई के लिए डेब्यू किया

आसिफ ने 2022 में डेब्यू के बाद यूएई के लिए 38 वनडे और 56 टी20 इंटरनेशनल खेले हैं। वह 2017 में यूएई चले गए थे। इससे पहले आसिफ ने पाकिस्तान के घरेलू क्रिकेट में 32 फर्स्ट क्लास मैच खेले थे।

दो बार की विश्व चैंपियन उरुग्वे से 6 अक्टूबर को कोलकाता में भिड़ेगी भारतीय फुटबॉल टीम

नई दिल्ली। भारतीय पुरुष फुटबॉल टीम 6 अक्टूबर को कोलकाता के विवेकानंद युवा भारती क्रीड़ांगन में दो बार की फीफा विश्व कप चैंपियन उरुग्वे के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय मैत्री मुकाबला खेलेगी। यह मुकाबला भारत के लिए इस अंतरराष्ट्रीय विंडो में तीसरा बड़ा मैत्री मैच होगा। भारतीय टीम 26 सितंबर को बेंगलुरु में पनामा और 3 अक्टूबर को कोलकाता में पांच बार की विश्व चैंपियन ब्राजील का सामना करेगी। अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल की सबसे सफल टीमों में शामिल उरुग्वे वर्तमान में फीफा विश्व रैंकिंग में 20वें स्थान पर है। उरुग्वे के मौजूदा मुख्य कोच डिएगो फोरलान 2016 में मुंबई सिटी एफसी के लिए खेल चुके हैं। उरुग्वे के कोलकाता आने से भारतीय फुटबॉल प्रशंसकों के लिए एक ऐतिहासिक अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रम का हिस्सा और मजबूत हो गया है।

गिल ने कहा-यह ड्रॉ टेस्ट क्रिकेट की जीत, श्रीलंका को फॉलोऑन कराने के फैसले को सही ठहराया, पडिक्कल बोले- हमें जीतना चाहिए था

कोलंबो। भारत के कप्तान शुभमन गिल ने कोलंबो टेस्ट ड्रॉ होने पर कहा- 'हमने वह सब कुछ किया, जो हम कर सकते थे। यह शानदार मुकाबला था और मुझे लगता है कि आज टेस्ट क्रिकेट की जीत हुई।' गिल से दूसरे मुकाबले में टीम के कुछ अलग करके जीत हासिल करने को लेकर सवाल पूछा गया था। गुरुवार को श्रीलंका ने फॉलोऑन के बावजूद भारत के खिलाफ दूसरा टेस्ट ड्रॉ करा लिया। भारत ने दो टेस्ट मैचों की सीरीज 1-0 से जीत ली है। उसने गॉल में हुआ पहला टेस्ट मैच 165 रन से जीता था।

फॉलोऑन का फैसला उल्टा नहीं पड़ा : गिल ने कहा- 'फॉलोऑन का फैसला उल्टा नहीं पड़ा, मौसम को ध्यान में रखते हुए यह हमारा सबसे अच्छा निर्णय था।' भारतीय कप्तान ने सीरीज पर कहा- रिजल्ट के लिहाज से 3 मैच अच्छे होते। वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल के लिए क्वालिफाई करने पर उन्होंने कहा- 'यह प्रतिशत अंकों पर निर्भर करता है।' भारतीय कप्तान ने मोहम्मद सिराज की चोट पर कहा- 'वे चोटिल नहीं थे। वह कुछ महीनों के बाद खेल रहे थे, वापस आने में समय लगता है।' गिल ने भारतीय स्पिनर मानव सुथार का सपोर्ट किया। उन्होंने कहा, 'वे जिस तरह से गेंद को रिलीज करते हैं, मुझे लगता है कि आने वाले वर्षों में वे हमारे लिए अहम साबित होंगे।'

टीम का जीतना सबसे जरूरी : मैच के बाद प्लेयर ऑफ द सीरीज देवदत्त पडिक्कल ने कहा- 'अगर हम यह मैच जीतते तो बेहतर होता। ईमानदारी से कहूं तो परिस्थितियां काफी समान थीं। यहां भी पिच धीमी थी।' पडिक्कल ने कहा, 'मैं रन बनाकर खुश हूं। इससे फर्क नहीं पड़ता कि वे रन मैंने किस नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए बनाए।' उन्होंने कहा- 'सबसे जरूरी है कि टीम जीते। यह युवा टीम है और अभी काफी काम करना है। सभी खिलाड़ी काफी उत्साहित हैं। मुझे भरोसा है कि हम लगातार सुधार करते रहेंगे।'

सोनल ने कोच, परिवार और बैटर्स को श्रेय दिया : प्लेयर ऑफ द मैच सोनल दिनूषा ने मैच की दोनों पारियों में शतक लगाए। उन्होंने कहा- 'मैंने परिस्थिति के हिसाब से अपना बेस्ट प्रदर्शन करने की कोशिश की। भारत के खिलाफ रन बनाना खुशी की बात है।' उन्होंने कहा, 'मुझे उन लोगों का जिक्र करना चाहिए, जिन्होंने रन बनाने में मेरी मदद की। मैं कोचिंग स्टाफ और अपने परिवार का नाम लेना चाहता हूं। मैं निचले क्रम के बल्लेबाजों का भी जिक्र करना चाहूंगा। उन्होंने रन बनाने में मेरी मदद की।'

धनंजय ने कहा- गॉल में मुझे ज्यादा देर खेलना चाहिए था : श्रीलंका के कप्तान धनंजय डी सिल्वा ने युवा खिलाड़ियों पर भरोसा जताने के लिए सिलेक्टर्स और कोच को श्रेय दिया। उन्होंने कहा- 'यह टैलेंट सर्च की बात है। मुझे लगता है कि चयनकर्ताओं और कोच ने मुझे यह मौका दिया।' हालांकि, धनंजय ने माना कि उन्हें खुद ज्यादा योगदान देना चाहिए था।

द सॉलिटेयर फेस्टिवल ऑफ इंडिया 2026 अंतिम सप्ताह में प्रवेश, डिवाइन सॉलिटेयर्स के आकर्षक फेस्टिव ऑफर्स ने बढ़ाई खरीदारी की रौनक

भारत का सबसे बड़ा नेचुरल डायमंड सॉलिटेयर रिटेल फेस्टिवल अपने समापन की ओर, TSFI के तहत ग्राहकों के लिए खास रिवॉर्ड्स और फेस्टिव बेनिफिट्स...

मुंबई। द सॉलिटेयर फेस्टिवल ऑफ इंडिया डिवाइन सॉलिटेयर्स का प्रमुख एनुअल कस्टमर कैंपेन 1 अगस्त 2026 को देशभर में अपने विस्तृत पार्टनर ज्वेलर्स नेटवर्क के माध्यम से शुरू हुआ था और अब अंतिम सप्ताह में प्रवेश कर रहा है। फेस्टिवल के समापन के करीब पहुंचने के साथ, डिवाइन सॉलिटेयर्स ने खास फेस्टिव ऑफर्स की घोषणा की है, जिससे ग्राहकों को इस त्योहारी सीजन में विशेष लाभ और आकर्षक रिवॉर्ड्स का आनंद उठाने का अतिरिक्त अवसर मिलेगा। TSFI 2026 के तहत डिवाइन सॉलिटेयर्स ने ग्राहकों के लिए नए और आकर्षक ऑफर्स पेश किए हैं, जो इस त्योहारी सीजन में खरीदारी को और खास बनाएंगे। 27 और 28 अगस्त को खरीदारी करने वाले ग्राहकों को उनके सुनिश्चित उपहारों में विशेष अपग्रेड मिलेगा। इसके अलावा, जो ग्राहक अपने आभूषणों को व्यक्तिगत स्पर्श देना चाहते हैं, वे इन दोनों दिनों के दौरान बिना किसी अतिरिक्त शुल्क के अपने आभूषणों पर अपने नाम के शुरुआती अक्षर भी खुदवा सकेंगे। आमतौर पर इस तरह की नक्काशी के लिए 2,500 से 3,000 रुपये तक का शुल्क लिया जाता है, लेकिन इस विशेष फेस्टिव ऑफर के तहत यह सेवा ग्राहकों को निःशुल्क प्रदान की जाएगी। प्रमाणित नेचुरल डायमंड सॉलिटेयर्स के इस रिटेल फेस्टिवल के माध्यम से एक महीने तक चलने वाले इस फेस्टिव में उपभोक्ताओं और ज्वेलरी रिटेलर्स को एक साथ जोड़ा जाता है। इस अभियान का उद्देश्य उपभोक्ताओं को प्रमाणित नेचुरल डायमंड सॉलिटेयर्स के साथ जीवन के खास पलों को यादगार बनाने के लिए प्रोत्साहित करना है। साथ ही, यह पूरे भारत में डिवाइन सॉलिटेयर्स के रिटेल पार्टनर्स के लिए ब्रांड की दृश्यता बढ़ाने और स्टोर्स पर ग्राहकों की आवाजाही बढ़ाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। नए ऑफर्स और फेस्टिवल के बारे में बात करते हुए, डिवाइन सॉलिटेयर्स के मैनेजिंग डायरेक्टर, जिग्नेश मेहता ने कहा:- 'द सॉलिटेयर फेस्टिवल ऑफ इंडिया हमारे ग्राहकों और रिटेल पार्टनर्स, दोनों के लिए एक महत्वपूर्ण एनुअल फेस्टिव बन चुका है। हर वर्ष हम उपभोक्ताओं में बढ़ता उत्साह देखते हैं, जो प्राकृतिक हीरे के सॉलिटेयर के साथ जीवन के खास और यादगार पड़ावों को सेलिब्रेट करने के लिए इस अवसर को चुनते हैं। साथ ही, यह फेस्टिवल हमारे पार्टनर ज्वेलर्स के लिए ग्राहकों के साथ जुड़ाव बढ़ाने और स्टोर में खरीदारी के अनुभव को बेहतर बनाने के साथ-साथ व्यापारिक लाभ भी उत्पन्न करता है। इस वर्ष के फेस्टिवल के अंतिम सप्ताह में प्रवेश करते हुए, हमें खुशी है कि हम ग्राहकों को अपने पार्टनर स्टोर्स पर आने और अपना पसंदीदा सॉलिटेयर की खरीदारी को और आकर्षक बना रहे हैं, जिसमें आकर्षक फेस्टिव बेनिफिट्स और रिवॉर्ड्स शामिल हैं। 'पूरे फेस्टिवल के दौरान, भाग लेने वाले पार्टनर स्टोर्स से डिवाइन सॉलिटेयर्स ज्वेलरी खरीदने वाले ग्राहकों को सुनिश्चित उपहार मिलेंगे और वे साप्ताहिक लकी ड्रॉ में भाग लेने के पात्र होंगे। अभियान के अंत में आयोजित होने वाले ग्रैंड बंपर प्राइज ड्रॉ में विजेता को XUV 7 XO कार पुरस्कार के रूप में दी जाएगी। रिपीट कस्टमर्स के लिए अतिरिक्त लाभ सुनिश्चित करते हुए, TSFI अपने दोबारा खरीदारी करने वाले ग्राहकों के लिए एक विशेष लॉयल्टी बेनिफिट भी पेश करेगा। द सॉलिटेयर फेस्टिवल ऑफ इंडिया के किसी भी पिछले संस्करण के दौरान खरीदारी करने वाले ग्राहक अपने सुनिश्चित उपहार में एक-गिफ्ट स्लैब अपग्रेड के पात्र होंगे। वहीं, 2023 से शुरू हुए TSFI के पिछले दो लगातार संस्करणों में खरीदारी करने वाले ग्राहकों को दो-गिफ्ट स्लैब अपग्रेड का विशेष लाभ मिलेगा, यह लाभ फेस्टिवल के साथ उनकी निरंतर सहभागिता को विशेष पहचान देगा।' भारत भर में 200 से अधिक पार्टनर ज्वेलरी स्टोर्स की भागीदारी के साथ, द सॉलिटेयर फेस्टिवल ऑफ इंडिया नेचुरल डायमंड सॉलिटेयर श्रेणी में विश्वास, पारदर्शिता और उत्कृष्ट कारीगरी को बढ़ावा देने के लिए डिवाइन सॉलिटेयर्स की प्रतिबद्धता को लगातार मजबूत कर रहा है। डिवाइन सॉलिटेयर्स का प्रत्येक सॉलिटेयर ब्रांड की 123-पैरामीटर क्वालिटी गारंटी के साथ आता है, जो ग्राहकों को बारीकी से तैयार किए गए और प्रमाणित नेचुरल डायमंड सॉलिटेयर की खरीदारी का भरोसा प्रदान करता है।

TSFI के समापन के साथ, उपभोक्ताओं के पास डिवाइन सॉलिटेयर्स के फेस्टिव ऑफर्स और विशेष रिवॉर्ड्स का अधिकतम लाभ उठाने के लिए सीमित समय शेष है। त्योहारी और वेडिंग सीजन के करीब आने के साथ, द सॉलिटेयर फेस्टिवल ऑफ इंडिया 2026 का अंतिम सप्ताह उपभोक्ताओं के लिए नेचुरल डायमंड सॉलिटेयर खरीदने के साथ अतिरिक्त लाभ और रिवॉर्ड्स पाने का विशेष अवसर लेकर आया है।

क्विक फॉरेंसिक सॉल्यूशन का पब्लिक इश्यू पहले घंटे ही फुली सब्सक्राइब हुआ

नई दिल्ली। फॉरेंसिक साइंस, एविडेंस मैनेजमेंट, साइबर और डिजिटल फॉरेंसिक्स, डीएनए फॉरेंसिक्स तथा कानून व प्रवर्तन से जुड़े सॉल्यूशंस मुहैया कराने वाली कंपनी क्विक फॉरेंसिक सॉल्यूशंस का 50.77 करोड़ रुपये का आईपीओ गुरूवार को सब्सक्रिप्शन के लिए लॉन्च कर दिया गया। इस आईपीओ में 31 अगस्त तक बोली लगाई जा सकती है। इश्यू की क्लोजिंग के बाद एक सितंबर को शेयरों का अलॉटमेंट किया जाएगा, जबकि दो सितंबर को अलॉटेड शेयर डीमैट अकाउंट में क्रेडिट कर दिए जाएंगे। कंपनी के शेयर तीन सितंबर को बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर लिस्ट हो सकते हैं। लॉन्चिंग के बाद थोड़ी देर मे ही ये इश्यू फुली सब्सक्राइब हो गया। शाम 3:15 बजे तक यह आईपीओ 5.51 गुना सब्सक्राइब हो चुका था। इस आईपीओ में बोली लगाने के लिए 85 रुपये से लेकर 90 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 1,600 शेयर का है। इस आईपीओ में रिटेल इनवेस्टर्स को दो लॉट यानी 3,200 शेयरों के लिए बोली लगाना होगा, जिसके लिए उन्हें 2,88,000 रुपये का निवेश करना होगा। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले कुल 56,41,600 शेयर जारी हो रहे हैं। इनमें लगभग लगभग 42 करोड़ रुपये के 45,61,600 नए शेयर जारी हो रहे हैं, जबकि करीब 10 करोड़ रुपये के 10,80,000 शेयर ऑफर फॉर सेल विंडो के जरिये बेचे जा रहे हैं। इस आईपीओ में क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए 47.39 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व किया गया है। इसके अलावा रिटेल इनवेस्टर्स के लिए 33.30 प्रतिशत हिस्सा और नॉन इंस्टीट्यूशनल इनवेस्टर्स (एनआईआई) के लिए 14.29 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व है। इसके अलावा मार्केट मेकर के लिए 5.02 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व किया गया है। इस इश्यू के लिए कॉरपोरेट कैपिटल वेंचर्स प्राइवेट लिमिटेड को बुक रनिंग लीड मैनेजर बनाया गया है, जबकि बिगशेयर सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड को रजिस्ट्रार बनाया गया है। आरके स्टॉक होल्डिंग प्राइवेट लिमिटेड कंपनी का मार्केट मेकर है। क्विक फॉरेंसिक सॉल्यूशंस की वित्तीय स्थिति की बात करें, तो कैपिटल मार्केट रेगुलेटर सेबी के पास जमा कराए गए ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत लगातार मजबूत हुई है।

वैश्विक दबाव से लगातार दूसरे दिन गिरावट के साथ बंद हुआ शेयर बाजार, निवेशकों को लगी 3.69 लाख करोड़ की चपत

नई दिल्ली। वैश्विक दबाव की वजह से बीएसई के मंथली एक्सपायरी के दिन घरेलू शेयर बाजार गिरावट के साथ बंद हुआ। गुरूवार को कारोबार की शुरुआत मजबूती के साथ हुई थी। बाजार खुलते ही खरीदारी के सपोर्ट से सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों की चाल में थोड़ी तेजी आई, लेकिन यह तेजी टिक नहीं सकी। थोड़ी देर बाद ही बाजार में बिकवाली का दबाव बन गया, जिससे दोनों सूचकांक गिरते चले गए। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.70 प्रतिशत और निफ्टी 0.48 प्रतिशत की कमजोरी के साथ बंद हुए। बाजार की कमजोरी के कारण निवेशकों की संपत्ति एक दिन में ही लगभग 3.69 लाख करोड़ रुपये घट गई।

बीएसई का सेंसेक्स गुरूवार को 103.82 अंक यानी 0.13 प्रतिशत की मजबूती के साथ 77,576.76 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होते ही खरीदारी का सपोर्ट मिलने से पहले मिनट में ही यह सूचकांक 222.03 अंक यानी 0.29 प्रतिशत उछल कर 77,694.97 अंक तक आ गया। इसके बाद बाजार में बिकवाली शुरू हो गई, जिसकी वजह से सेंसेक्स लगातार गिरता चला गया। हालांकि, खरीदारों ने बीच में कई बार लिवाली का जोर बना कर बाजार को सहारा देने की कोशिश की, लेकिन बिकवाली के जबरदस्त दबाव की वजह से उनकी कोई भी कोशिश सफल नहीं हो सकी। शेयरों की लगातार हो रही बिक्री के कारण सेंसेक्स दिन के ऊपरी स्तर से 761.38 अंक लुढ़क कर 539.35 अंक यानी 0.70 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 76,933.59 अंक के स्तर पर बंद हुआ। सेंसेक्स की तरह ही एनएसई के निफ्टी ने गुरूवार को 69.85 अंक यानी 0.29 प्रतिशत उछल कर 24,277.60 अंक के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। बाजार खुलते ही खरीदारी के सपोर्ट से यह सूचकांक 89.70 अंक यानी 0.37 प्रतिशत की तेजी के साथ 24,297.45 अंक के स्तर तक आ गया। इसके बाद बाजार में बिकवाली का दबाव बन गया, जिसकी वजह से निफ्टी ने लाल निशान में गोता लगा दिया। दोपहर एक बजे के करीब खरीदारों ने लिवाली का जोर बनाने की कोशिश की, जिससे कुछ देर के लिए इस सूचकांक की चाल में मामूली सुधार भी हुआ हालांकि, यह सुधार भी टिकाऊ नहीं हो सका। दोपहर दो बजे के करीब मंदड़ियों ने एक बार फिर शेयरों की चौतरफा बिक्री शुरू कर दी। लगातार हो रही बिकवाली की वजह से निफ्टी दिन के ऊपरी स्तर से 206.60 अंक फिसल कर 116.90 अंक यानी 0.48 प्रतिशत की गिरावट के साथ 24,090.85 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

गुरूवार को दिन भर के कारोबार के दौरान कैपिटल गुड्स, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स और फार्मास्यूटिकल सेक्टर के शेयरों की खरीदारी होती रही। दूसरी ओर, मीडिया, मेटल और ऑयल एंड गैस सेक्टर के शेयरों पर बिकवाली का दबाव लगातार बना रहा। इसी तरह बैंकिंग, आईटी, ऑटोमोबाइल, एफएमसीजी और पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज इंडेक्स भी गिरावट के साथ लाल निशान में बंद हुए। ब्रॉडर मार्केट में भी गुरूवार को आमतौर पर दबाव बना रहा, जिसकी वजह से निफ्टी का मिडकैप इंडेक्स 0.10 प्रतिशत की कमजोरी के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 0.13 प्रतिशत की गिरावट के साथ गुरूवार को कारोबार का अंत किया। गुरूवार को शेयर बाजार में आई कमजोरी के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में 3.60 लाख करोड़ रुपये से भी अधिक की कमी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन गुरूवार को कारोबार के बाद घट कर 491.54 लाख करोड़ रुपये (अनंतिम) हो गया। पिछले कारोबारी दिन यानी बुधवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 495.23 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को गुरूवार को कारोबार से करीब 3.69 लाख करोड़ रुपये का नुकसान हो गया। गुरूवार को दिन भर के कारोबार के दौरान बीएसई में 4,526 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 1,824 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 2,491 शेयरों में गिरावट का रुख रहा, वहीं 211 शेयर बिना किसी उतार-चढ़ाव के बंद हुए।

भिलाई में हुआ मेगाशॉप के नए स्टोर का भव्य शुभारंभ....

रायपुर। देश की प्रमुख वैल्यू फैशन रिटेल चेन मेगाशॉप ने भिलाई में अपने नए स्टोर का भव्य शुभारंभ किया है। यह नया स्टोर केपीएस स्कूल, नेहरू नगर, मेड बेकरी के सामने, भिलाई में है।

11,500 वर्गफुट में फैला यह स्टोर ग्राहकों के लिए आधुनिक और बेहतर शॉपिंग अनुभव लेकर आया है। इस खास अवसर पर मेगाशॉप के सीएमडी श्री हेमंत अग्रवाल ने कहा भिलाई में अपना नया स्टोर शुरू करना हमारे लिए बेहद खुशी और गर्व की बात है। हमारा हमेशा से प्रयास रहा है कि शहर के ग्राहकों को किफायती कीमतों पर लेटेस्ट फैशन और ट्रेंडी कलेक्शन के साथ एक यादगार शॉपिंग अनुभव प्रदान करें। नया स्टोर आधुनिक और आकर्षक इंटीरियर्स के साथ तैयार किया गया है, ताकि ग्राहकों को खरीदारी के साथ बेहतर और यादगार अनुभव मिल सके। स्टोर में मेन्सवियर, वोमेनस्वेयर, किड्सवियर, होम मार्ट, फुटवियर, एक्सेसरीज और अन्य उत्पादों की विस्तृत एवं ट्रेंडी रेंज उपलब्ध है, जो युवाओं, बच्चों और परिवार के हर सदस्य की रोजमर्रा की खरीदारी की जरूरतों को पूरा करती है।

पुरुषों के लिए शर्ट, टी-शर्ट, पैंट, जींस, ट्रैकसूट, कुर्ता-पायजामा और फॉर्मल सूट के कई विकल्प हैं, जबकि महिलाओं के लिए टॉप्स, कुर्तियां, जींस, साड़ियां, सूट, लेगिंग्स, पायजामे और वेस्टर्न वियर का कलेक्शन मौजूद है। नए स्टोर के शुभारंभ पर मेगाशॉप अपने ग्राहकों के लिए बेहद खास ऑफर्स लेकर आया है। हर खरीदारी पर ग्राहक सुनिश्चित उपहार प्राप्त कर सकते हैं, जिसके तहत 1,999 की खरीदारी करने पर ग्राहक मात्र 249 देकर इलेक्ट्रिक केटल, 20-पीस डिनर सेट या कमफ़र्टर में से कोई भी एक उपहार चुन सकते हैं।

इसके अलावा 4,999 की खरीदारी पर मिक्सर ग्राइंडर मात्र 599 में प्राप्त कर सकते हैं। स्टोर में 5,000 से अधिक नए स्टाइल्स का कलेक्शन उपलब्ध है, जहाँ फैशन रेंज की शुरुआत 99 से होती है। स्थानीय ग्राहक नेहा शर्मा ने कहा, 'स्टोर में कैजुअल और एथनिक वियर का बहुत ही शानदार कलेक्शन है। मुझे सबसे अच्छी बात यह लगी कि परिवार के हर सदस्य के लिए यहाँ विकल्प मौजूद हैं। एक ही जगह पर इतनी वैरायटी मिलना सच में काफी बढ़िया है।' स्थानीय ग्राहक मेघा गुप्ता ने कहा, 'नए स्टोर में शॉपिंग करने का अनुभव बहुत अच्छा रहा। स्टाफ काफी मददगार है और आकर्षक लॉन्च ऑफर्स की वजह से शॉपिंग का मजा और बढ़ गया है।'

बॉलीवुड समाचार

फिटनेस से लेकर फोकस तक : सोनी सब कलाकार बताते हैं कि खेल कैसे उन्हें शारीरिक और मानसिक संतुलन बनाए रखने में मदद करते हैं

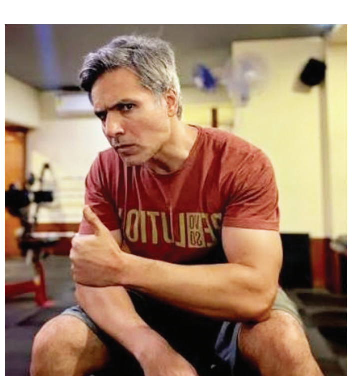

खेल सिर्फ शारीरिक रूप से सक्रिय रहने का जरिया नहीं होते। बहुतों के लिए यह तनाव कम करने, अनुशासन बनाने और रोजमर्रा की जिंदगी में स्वस्थ संतुलन बनाए रखने का तरीका बन जाते हैं। इस राष्ट्रीय खेल दिवस पर सोनी सब के कलाकार अर्जुन पुंज, इकबाल खान, मुस्कान बामने, नितिन बाबू और समरिध बावा बताते हैं कि उन्हें कौन-से खेल पसंद हैं और सक्रिय रहना किस तरह उनकी जीवनशैली का अहम् हिस्सा बन गया है। यादें में डिग्गी का किरदार निभा रहे अर्जुन पुंज ने साझा किया, 'मैं हमेशा से खेलों से जुड़ा रहा हूँ। मैंने कई खेल खेले हैं और बास्केटबॉल में दिल्ली का जूनियर स्तर पर प्रतिनिधित्व भी

किया है। आज भी मैं हफ्ते में कम से कम दो दिन खेलों को जरूर देता हूँ, जिम और रनिंग रूटीन के अलावा। खेलों ने मुझे सिखाया है कि आप हमेशा जीत नहीं सकते और ऊँचाइयों की तरह निचले पलों को भी उसी संतुलन से संभालना जरूरी है। यही सबक मैं अपनी जिंदगी में भी साथ लेकर चलता हूँ।' यादें में डॉ. देव मेहता का किरदार निभा रहे इकबाल खान ने साझा किया, 'मुझे हमेशा से बॉक्सिंग पसंद रही है, क्योंकि यह आपको शारीरिक और मानसिक दोनों तरह से चुनौती देती है। मुझे इसका अनुशासन और फोकस पसंद है, खासकर जब आप हेवीवेट कैटेगरी में ट्रेनिंग करते हैं। यह मुझे सक्रिय रहने, तनाव दूर करने और दिमाग को स्थिर रखने में मदद करती है, इसी वजह से मैं इसे अपनी फिटनेस रूटीन का हिस्सा बनाए रखना पसंद करता हूँ।' पुष्पा इम्पॉसिबल में शनाया का किरदार निभा रहीं मुस्कान बामने ने साझा किया, 'बैडमिंटन एक ऐसा खेल है, जिसे मैं सचमुच पसंद करती हूँ, क्योंकि यह आपको लगातार मूवमेंट में रखता है। मुझे इसका तेज और एनर्जेटिक अंदाज अच्छा लगता है और खेलते समय ऐसा नहीं लगता कि आप एक्सरसाइज कर रहे हैं, जबकि असल में यह एक बेहतरीन वर्कआउट है। यह मुझे सक्रिय बनाए रखता है और व्यस्त दिन के बाद स्विच ऑफ करने का मजेदार तरीका भी है।' पुष्पा इम्पॉसिबल में अश्विन का किरदार निभा रहे समरिध बावा ने साझा किया, 'क्रिकेट हमेशा से ही सक्रिय रहने का मेरे पसंदीदा तरीकों में से एक रहा है। मुझे टेबल टेनिस भी अच्छा लगता है, क्योंकि यह तेज है, आपको लगातार सतर्क रखता है और स्विच ऑफ करने का बेहतरीन तरीका है। दोनों खेल मुझे सक्रिय बनाए रखते हैं और फिटनेस को मजेदार बनाते हैं, बजाय इसके कि यह सिर्फ एक रूटीन लगे।' पुष्पा इम्पॉसिबल में चिराग का किरदार निभा रहे नितिन बाबू ने साझा किया, 'फुटबॉल हमेशा से मेरे दिल के करीब रहा है। मुझे जब भी मौका मिलता है, इसे खेलना अच्छा लगता है, क्योंकि यह मुझे सक्रिय रखता है और मेरे अंदर की प्रतिस्पर्धात्मक भावना को बाहर लाता है। मुझे सबसे ज़्यादा यह पसंद है कि यह कभी वर्कआउट जैसा नहीं लगता, बल्कि मैं खेल का आनंद लेते हुए फिट भी रहता हूँ।'

सोनी सब पर यादें और पुष्पा इम्पॉसिबल देखने के लिए ट्यून इन करें।

'द बंगाल फाइल्स' का वर्ल्ड टेलीविजन प्रीमियर इस शनिवार, 29 अगस्त को जी सिनेमा पर

जी सिनेमा लेकर आ रहा है 'द बंगाल फाइल्स' का वर्ल्ड टेलीविजन प्रीमियर, इस शनिवार, 29 अगस्त, रात 9:30 बजे। द ताशकंद फाइल्स और द कश्मीर फाइल्स जैसी चर्चित फिल्मों के निर्देशक विवेक रंजन अग्निहोत्री की यह फिल्म भारत के स्वतंत्रता-पूर्व इतिहास के सबसे उथल-पुथल भरे और पीड़ादायक अध्यायों में से एक को उजागर करती है। विभाजन से पहले के बंगाल की पृष्ठभूमि पर आधारित 'द बंगाल फाइल्स' 16 अगस्त, 1946 को हुए डायरेक्ट एक्शन डे की घटनाओं के इर्द-गिर्द घूमती है, जिसने बंगाल के कई हिस्सों में बड़े पैमाने पर अशांति और अराजकता को जन्म दिया था। इन घटनाओं ने क्षेत्र पर गहरा और स्थायी प्रभाव छोड़ा तथा भारत के इतिहास की दिशा को महत्वपूर्ण रूप से प्रभावित करते हुए स्वतंत्रता के बाद देश की यात्रा को आकार दिया। व्यापक उथल-पुथल के बीच साहस, त्याग और जिजीविषा की कहानियों के माध्यम से यह फिल्म इतिहास के उस अध्याय को सामने लाती है, जिसकी गूँज आज भी पीढ़ियों तक महसूस की जाती है। फिल्म में अनुपम खेर, पल्लवी जोशी, दर्शन कुमार और मिथुन चक्रवर्ती जैसे अनुभवी कलाकार प्रमुख भूमिकाओं में हैं। अपने संयमित और प्रभावशाली अभिनय के माध्यम से इन कलाकारों ने फिल्म की भावनात्मक गहराई और विषय की गंभीरता को संवेदनशीलता के साथ पर्दे पर प्रस्तुत किया है। द बंगाल फाइल्स के जरिए विवेक अग्निहोत्री इतिहास की उन जटिल घटनाओं और उनके पीढ़ियों तक पड़ने वाले प्रभाव को समझने की कोशिश करते हैं। टेलीविजन पर यह फिल्म दर्शकों को भारत के इतिहास के एक महत्वपूर्ण अध्याय से रूबरू होने का मौका देती है और उन्हें सोचने, याद करने और अपने परिवार के साथ सार्थक बातचीत करने के लिए प्रेरित करती है।

देखना न भूलें 'द बंगाल फाइल्स' का वर्ल्ड टेलीविजन प्रीमियर, इस शनिवार, 29 अगस्त, रात 9:30 बजे, सिर्फ जी सिनेमा पर।

समाचार प्रचार-प्रसार प्रकाशित
हेतु संपर्क करें : 9806044444

प्रतिदिन राजधानी

रायपुर, शुक्रवार, 28 अगस्त 2026

https://epaper.pratidinrajdhani.in

रक्षाबंधन आज

रिश्तों की पवित्रता और सुरक्षा के संकल्प का पर्व रक्षाबंधन

रक्षाबंधन पर्व रक्षा के तात्पर्य से बांधने वाला एक ऐसा सूत्र है, जिसमें बहनें अपने भाईयों के माथे पर तिलक लगाकर जीवन के हर संघर्ष तथा मोर्चे पर उनके सफल होने तथा निरन्तर प्रगति पथ पर अग्रसर रहने की ईश्वर से प्रार्थना करती हैं तथा उनके सुखद जीवन के लिए मंगलकामना करती हैं। भाई इस कच्चे धागे के बदले अपनी बहनों की हर प्रकार की विपत्ति से रक्षा करने का वचन देते हैं और उनके शील एवं मर्यादा की रक्षा करने का संकल्प लेते हैं। वास्तव में भाई-बहन के प्रेम का प्रतीक पर्व रक्षाबंधन स्नेह, सौहार्द एवं सद्भावना का एक ऐसा पर्व है, जो उन्हें अटूट एकता के सूत्र में बांध देता है। श्रावण मास की पूर्णिमा को मनाए जाने वाले रक्षाबंधन पर्व की भारतीय समाज और संस्कृति में कितनी महत्ता है, इसका अनुमान इसी से लगाया जा सकता है कि बहनों के हाथ अपने भाईयों की कलाईयों पर राखियां बांधने के लिए मचल उठते हैं और कलाई पर बांधे जाने वाले मामूली से दिखने वाले इन्हीं कच्चे धागों से पक्के रिश्ते बनते हैं। पवित्रता तथा स्नेह का सूचक यह पर्व भाई-बहन को पवित्र स्नेह के बंधन में बांधने का पवित्र एवं यादगार दिवस है। इस पर्व को भारत के कई हिस्सों में श्रावणी के नाम से जाना जाता है। पश्चिम बंगाल में 'गुरु महापूर्णिमा', दक्षिण भारत में 'नारियल पूर्णिमा' तथा नेपाल में इसे 'जनेऊ पूर्णिमा' के नाम से जाना जाता है। रक्षाबंधन मनाए जाने के संबंध में अनेक पौराणिक एवं ऐतिहासिक प्रसंगों का उल्लेख मिलता है। कहा जाता है कि जब देवराज इन्द्र बार-बार राक्षसों से परास्त होते रहे और हर बार राक्षसों के हाथों देवताओं की हार से निराश हो गए तो इन्द्राणी ने बहुत कठिन तपस्या की और अपने तपोबल से एक रक्षासूत्र तैयार किया। यह रक्षासूत्र इन्द्राणी ने देवराज इन्द्र की कलाई पर बांध दिया। तपोबल से युक्त इस रक्षासूत्र के प्रभाव से देवराज इन्द्र राक्षसों को परास्त करने में सफल हुए। तभी से रक्षाबंधन पर्व की शुरूआत हुई। एक उल्लेख यह भी मिलता है कि जब भगवान विष्णु ने वामन अवतार लिया था, तब उन्होंने एक ब्राह्मण वेश धारण कर अपनी दानशील प्रवृत्ति के लिए तीनों लोकों में प्रसिद्ध राजा बलि से तीन पग भूमि दान में मांगी और बलि द्वारा उनकी मांग स्वीकार कर लिए जाने पर भगवान वामन ने अपने पग से सम्पूर्ण पृथ्वी को नापते हुए बलि को पाताल लोक भेज दिया। कहा जाता है कि उसी की याद में रक्षाबंधन पर्व मनाया गया।

रक्षाबंधन पर्व से कई ऐतिहासिक प्रसंग भी जुड़े हैं। ऐतिहासिक दृष्टि से इस पर्व की शुरूआत मध्यकालीन युग से मानी जाती है। भारतीय इतिहास ऐसे प्रसंगों से भरा पड़ा है, जब राजपूत योद्धा अपनी जान की बाजी लगाकर युद्ध के मैदान में जाते थे तो उनके देश की बेटियां उन वीर सैनिकों की आरती उतारकर उनकी कलाई पर रक्षा सूत्र बांधा करती थी तथा वीर रस के गीत गाकर उनकी हौंसला अफजाई करते हुए उनसे राष्ट्र की रक्षा का प्रण भी कराती थी। कहा जाता है कि उस जमाने में अधिकांश मुस्लिम शासक हिन्दू युवतियों का बलपूर्वक अपहरण करके उन्हें अपने हरम की शोभा बनाने का प्रयास किया करते थे और ऐसी परिस्थितियों से बचने के लिए राजपूत कन्याओं ने बलशाली राजाओं को राखियां भेजकर उनके साथ भ्रातृत्व संबंध स्थापित कर अपने शील की रक्षा करनी आरंभ कर दी थी। उसी परम्परा ने बाद में रक्षाबंधन पर्व का रूप ले लिया। चितौड़ की महारानी कर्मावती का प्रसंग तो इस संबंध में विशेष रूप से उल्लेखनीय है। जब गुजरात के शासक बहादुरशाह ने चितौड़ पर आक्रमण कर दिया तो चितौड़ की महारानी कर्मावती घबरा गई। उन्हें चितौड़ के साथ-साथ स्वयं की तथा चितौड़ की अन्य राजपूत बालाओं की सुरक्षा का कोई रास्ता नजर नहीं आ रहा था। कोई उपाय न सूझने पर रानी कर्मावती ने बादशाह हुमायूं को राखी के धागे में रक्षा का पैगाम भेजा और हुमायूं को अपना भाई मानते हुए उनसे अपनी सुरक्षा की प्रार्थना की। बादशाह हुमायूं महारानी कर्मावती का यह रक्षासूत्र और संदेश पाकर भाव विभोर हो गए और अपनी इस अनदेखी बहन के प्रति अपना कर्त्तव्य निभाने तुरन्त अपनी विशाल सेना लेकर चितौड़ की ओर रवाना हो गए लेकिन जब तक वह चितौड़ पहुंचे, तब तक महारानी कर्मावती और चितौड़ की हजारों वीरांगनाएं अपने शील की रक्षा हेतु अपने शरीर की अग्नि में आहूति दे चुकी थी।

उसके बाद हुमायूं ने महारानी कर्मावती की चिता की राख से अपने माथे पर तिलक लगाकर बहन के प्रति अपने कर्त्तव्य का निर्वहन करने के लिए जो कुछ किया, वह इतिहास के पन्नों पर स्वर्णाक्षरों में अंकित हो गया तथा इसी के साथ रक्षाबंधन पर्व के इतिहास में एक अविस्मरणीय अध्याय भी जुड़ गया। इस ऐतिहासिक घटना के बाद ही यह परम्परा बनी कि कोई भी महिला या युवती जब किसी व्यक्ति को राखी बांधती है तो वह व्यक्ति उसका भाई माना जाता है। समय के साथ-साथ रक्षाबंधन पर्व के स्वरूप और मूल उद्देश्य में बहुत बदलाव आया है। तेजी से आधुनिकता की ओर अग्रसर आज के इस भागदौड़ भरे और स्वार्थपरक जमाने में जहां बहनों के लिए अब राखी का अर्थ भाई से महंगे उपहार तथा नकदी इत्यादि पाना हो गया है, वहीं भाई भी अपनी निजी जिन्दगी की व्यस्तताओं के चलते बहनों के प्रति अपने कर्त्तव्य का निर्वहन सही ढ़ंग से नहीं कर पाते। ऐसे में यह पवित्र पर्व अब रुपये-पैसे तथा साड़ी, आभूषण व अन्य कीमती उपहारों इत्यादि के लेन-देन का पर्व बनता जा रहा है और भाई-बहन के बीच राखी का मोलभाव होने की वजह से धीरे-धीरे इस पर्व की मूल भावनाएं सिकुड़ रही हैं। कच्चे धागों की जगह रेशम के धागों ने ले ली और अब इन धागों की अहमियत कम होती जा रही है। रक्षाबंधन महज कलाई पर एक धागा बांधने की रस्म नहीं है बल्कि यह भाई-बहन के अटूट स्नेह, पवित्रता और सद्भावना का पर्व है। यह पर्व रिश्तों की पवित्रता और वचनबद्धता का प्रतीक है। इसलिए रक्षाबंधन पर्व को चंद रुपयों या कीमती उपहारों से तोलकर देखना इस पर्व के अंतस में विद्यमान पवित्र भावना का अपमान है।

रक्षाबंधन : संस्कृति-विरासत और पर्व-त्योहारों के बदलते जीवन मूल्य

भाई-बहन के आपसी अपनत्व, स्नेह और कर्तव्य बंधन से जुड़ा त्योहार है रक्षाबंधन। एक ऐसा पर्व जो भाई-बहन के रिश्ते में नवीन ऊर्जा और मजबूती का प्रवाह करता है। बहनें इस दिन बहुत ही उत्साह के साथ अपने भाई की कलाई में राखी बांधने के लिए आतुर रहती हैं। जहां यह त्योहार बहन के लिए भाई के प्रति स्नेह को दर्शाता है तो वहीं यह भाई को उसके कर्तव्यों का बोध कराता है। रंग-बिरंगे धागे से बंधा ये पवित्र बंधन सदियों पहले से चला आ रही है जिसकी जड़ें हमारी संस्कृति से बहुत ही गहराई के साथ जुड़ी हुई हैं। यह पर्व सात्विक भावनाओं का बंधन है जो भाई को सिर्फ अपनी बहन की नहीं बल्कि दुनिया की हर लड़की की रक्षा करने हेतु प्रतिबद्ध करता है। इस त्योहार का अपना एक अलग स्वर्णिम इतिहास है, लेकिन बदलते समय के साथ इसमें भी बहुत से बदलाव आए हैं। आज आधुनिकता हमारे मूल्यों और रिश्तों पर हावी होती जा रही है। रिश्तों में मजबूती और प्रेम की जगह दिखावे ने ले ली है। भाई बहन के प्रेम से जुड़ा ये त्योहार बहुत ही अनूठा है, ये न केवल भाई बहन के रिश्ते को मजबूती और नवीन ऊर्जा का संचार करता है बल्कि ये सामाजिक, पारिवारक प्रतिबद्धता और सभी को एक सूत्र में पिरोने का पर्व है। ये पर्व जाति और धर्म की दीवारों से परे भावनाओं को भावनाओं से जोड़ने का पर्व है जो हमें हमारे पूर्वजों से विरासत में मिला है। ये त्योहार प्रमुख रूप से रक्षा के साथ जुड़ा हुआ है, जो किसी की भी रक्षा करने को प्रतिबद्ध करता है। अपनी बहन के साथ दुनिया की हर लड़की की रक्षा का वचन लिया जाए तो सही मायनों में इस त्योहार का उद्देश्य पूर्ण हो सकेगा।

धर्मों की दीवार से परे रक्षाबंधन की कहानियां

पौराणिक कहानियां भी जुड़ी हैं इस पर्व से- द्रोपदी ने भी एक बार श्रीकृष्ण के हाथ से बहता हुआ रक्त रोकने के लिए उनके हाथ पर अपनी साड़ी का पल्लू फाड़कर बांधा था और भगवान कृष्ण ने भरी सभा में उन्हें अपमानित होने पर चीर बढ़ाकर उनकी लाज रखी। कथा यह भी है कि पार्वती को भगवान विष्णु ने अपनी बहन माना था और शिव के साथ विवाह में भाई के रूप में सारे कर्तव्य निभाए थे। एक कहानी इतिहास से निकलती है- जब सिकंदर दुनिया फतेह करने के लिए निकला था तब उसकी पत्नी ने हिंदू राजा पुरु की कलाई पर धागा बांधकर उन्हें मुंहबोला भाई बनाकर सिकंदर को न मारने के वचन लिया और राजा पुरु ने भी अपनी इस वचन का मान रखते हुए सिकंदर को जीवन दान दिया था। इसी तरह से एक और प्रचलित कहानी है जिसके अनुसार मेवाड़ की विधवा महारानी कर्मावती को जब बहादुरशाह के आक्रमण करने की सूचना मिली तो वे घबरा गई और उन्होंने मुगल राजा हुमायूं को राखी भेजकर रक्षा की याचना की। हुमायूं ने भी अपने वचन का पालन किया और बहादुर शाह से युद्ध लड़कर उनके राज्य की रक्षा की। रक्षाबंधन की जड़ें हमारी संस्कृति से बहुत ही गहराई के साथ जुड़ी हुई हैं। भाई तो बहन की रक्षा करता ही है लेकिन साथ ही बहन भी अपने भाई की हर विपत्ति से रक्षा की प्रार्थना करती है।

राखी और बदलते मूल्य

ये रंग-बिरंगे धागे भले हैं कच्चे हों, लेकिन इनमें बंधा प्यार और विश्वास बहुत मजबूत होता है जो हर विपत्ति में रक्षा करता है। हमारी संस्कृति में बहुत पहले से रक्षा सूत्र बांधने की परंपरा चली आ रही है। पंडित के द्वारा मंत्रोच्चार के साथ यजमान के रक्षासूत्र बांधा जाता है तो वहीं पहले के समय में जब राजा युद्ध पर जाते थे तो उनकी रक्षा और विजय की कामना के साथ रक्षा सूत्र बांधा जाता था। रक्षा बंधन से संबंधित जितनी भी कहानियां मिलती हैं उनसे पता चलता है कि लोगों ने विपरीत परिस्थितियों में भी राखी का मान रखते हुए अपने वचन को निभाया और अपनी बहन की रक्षा को हमेशा तत्पर रहे। यह पर्व हमारी संस्कृति और विरासत को दर्शाता है, लेकिन आज के बदलते समय में इस त्योहार पर भी आधुनिकता हावी होने लगी है, तब से आज तक यह परंपरा तो चली आ रही है लेकिन कहीं न कहीं हम अपने मूल्यों को खोते जा रहे हैं। पुराने समय की ये परंपरा आज भी बदस्तूर जारी है लेकिन इन रंग-बिरंगे धागों में अब अपनत्व की भावना और प्रेम की गर्माहट कम होने लगी है। एक समय में जिस तरह के उसूल और संवेदना राखी को लेकर थी शायद अब उनमें अब रुपयों के नाम की दीमक लगने लगी है जो धीरे-धीरे रिश्तों में प्रेम की जगह पैसे लेने लगे हैं। आज के समय में रंग-बिरंग धागों की जगह चांदी और सोने की राखियों में ले ली है जिसके बदले भाई को भी उसी के अनुसार सामाजिक व्यव्हार का पालन करते हुए बहन को उपहार देना होता है, इसलिए भाई भी अपने कर्तव्यों को समझने के बजाय सिर्फ इस रिवाज को पूरा करने को ज्यादा सही समझता है। आज के इस आधुकनिकता के दौर में प्रेम और सद्भावना से ज्यादा दिखावे ने जगह ले ली है।

प्रेम और अपनत्व की जगह ले रहा सोशल मीडिया

आज के समय में सारे त्योहार सोशल मीडिया पर ही पूरे हो जाते हैं। चाहें कोई पर्व हो किसी का जन्मदिवस हो या सालगिरह अगर किसी ने एक पोस्ट कर दी तो सामने वाला व्यक्ति यही समझता है कि उक्त व्यक्ति उनसे बहुत प्रेम और अपनापन रखता है, लेकिन अगर सही मायने में देखा जाए तो स्टेटस लगाने के बजाए असल जिंदगी में उस व्यक्ति के प्रति पूरी ईमानदारी से रिश्ते को निभाया जाए तो जीवन ज्यादा सरल और सुखमय बना रहेगा। रिश्तों की गिरह मजबूत होंगी। राखी का त्योहार भी इससे अछूता नहीं रहा है। लोग इन अनमोल क्षणों की आनंदपूर्वक जीने की बजाय सेल्फी लेने की होड़ में लगे रहते हैं ताकि वो जल्दी से भाई-बहन का प्यार लिखकर पोस्ट कर सकें। सुबह उठते ही हर किसी के स्टेटस पर बस रक्षाबंधन की तस्वीरें और वीडियो की भरमार होती है, लेकिन बजाय सोशल मीडिया पर दिखावे की जगह अगर असल जिंदगी में इन रिश्तों को प्रेमरुपी जल से सींचा जाए तो हमेशा परिवार में मजबूती बनी रहेगी। राखी के त्योहार का मतलब केवल बहन की दूसरों से रक्षा करना ही नहीं होता है बल्कि उसके अधिकारो और सपनों की रक्षा करना भी भाई का कर्तव्य होता है, लेकिन क्या सही मायनों में बहन की रक्षा हो पाती है। आज के समय में राखी के दायित्वों की रक्षा करना बेहद आवश्यक हो गया है। जहां एक तरफ भाई अपनी बहन की रक्षा का वचन लेता है तो वहीं दूसरी और बौद्धिक क्षमता होते हुए भी उसे आज के समय में भी ये कहकर ऊंची शिक्षा से वंचित रखा जाता है कि आगे चलकर करना ही क्या है, चूल्हा-चौका ही करना है। आज भी उसकी अस्मत को बार-बार नोचा जाता है। उसके अस्तित्व को चुनौती दी जाती है। उसके अधिकारों का हनन किया जाता है। राखी के दिन केवल अपनी बहन की रक्षा का संकल्प मात्र नहीं लेना चाहिए के लिए नहीं बल्कि संपूर्ण नारी जगत के मान-सम्मान और अधिकारों की रक्षा का संकल्प लेना चाहिए।

सुकर्मा योग में पूरे दिन बहनें बांध सकेंगी राखी, इस बार रक्षाबंधन पर नहीं है भद्रा का साया

रक्षाबंधन का त्योहार बहन-भाई के बीच प्रेम का प्रतीक है। इसमें बहन भाई को तिलक लगाकर उसके दीर्घायु की कामना करती है। भाई भी जीवन भर बहन के सुख-दुख में साथ निभाने का वादा करता है और स्नेह स्वरूप बहन को उपहार भी देता है। इस त्योहार को प्राचीन काल से मनाने की परंपरा चली आ रही है। इस पर्व को हिंदी पंचांग के श्रावण मास की पूर्णिमा को मनाया जाता है। पूर्णिमा के दिन मनाएं जाने कि वजह से कई जगह इसे राखी पूर्णिमा भी कहते हैं। इस वर्ष रक्षाबंधन आज है। इस बार रक्षाबंधन का पर्व बेहद खास रहने वाला है। आज पूरे दिन राखी बांधने के लिए शुभ समय रहेगा, क्योंकि भद्राकाल का साया नहीं रहेगा। पूर्णिमा पर आमतौर पर भद्रा रहती है और भद्राकाल में कोई भी शुभ कार्य करना वर्जित माना जाता है। इस बार रक्षाबंधन पर भद्रा का कोई व्यवधान नहीं रहेगा। खास बात यह है कि इस बार रक्षाबंधन पर भद्राकाल का साया नहीं रहेगा, यानी बहनें सुबह से लेकर शाम तक कभी भी अपने भाइयों की कलाई पर राखी बांध सकेंगी। श्रावणी पूर्णिमा पर आज शतभिषा नक्षत्र, सुकर्मा योग, बव उपरांत कौलव करण तथा मीन राशि के चंद्रमा की साक्षी में मनाया जाएगा। धर्मशास्त्रीय मान्यता के अनुसार बहनें भाई की दीर्घायु, सुख-समृद्धि और मंगलकामना के लिए उसकी कलाई पर रक्षा सूत्र बांधेंगी। आज के दिन सुकर्मा योग होने से भी यह दिन विशेष शुभ फलदायी माना जा रहा है। रक्षाबंधन का त्योहार बहन-भाई के बीच प्रेम का प्रतीक है। इसमें बहन भाई को तिलक लगाकर उसके दीर्घायु की कामना करती है। भाई भी जीवन भर बहन के सुख-दुख में साथ निभाने का वादा करता है और स्नेह स्वरूप बहन को उपहार भी देता है। इस त्योहार को प्राचीन काल से मनाने की परंपरा चली आ रही है। रक्षाबंधन पर अबकी बार भद्रा का साया नहीं है। रक्षाबंधन पर अक्सर ऐसा होता है कि भद्रा का अशुभ साया भाई-बहन के इस पवित्र त्योहार में खलल डाल देता है और मजा किरकिरा हो जाता है। खुशी की बात यह है कि इस बार भद्रा नहीं है और भाई-बहन पूरे आनंद और प्रेम सौहार्द के साथ इस त्योहार को मनाएंगे। रक्षाबंधन श्रावण मास की पूर्णिमा को होता है। इस दिन बहनें राखी के रूप में अपने भाई की कलाई पर रक्षासूत्र बांधती हैं और भाई इसके बदले में बहनों को उनकी रक्षा करने का वचन देते हैं। इस बार रक्षाबंधन पर भद्रा का कोई व्यवधान नहीं रहेगा। आज रक्षाबंधन का पूरा दिन शुभ रहेगा। सावन के महीने के आखिरी दिन यानी के श्रावण पूर्णिमा को रक्षाबंधन मनाया जाता है।

रक्षा बंधन का शुभ मुहूर्त

- चर-लाभ-अमृत का चौघड़िया प्रातः 06:08 से प्रातः 10:53 तक
- शुभ का चौघड़िया दोपहर 12:28 से दोपहर 02-03 तक
- अपराह्न दोपहर 01:44 से सायं 04:16 तक
- चर का चौघड़िया सायं 05-13 से सायं 05 06.48 तक
- अभिजित दोपहर 12:04 से दोपहर 12:53 तक है।

स्वामित्व योजना से रायगढ़ के 19,917 ग्रामीणों को मिला संपत्ति का अधिकार अभिलेख

रायगढ़ , (प्रतिदिन राजधानी)

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की मंशानुरूप ग्रामीणों को उनकी संपत्ति का विधिवत अधिकार दिलाने के उद्देश्य से रायगढ़ जिले में स्वामित्व योजना का प्रभावी क्रियान्वयन किया जा रहा है। योजना के माध्यम से वर्षों से आबादी भूमि पर अपने मकान और परिसंपत्तियां बनाकर रह रहे ग्रामीणों को अब उनकी संपत्ति का विधिवत प्रमाणिक अभिलेख मिल रहा है।जिले में अब तक 19 हजार 917 हितग्राहियों को उनके मकानों एवं परिसंपत्तियों का स्वामित्व प्रमाण–पत्र अर्थात अधिकार अभिलेख वितरित किया जा चुका है। अधिकार अभिलेख हाथ में आने के साथ ग्रामीणों में अपनी संपत्ति को लेकर सुरक्षा और विश्वास की भावना मजबूत हुई है तथा योजना को लेकर गांवों में अभूतपूर्व उत्साह भी देखा जा रहा है।

कलेक्टर मयंक चतुर्वेदी के निर्देशानुसार जिले के 884 ग्रामों की आबादी भूमि का ड्रोन के माध्यम से सर्वे कराया गया है। इनमें से भारतीय सर्वेक्षण विभाग द्वारा 774 ग्रामों के नक्शे एवं अधिकार अभिलेख जिला प्रशासन को प्राप्त हो चुके हैं। इसके पश्चात 384 ग्रामों में ग्रामीणों को अधिकार अभिलेख वितरित करने की प्रक्रिया आगे बढ़ाई जा रही है। यह पूरी प्रक्रिया ग्रामीणों की संपत्तियों का वैज्ञानिक, पारदर्शी और सटीक अभिलेखीकरण सुनिश्चित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम साबित हो रही है। जिले में अब तक तहसीलवार कापू में 2,218, खरसिया में 701, घरघोड़ा में 6,468, छाल में 1,282, तमनार में 1,570, धरमजयगढ़ में 1,004, पुसौर में 2,702, मुकडेगा में 1,117, रायगढ़ में 1,159 तथा लैलूंगा में 1,696 हितग्राहियों को अधिकार अभिलेख वितरित किए जा चुके हैं। इस तरह योजना ग्रामीण क्षेत्रों में संपत्ति संबंधी अधिकारों को मजबूत करने के साथ–साथ भविष्य के लिए एक व्यवस्थित संपत्ति अभिलेख तैयार करने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।

स्वामित्व योजना के अंतर्गत ग्रामीण आबादी भूमि में स्थित मकानों एवं अन्य परिसंपत्तियों का जीआईएस आधारित सर्वेक्षण तथा ड्रोन से भू–मापन किया जाता है। सर्वेक्षण के आधार पर प्रत्येक संपत्ति की स्थिति, सीमा और क्षेत्रफल का निर्धारण कर स्वामित्व प्रमाण–पत्र यानी अधिकार अभिलेख तैयार किया जाता है। ग्रामीण आबादी के सर्वेक्षण का कार्य राजस्व विभाग एवं भारतीय सर्वेक्षण विभाग, देहरादून द्वारा संयुक्त रूप से किया जा रहा है। इस व्यवस्था से गांवों में स्थित निजी और सार्वजनिक संपत्तियों का व्यवस्थित रिकॉर्ड तैयार होगा।

रक्षाबंधन पर बहनों को मिला 'विष्णु भैया' का स्नेहिल उपहार

मुंगेली, (प्रतिदिन राजधानी)

रक्षाबंधन का पर्व भाई–बहन के स्नेह और अपनत्व का प्रतीक है। इस खास अवसर पर महतारी वंदन योजना की 31वीं किश्त की राशि महिलाओं को सितंबर माह के लिए समय से पहले मिलने से त्योहार की खुशियां और भी बढ़ गईं। राशि प्राप्त होने से जिले की महिलाओं में उत्साह और खुशी का माहौल है। ग्राम फुलवारी की श्रीमती बिसाहीन यादव को भी महतारी वंदन योजना की 31वीं किश्त की राशि प्राप्त हुई है। राशि मिलने पर उनके चेहरे पर खुशी साफ झलक उठी। उन्होंने आत्मीय भाव से मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय को 'विष्णु भैया' कहते हुए धन्यवाद दिया और बताया कि रक्षाबंधन के अवसर पर मिली

यह राशि उनके लिए भाई के प्रति स्नेह और त्योहार की खुशियों को संजोने का माध्यम बनी है।

बिसाहीन यादव ने भावुक होकर बताया कि महतारी वंदन योजना शुरू होने से पहले त्योहार मनाने के लिए कई बार उधार लेना पड़ता था। अब हर महीने मिलने वाली राशि से अपनी जरूरतें पूरी कर पाती हूं। इस बार रक्षाबंधन से पहले राशि मिल गई है, जिससे मैं अपने भाई के लिए राखी और मिठाई खरीदूंगी और बिना किसी चिंता के त्योहार मनाऊंगी।卐 उन्होंने कहा कि योजना से मिलने वाली नियमित आर्थिक सहायता ने महिलाओं को अपनी छोटी–बड़ी जरूरतों के लिए आत्मनिर्भर बनने का अवसर दिया है। त्योहार के समय समय पर मिली राशि परिवार की खुशियों में सहभागी बनने के साथ महिलाओं के आत्मविश्वास को भी बढ़ा रही है। महतारी वंदन योजना के माध्यम से पात्र महिलाओं को नियमित आर्थिक सहायता प्रदान की जा रही है। यह सहयोग का माध्यम बन रही है। पहले किश्त की राशि मिलने से महिलाओं को त्योहार की तैयारियों में आर्थिक सहारा मिला है।

जनसमस्याओं के निराकरण में समयबद्धता और गुणवत्ता सर्वोच्च प्राथमिकता- कलेक्टर अमृत

मुंगेली, (प्रतिदिन राजधानी)

नवपदस्थ कलेक्टर अमृत विकास तोपनो ने जिला कलेक्टोरेट स्थित मनियारी सभाकक्ष में समय–सीमा की बैठक लेकर जिले में संचालित विभिन्न योजनाओं एवं विभागीय कार्यों की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को जनहित से जुड़े प्रकरणों का समयबद्ध, गुणवत्तापूर्ण एवं संवेदनशीलता के साथ निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने सीएम हेल्पलाइन एवं सुशासन तिहार से प्राप्त प्रकरणों की समीक्षा करते हुए कहा कि प्रत्येक आवेदन का गंभीरता से परीक्षण कर नियमानुसार समाधान किया जाए तथा

आवेदक को संतुष्टिपूर्ण निराकरण उपलब्ध कराने पर विशेष ध्यान दिया जाए। उन्होंने पेंशन प्रकरणों को प्राथमिकता से लेते हुए पात्र हितग्राहियों को समय पर लाभ दिलाने के निर्देश दिए। बैठक में आंगनबाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिका नियुक्ति भर्ती प्रक्रिया की जानकारी लेते हुए समयबद्ध नियुक्ति करने के निर्देश दिए। उन्होंने प्रधानमंत्री आवास योजना–ग्रामीण और शहरी, विकसित भारत योजना, 15वें वित्त आयोग, कस्टम मिलिंग, राशन कार्ड नवीनीकरण, पीडीएस दुकानों से संबंधित प्रकरण, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, फसल बीमा योजना एवं किसान योजनाओं की समीक्षा की और शासन की मंशा के अनुरूप आपसी समन्वय एवं टीम भावना से योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

वित्त मंत्री ओ.पी. चौधरी ने बताया ङ्क यूपीआई भुगतान ने बदली भारत की जीवन-शैली

रायगढ़ , (प्रतिदिन राजधानी)

मोदी सरकार आने के पहले कभी राशन की दुकान हो या रेलवे टिकट खिड़की, बिजली बिल जमा करना हो या सब्जी मंडी में भाव–ताव ङ्क हर जगह लंबी लाइनों की कहानी आम थी। अब सभी जगहों में कतारे बीते जमाने की बात हो चुकी। हर हाथ में स्मार्टफोन और सामने एक छोटा सा क्यूआरकोड, और सेकंडों में पेमेंट पूरा। वित्त मंत्री ओ.पी. चौधरी ने इस डिजिटल क्रांति को जीवन में आसानी का सबसे बड़ा उदाहरण निरूपित किया। मोदी का वीडियो सोशल मंच में साझा करते हुए उन्होंने बताया 卐डिजिटल पेमेंट ने हमारी रोजमर्रा की जिंदगी को आसान, तेज और सुविधाजनक बना दिया है।

उन्होंने अपने आधिकारिक सोशल मीडिया हैंडल ट्विटर पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के एक पोस्ट को साझा करते हुए भारत में यूपीआई के 10

साल पूरे होने के अवसर पर यह बात कही है।

आंकड़े बताते है कि भारत में यूपीआई भुगतान जीवन शैली में शामिल हो गया।वित्त वर्ष 2025–26 में क्ख्न ने 24,162 करोड़ लेनदेन देश की सबसे बड़ी पेमेंट आदत प्रमाण बना। जिसकी कुल मूल्य314.23 लाख करोड़ रही। जो कि 2020–21 में सिर्फ 2,233 करोड़ था, आज 10 गुना से ज्यादा बढ़ चुका है। यूपीआई भुगतान हर महीने नया रिकॉर्ड बना रहा । जुलाई 2026 में 23.66 अरब बिलियन लेन–देन हुए जिनकी कीमत 29.88 लाख करोड़ थी। जून में भी 22.7 अरब लेन–देन के साथ 28.9 लाख करोड़ का कारोबार हुआ। आज देश में पीओएस मशीनें 115.3 लाख और क्यूआरकोड 7,854 लाख तक पहुंच चुके हैं।

यूपीआई से जुड़े आंकड़े बताते हुए ओपी चौधरी बताया कि किस तरह इस सिस्टम के लागू होने से भारतीयों का जीवन आसान हुआ। पहले किराना दुकान पर सबसे ज्यादा कैश चलता था, आज सिर्फ किराना में ही जून महीने में 3.74 अरब यूपीआई ट्रांजैक्शन हुए हैं। फास्ट फूड, दवा, पेट्रोल पंप, बिजली बिल ङ्क हर जगह बस एक स्कैन। वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने कहा कि यह सिर्फ टेक्नोलॉजी नहीं, यह गरीब से गरीब व्यक्ति का आर्थिक सशक्तिकरण है। टियर–2, टियर–3 शहरों और गांवों में यूपीआई अब कभी–कभी इस्तेमाल होने वाला विकल्प नहीं, बल्कि रोजमर्रा की आदत बन गया है।

आंकड़े बताते है कि भारत में यूपीआई भुगतान जीवन शैली में शामिल हो गया।वित्त वर्ष 2025–26 में क्ख्न ने 24,162 करोड़ लेनदेन देश की सबसे बड़ी पेमेंट आदत प्रमाण बना। जिसकी कुल मूल्य314.23 लाख करोड़ रही। जो कि 2020–21 में सिर्फ 2,233 चुका है। यूपीआई भुगतान हर महीने नया जिनकी कीमत 29.88 लाख करोड़ थी। जून में भी 22.7 अरब लेन–देन के साथ 28.9 लाख करोड़ का कारोबार हुआ। आज देश में पीओएस मशीनें 115.3 लाख और क्यूआरकोड 7,854 लाख तक पहुंच चुके हैं।

डोमनी नाले पर बना एक्वाडक्ट गिरा, किसानों के खेतों तक पानी पहुँचने से पहले ही निर्माण धराशायी

सरगुजा, (प्रतिदिन राजधानी)

जिले के सीतापुर ब्लॉक में जल संसाधन विभाग की कार्यप्रणाली पर एक बार फिर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। ग्राम एरंड नवापारा में करीब 10 करोड़ रुपये की लागत से तैयार की गई %डोमनी नाला व्यपवर्तन योजना% पहली तेज बारिश भी नहीं झेल पाई। ग्राम भुषु के पास डोमनी नाले पर दोनों ओर की नहरों को जोड़ने के लिए बनाया गया विशाल एक्वाडक्ट मूसलाधार बारिश के चलते बुधवार सुबह भरभराकर ढह गया।

पुल का एक बड़ा हिस्सा टूटकर नाले और आसपास के खेतों में समा गया। गनीमत रही कि हादसे के वक्त खेत में कोई ग्रामीण मौजूद नहीं था, जिससे

एक बड़ा जानलेवा हादसा टल गया।डोमनी नाला व्यपवर्तन योजना (सिंचाई परियोजना) का निर्माण छत्तीसगढ़ शासन के जल संसाधन विभाग द्वारा कराया गया था।इस पूरे प्रोजेक्ट की रूपरेखा, बजट की मंजूरी और निर्माण कार्य की निगरानी जल संसाधन विभाग के स्थानीय प्रभाग (सीतापुर/सरगुजा डिवीजन) के इंजीनियरों की देखरेख में की गई थी। ठेकेदार या जिस निजी एजेंसी को इसके निर्माण का टेंडर दिया गया था, उसकी तकनीकी जांच अब विभाग के रडार पर है। करीब एक दर्जन गांवों के सैकड़ों किसानों के खेतों तक सिंचाई का पानी पहुँचाने के मकसद से इस महत्वाकांक्षी परियोजना की नींव रखी गई थी। नहर के जरिए पानी पहुंचाने के लिए इस एक्वाडक्ट को तैयार किया गया था, लेकिन विभागीय लापरवाही और निर्माण गुणवत्ता की अनदेखी ने किसानों के सपनों पर पानी फेर दिया।

अकीदत और सौहार्द के रंगों में रंगा बटवाही, ईद-ए-मिलाद-उन-नबी पर निकला भव्य 'जुलूसे मोहम्मदी'

अम्बिकापुर, (प्रतिदिन राजधानी)

पैगंबर–ए–इस्लाम हजरत मुहम्मद साहब के यौम–ए–पैदाइश (ईद–ए–मिलाद–उन–नबी) के मुकद्दस मौके पर सरगुजा जिले के लुण्ड्रा जनपद अंतर्गत ग्राम पंचायत बटवाही में अकीदत और उल्लास का अनुपम संगम देखने को मिला। अंजुमन गोसिया कमेटी के संयोजन में अहले सुन्नत समाज द्वारा पारंपरिक शानो–शौकत के साथ 'जुलूसे मोहम्मदी' निकाला गया, जिसमें हजारों की तादाद में अकीदतमंदों ने शिरकत कर अमन, मोहब्बत और भाईचारे का पैगाम दिया। बटवाही जामा मस्जिद परिसर से शुरू हुआ यह कारवां मिशन चौक, रघुनाथपुर बस स्टैंड और स्थानीय पुलिस चौकी होते हुए सुमेरपुर तक पहुंचा। पूरे मार्ग में पैगंबर साहब की शान में नात–ओ–सलाम की सदाएं गूंजती रहीं। जुलूस के दौरान मिलाद महफिल और सीरत सम्मेलन का आयोजन हुआ, जहां उलेमाओं ने हजरत मुहम्मद के जीवन दर्शन, आदर्शों और इंसानियत की तालीम पर रोशनी डालते हुए आपसी सद्भाव मजबूत करने का आह्वान किया।

कार्यक्रम को निर्विघ्न और सौहार्दपूर्ण बनाए रखने के लिए प्रशासन और पुलिस बल पूरी तरह मुस्तैद रहा। रघुनाथपुर चौकी प्रभारी आर.एन. पटेल के नेतृत्व में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए थे।

इस रूहानी जलसे में इमाम मौलाना उमर नूरानी, कमेटी सदर मोहम्मद ताहिर हुसैन, हाफिज सफीक कादरी, मोहम्मद इसराइल अंसारी, मोहम्मद हैदर अली, मोहम्मद असलम खान सहित बड़ी संख्या में क्षेत्रवासी और प्रबुद्धजन उपस्थित रहे।

अम्बिकापुर में लिव-इन पार्टनर ने काटा गला, युवक की मौत, युवती गंभीर

अम्बिकापुर, (प्रतिदिन राजधानी)

सरगुजा जिले के गांधीनगर थाना क्षेत्र अंतर्गत सुभाषनगर में बुधवार सुबह एक दर्दनाक घटना सामने आई, जहां लिव–इन रिलेशनशिप में रह रहे युवक–युवती ने धारदार हथियार से अपने–अपने गले पर वार कर लिया। इस घटना में युवक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि गंभीर रूप से घायल युवती को मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उसका उपचार चल रहा है।

मूलतः सरगुजा के दरिमा निवासी 34 वर्षीय मोहन पैंकरा और सूरजपुर के कंदरई गांव की निवासी 30 वर्षीय महिमा सिदार, पिछले 10 वर्षों से साथ रह रहे थे। लगभग दो महीने पहले ही

दोनों सुभाषनगर में सरस्वती महाविद्यालय के पास एक किराए के मकान में शिफ्ट हुए थे।

पुलिस की प्रारंभिक जांच के अनुसार, बुधवार सुबह करीब 6=30 बजे रक्षाबंधन पर्व पर मायके जाने की बात को लेकर दोनों के बीच तीखी बहस शुरू हो गई। इसी बीच जब महिमा बाथरूम से बाहर आई, तो उसने मोहन को खून से लथपथ पाया, उसका गला कटा हुआ था। युवती के शोर मचाने पर जब तक मकान मालिक और आसपास के लोग मौके पर पहुंचे, तब तक उसने भी उसी चाकू से अपने गले पर वार कर लिया।

मकान मालिक की सूचना पर गांधीनगर पुलिस और फॉरेंसिक टीम तत्काल मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजते हुए घायल युवती को अस्पताल पहुंचाया। दोनों के परिजनों को सूचित कर दिया गया है और पुलिस मकान मालिक व घायल युवती के बयानों के आधार पर मामले की विस्तृत जांच कर रही है।

डोमनी नाले पर बना एक्वाडक्ट गिरा, किसानों के खेतों तक पानी पहुँचने से पहले ही निर्माण धराशायी

अम्बिकापुर, (प्रतिदिन राजधानी)

सरगुजा जिले के सीतापुर ब्लॉक में जल संसाधन विभाग की कार्यप्रणाली पर एक बार फिर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। ग्राम एरंड नवापारा में करीब 10 करोड़ रुपये की लागत से तैयार की गई %डोमनी नाला व्यपवर्तन योजना% पहली तेज बारिश भी नहीं झेल पाई। ग्राम भुषु के पास डोमनी नाले पर दोनों ओर की नहरों को जोड़ने के लिए बनाया गया विशाल एक्वाडक्ट मूसलाधार बारिश के चलते बुधवार सुबह भरभराकर ढह गया।

पुल का एक बड़ा हिस्सा टूटकर नाले और आसपास के खेतों में समा गया। गनीमत रही कि हादसे के वक्त खेत में कोई ग्रामीण मौजूद नहीं था, जिससे

एक बड़ा जानलेवा हादसा टल गया।डोमनी नाला व्यपवर्तन योजना (सिंचाई परियोजना) का निर्माण छत्तीसगढ़ शासन के जल संसाधन विभाग द्वारा कराया गया था।इस पूरे प्रोजेक्ट की रूपरेखा, बजट की मंजूरी और निर्माण कार्य की निगरानी जल संसाधन विभाग के स्थानीय प्रभाग (सीतापुर/सरगुजा डिवीजन) के इंजीनियरों की देखरेख में की गई थी। ठेकेदार या जिस निजी एजेंसी को इसके निर्माण का टेंडर दिया गया था, उसकी तकनीकी जांच अब विभाग के रडार पर है।

करीब एक दर्जन गांवों के सैकड़ों किसानों के खेतों तक सिंचाई का पानी पहुँचाने के मकसद से इस महत्वाकांक्षी परियोजना की नींव रखी गई थी। नहर के जरिए पानी पहुंचाने के लिए इस एक्वाडक्ट को तैयार किया गया था, लेकिन विभागीय लापरवाही और निर्माण गुणवत्ता की अनदेखी ने किसानों के सपनों पर पानी फेर दिया। इससे पहले इनटेकवेल निर्माण के दौरान भी लापरवाही की शिकायतें सामने आई थीं, जिससे योजना पहले ही लड़खड़ा रही थी। अब मुख्य संरचना के टूटने से किसानों को पानी मिलने का इंतजार और लंबा हो गया है।

विभाग ने इस परियोजना के मुख्य ठेकेदार को ब्लैकलिस्ट (काली सूची में डालने) करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। इसके साथ ही ठेकेदार की अमानत राशि और लंबित भुगतानों पर रोक लगा दी गई है।सरकारी धन के नुकसान की वसूली ठेकेदार और दोषी इंजीनियरों से करने के लिए रिकवरी नोटिस जारी किया जा रहा है।

उद्घाटन से पहले ही 7.5 करोड़ के नए न्यायालय भवन में पड़ी दरारें

अम्बिकापुर, (प्रतिदिन राजधानी)

सरगुजा जिले के सीतापुर में दशकों से जनपद पंचायत के पुराने भवन में चल रहे व्यवहार न्यायालय को अपना नया परिसर मिलने से पहले ही निर्माण की गुणवत्ता पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। ग्राम चलता में लोक निर्माण विभाग की देखरेख में लगभग 7.5 करोड़ रुपये की लागत से तैयार व्यवहार न्यायालय का नया भवन उद्घाटन से पहले ही दरारों और खामियों की चपेट में आ गया है।

करीब दो साल पहले बनकर तैयार हुए इस विशाल परिसर को तकनीकी खामियों और सीपेज के चलते न्यायालय प्रशासन ने हैंडओवर लेने से इनकार कर दिया था। स्थानीय अधिवक्ताओं के कड़े विरोध और शिकायतों के बाद विभाग ने मरम्मत कराकर सीपेज तो किसी तरह रोक दिया, लेकिन दीवारों और संरचना में उभरी दरारें अब भी साफ नजर आ रही हैं। विभाग द्वारा की गई

पुट्टी और रंग–रोगन की लीपापोती के बावजूद दरारें बार–बार उभर रही हैं, जो निर्माण सामग्री व तकनीक में बरती गई लापरवाही की ओर इशारा करती हैं। अधिवक्ता देवेंद्र गुप्ता के अनुसार, भवन में सिर्फ दरारें और सीपेज ही नहीं, बल्कि न्यायालयीन प्रक्रियाओं के संचालन के लिए आवश्यक ऑनलाइन तकनीकी व्यवस्थाएं भी अधूरी थीं। इसी वजह से न्यायालय प्रशासन इसे हैंडओवर लेने से बचता रहा। उन्होंने बताया कि सुधार कार्यों की रिपोर्ट और उच्च न्यायालय से प्रोटोकॉल व दिशा–निर्देश जारी होने के बाद ही औपचारिक उद्घाटन की प्रक्रिया आगे बढ़ सकेगी।

दूसरी ओर, लोक निर्माण विभाग के उपअभियंता अमित टोप्पो ने गुणवत्ता की खामियों को खारिज करते हुए तर्क दिया कि भवन ढाई साल पहले ही बन चुका था और हैंडओवर न होने के कारण देखरेख के अभाव में ऐसी स्थिति बनी है। उन्होंने दरारों को केवल पुट्टी का उखड़ना बताते हुए कहा कि अगले पांच वर्षों तक रखरखाव की जिम्मेदारी संबंधित ठेकेदार की है और जहां भी खराबी है, उसे ठीक कराया जाएगा। हालांकि, करोड़ों के इस प्रोजेक्ट की मौजूदा स्थिति ने प्रशासनिक निगरानी और सार्वजनिक धन के उपयोग पर कड़े सवाल खड़े कर दिए हैं।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने IFS प्रशिक्षुओं को दिया 'राष्ट्रहित सर्वोपरि' का मंत्र, भूटान के राजनयिकों से भी की मुलाकात

2025 बैच के प्रशिक्षु अधिकारियों और भूटान के राजनयिकों ने राष्ट्रपति भवन में की भेंट, सुषमा स्वराज विदेश सेवा संस्थान में ले रहे हैं ट्रेनिंग

नई दिल्ली| 2025 बैच के भारतीय विदेश सेवा (IFS) के प्रशिक्षु अधिकारियों और भूटान के दो राजनयिकों ने 27 अगस्त 2026 को राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु से मुलाकात की। ये सभी अधिकारी वर्तमान में सुषमा स्वराज विदेश सेवा संस्थान में अपना प्रवेश प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं। राष्ट्रपति ने इस अवसर पर प्रशिक्षुओं को उनके गौरवशाली दायित्व की याद दिलाते हुए राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखने और विभिन्न देशों के साथ भारत के संबंधों को प्रगाढ़ करने पर जोर दिया।

संबोधन के दौरान राष्ट्रपति ने कहा कि जैसे-जैसे भारत वर्ष 2047 तक विकसित राष्ट्र बनने की ओर बढ़ रहा

है, राजनय की भूमिका और अधिक महत्वपूर्ण होती जा रही है। उन्होंने राजनयिकों को निवेश, प्रौद्योगिकी,

विनिर्माण और नवीकरणीय ऊर्जा जैसे क्षेत्रों में उभरते अवसरों के प्रति सजग रहने की सलाह दी। उन्होंने स्पष्ट किया

कि राजनय का मुख्य उद्देश्य भारत की समृद्धि में प्रत्यक्ष योगदान देना होना चाहिए और अधिकारियों के पेशेवर

जीवन में राष्ट्रीय हित का सिद्धांत चिरस्थायी रहना चाहिए।

कूटनीति के बदलते स्वरूप का

जिक्र करते हुए राष्ट्रपति ने कहा कि हालांकि प्रौद्योगिकी ने संवाद और सुशासन के तरीकों को बदल दिया

है, लेकिन यह कभी भी मानवीय संवेदनशीलता का स्थान नहीं ले सकती। उन्होंने आग्रह किया कि विदेशों में स्थित भारतीय मिशनों के द्वार हर जरूरतमंद भारतीय के लिए हमेशा खुले रहने चाहिए। उन्होंने अधिकारियों को विश्वविद्यालयों, कारोबारी जगत और विशेष रूप से प्रवासी भारतीय समुदाय के युवाओं के साथ सार्थक जुड़ाव बढ़ाने का सुझाव दिया। राष्ट्रपति ने प्रशिक्षुओं को याद दिलाया कि वे 140 करोड़ भारतीयों की आशाओं का प्रतिनिधित्व करते हैं, इसलिए उन्हें 'वसुधैव कुटुम्बकम्' के लोकाचार के साथ ईमानदारी और सत्यनिष्ठा के उच्चतम मानक बनाए रखने चाहिए।

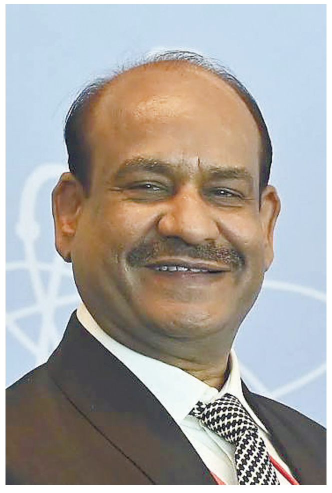

रक्षाबंधन पर लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला की देशवासियों को बधाई, बोले- यह रिश्तों के विश्वास और महिला सम्मान का महापर्व

नई दिल्ली| लोक सभा अध्यक्ष ओम बिरला ने रक्षाबंधन की पूर्व संध्या पर समस्त देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने इस पावन पर्व को भारतीय संस्कृति की समृद्धि, पारिवारिक मूल्यों और भाई-बहन के आपसी स्नेह व भरोसे का एक अटूट प्रतीक करार दिया है। बिरला के अनुसार, यह त्योहार महज एक रक्षा-सूत्र तक सीमित नहीं है, बल्कि यह विश्वास, सम्मान और जीवनभर एक-दूसरे का साथ निभाने के संकल्प का उत्सव है।

पवित्र रिश्तों और सामाजिक मजबूती का आधार

ओम बिरला ने रेखांकित किया कि भाई-बहन का रिश्ता निस्वार्थ और बिना किसी शर्त के होता है, जो परिवारों को जोड़ने के साथ ही समाज को भी मजबूती प्रदान करता है। उनके संदेश में इस बात पर जोर दिया गया कि जहां भाई अपनी बहन की खुशी और सुरक्षा को अपना प्रमुख दायित्व मानता है, वहीं बहन भी अपने भाई के सुखद और उज्ज्वल भविष्य की कामना करती है।

महिला गरिमा और सशक्त राष्ट्र का संकल्प

लोक सभा अध्यक्ष ने इस पर्व के माध्यम से महिलाओं के सम्मान और उनके अधिकारों की रक्षा का आह्वान किया। उन्होंने स्पष्ट किया कि राष्ट्र तभी सशक्त बनेगा जब समाज की हर बेटी और बहन सुरक्षित व आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ेगी। बिरला ने देशवासियों से बेटियों को समान अवसर देने, बुजुर्गों का सम्मान करने और समाज में भाईचारे व एकता की भावना को और अधिक प्रगाढ़ करने की अपील भी की।

मध्य प्रदेश के किसानों को मिला बड़ी राहत:

शिवराज सिंह चौहान ने की मूंग खरीद और बीमा योजनाओं की समीक्षा

केंद्र ने मध्य प्रदेश के लिए स्वीकृत की 5.39 लाख मीट्रिक टन मूंग की खरीद, बीमा योजना में तकनीकी सुधार पर चर्चा

नई दिल्ली| केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण तथा ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने नई दिल्ली स्थित कृषि भवन में मध्य प्रदेश के कृषि एवं बागवानी मंत्रियों के साथ वर्चुअल बैठक की। इस समीक्षा बैठक में राज्य में ग्रीष्मकालीन मूंग की खरीद, किसानों को न्यूनतम समर्थन मूल्य (MSP) का लाभ दिलाने और प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना (PMFBY) के प्रभावी क्रियान्वयन पर विस्तार से चर्चा हुई। शिवराज सिंह चौहान ने बताया कि भारत सरकार ने मध्य प्रदेश सरकार के अनुरोध पर ग्रीष्मकालीन 2026 सीजन के लिए मूंग की कुल स्वीकृत मात्रा 5,39,072 मीट्रिक टन कर दी थी, जिसके तहत कुल 5.33 लाख मीट्रिक टन मूंग की खरीद की जा चुकी है।

बैठक में जानकारी दी गई कि ग्रीष्मकालीन 2026 सीजन के लिए पहले

4,54,580 मीट्रिक टन मूंग की मात्रा स्वीकृत की गई थी, जिसे किसानों के हित में 84,492 मीट्रिक टन और बढ़ाया गया। इस अतिरिक्त स्वीकृति से राज्य सरकार पर कोई वित्तीय भार नहीं आया। मूंग खरीद की अवधि समाप्त हो चुकी है और पूरी प्रक्रिया NAFED तथा NCCF के माध्यम से पारदर्शी तरीके से संपन्न हुई है। पिछले वर्ष ग्रीष्म 2025 में 4,19,692 मीट्रिक टन की स्वीकृत मात्रा के विरुद्ध 3,93,123.79 मीट्रिक टन की खरीद हुई थी। इसकी तुलना में इस वर्ष स्वीकृति और वास्तविक खरीद दोनों में बढ़ोतरी दर्ज की गई है, जिससे पंजीकृत किसानों को उचित मूल्य प्राप्त हुआ है।

प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत मध्य प्रदेश में पुनर्गठित मौसम आधारित फसल बीमा योजना (RWBCIS) के लिए केंद्र सरकार ने टर्म-शीट राज्य को उपलब्ध करा दी है। शिवराज सिंह चौहान ने WINDS प्रणाली के लंबित क्रियान्वयन की भी समीक्षा की और इसे जल्द लागू करने का आग्रह किया। अधिकारियों के अनुसार, WINDS के बिना RWBCIS को प्रभावी ढंग से लागू करना चुनौतीपूर्ण होगा। इसके अलावा, तकनीकी आधारित उपज आकलन के लिए Crop Cutting Experiments (CCEs) को पुनः लागू करने और तकनीकी व फील्ड आंकड़ों के समन्वय के लिए 'Blended Approach' अपनाने का सुझाव दिया गया है ताकि बीमा व्यवस्था और मजबूत हो सके।

कानपुर में बड़ा विमान हादसा:

गंगा बैराज के पास ट्रेनिंग प्लेन क्रैश, प्रशिक्षक और प्रशिक्षु पायलट की मौत

गर्ग एविएशन के विमान ने कानपुर सिविल हवाई अड्डे से भरी थी उड़ान, जांच के लिए टीमें रवाना

कानपुर| कानपुर में आज दोपहर एक बड़ा विमान हादसा हो गया। गर्ग एविएशन लिमिटेड द्वारा संचालित टेक्नाम पी2006टी ट्विन-इंजन विमान गंगा बैराज के पास दुर्घटनाग्रस्त हो गया। इस दर्दनाक हादसे में विमान में सवार प्रशिक्षक और प्रशिक्षु पायलट दोनों की मृत्यु हो गई है। यह विमान कानपुर सिविल हवाई अड्डे से उड़ान भरने के बाद स्थानीय क्षेत्र में प्रशिक्षण पर था।

हवाई अड्डे से 5 एनएम की दूरी पर हुआ हादसा

पंजीकरण संख्या वीटी-एनबीवी वाला यह विमान 27 अगस्त 2026 की दोपहर को कानपुर नागरिक हवाई अड्डे से लगभग 5 एनएम की दूरी पर क्रैश हुआ। शुरुआती जानकारी के अनुसार, विमान अपनी नियमित प्रशिक्षण उड़ान पर था, तभी गंगा बैराज के पास यह दुर्घटना का शिकार हो गया।

एएआईबी और डीजीसीए करेंगे मामले की जांच

हादसे के बाद नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) के तीन अधिकारियों की एक टीम नियामक निरीक्षण और समन्वय के लिए घटनास्थल की ओर रवाना हो गई है। वहीं, विमान दुर्घटना जांच ब्यूरो (एएआईबी) को भी इस बारे में सूचित कर दिया गया है। एएआईबी अब लागू नियमों के तहत दुर्घटना की विस्तृत जांच करेगा ताकि हादसे की परिस्थितियों और इसके सटीक कारणों का पता लगाया जा सके।

अमरेली में 'गुजरात गौरव सरोवर' का लोकार्पण

मोदी की दूरदर्शिता से अकाल मुक्त हुआ गुजरात: अमित शाह

अमरेली| केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने आज गुजरात के अमरेली में 'गुजरात गौरव सरोवर' का लोकार्पण किया। हरिकृष्ण ग्रुप और ढोलकिया फाउंडेशन द्वारा निर्मित यह सरोवर 21 एकड़ में फैला है और इसकी क्षमता 40 करोड़ लीटर है। इस अवसर पर अमित शाह ने कहा कि यह सरोवर कृषि, पेयजल उपलब्धता और भूजल संरक्षण में सहायक सिद्ध होगा। कार्यक्रम के दौरान गुजरात के उप-मुख्यमंत्री हर्ष संघवी सहित कई गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे।

समारोह को संबोधित करते हुए अमित शाह ने कहा कि वर्ष 2001 में जब नरेन्द्र मोदी गुजरात के मुख्यमंत्री बने, तब से राज्य में पानी की कमी दूर हुई और अकाल अतीत की बात बन गई। उन्होंने बताया कि नरेन्द्र मोदी ने मुख्यमंत्री रहते हुए 2003 तक डेढ़ लाख चेक डैम बनवाए और नर्मदा योजना के दरवाजे उनके प्रधानमंत्री बनने के बाद ही खुले। इस योजना से नर्मदा का पानी सौराष्ट्र, कच्छ और खावड़ा तक पहुंचा। उन्होंने कहा कि 'सौनी' योजना के जरिए बचे हुए पानी को सौराष्ट्र के बांधों और नदियों में डाला गया, जबकि 'सुजलाम सुफलाम'

योजना से उत्तर गुजरात में जल स्तर ऊपर उठा।

जल संरक्षण और निस्वार्थ सेवा का संदेश

अमित शाह ने जल शक्ति मंत्रालय की स्थापना और 'कैच द रेन' जैसे अभियानों का जिक्र करते हुए कहा कि आज गुजरात सूखे की समस्या से मुक्त है। उन्होंने मत्स्य पुराण का उदाहरण देते हुए जल संरक्षण के पुण्य के बारे में बताया। इसके अलावा, उन्होंने हरिकृष्ण ग्रुप के संस्थापक सवजी ढोलकिया को मिले पद्मश्री सम्मान का उल्लेख करते हुए कहा कि पद्म और भारत रत्न जैसे सम्मान अब उन लोगों को दिए जाते हैं जो प्रशंसा की इच्छा के बिना अपना जीवन भारत माता के लिए समर्पित कर देते हैं। उन्होंने बताया कि 2001 से 2026 तक गुजरात में कोई बड़ा अकाल नहीं देखा गया है, जो नरेन्द्र मोदी की दूरदर्शी योजनाओं का ही परिणाम है।

राष्ट्रीय सम्मेलन में जनजातीय स्वतंत्रता सेनानी संग्रहालयों और डिजिटल तकनीक के एकीकरण पर विशेषज्ञों ने दिए सुझाव

नई दिल्ली| नई दिल्ली में जनजातीय भाषाओं और संग्रहालयों पर आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में विशेषज्ञों ने जनजातीय इतिहास और विरासत के संरक्षण पर गहराई से चर्चा की। जनजातीय स्वतंत्रता सेनानी संग्रहालयों (टीएफएफएम) पर केंद्रित इस संवाद में प्रामाणिक कथा-प्रस्तुति और आधुनिक संग्रहालय पद्धतियों के माध्यम से सांस्कृतिक पहचान को सुरक्षित करने पर ध्यान दिया गया। जनजातीय कार्य मंत्रालय के संयुक्त सचिव टी. रूमुआन पाइते ने सत्र का शुभारंभ करते हुए संग्रहालयों को केवल वस्तुओं का भंडार न मानकर उनसे जुड़ी कहानियों और संदर्भों को सहेजने पर बल दिया।

डिजिटल तकनीक और प्रामाणिक प्रस्तुतीकरण

मंत्रालय की निदेशक दीपाली मसीरकर ने जनजातीय समुदायों की विशिष्टता को आकर्षक तरीके से पेश करने के लिए भोपाल जनजातीय संग्रहालय का उदाहरण दिया। प्रो. वर्जिनियस ज़ाक्सा ने आदिवासी स्वतंत्रता गाथाओं की प्रामाणिकता और उन्हें राष्ट्रीय आंदोलन से जोड़ने

की बात कही। वहीं विनोद डेनियल ने संग्रहालयों को स्मृति और पहचान के सजीव संस्थान के रूप में विकसित करने पर विचार रखे। अमिताभ पांडे ने संग्रहालय नियोजन और कथा विकास की प्रक्रियाओं को समझाया।

नवाचार और सामुदायिक सहभागिता

संग्रहालयों में डिजिटल तकनीकों के उपयोग पर नटराज दासगुप्ता ने एआर/वीआर और इंटरैक्टिव डिस्प्ले के महत्व को साझा किया।

श्रीराम तिवारी ने भोपाल संग्रहालय के अनुभवों के आधार पर सामुदायिक भागीदारी और राजस्व सृजन पर प्रकाश डाला। समापन सत्र में दीपाली मसीरकर ने लाइट शो, अतिथि गृह और जनजातीय व्यंजनों वाले कैफे जैसे सुझाव दिए ताकि संग्रहालय आत्मनिर्भर बन सकें। इस दौरान इतिहासकारों और डिजाइनरों के बीच बेहतर तालमेल पर जोर दिया गया।

हिम तेंदुए को बचाने के लिए भारत और रूस आए साथ, मॉस्को में वैज्ञानिक तकनीकों पर बनी बड़ी रणनीति

- **मॉस्को में 'इरबिस' और आईबीसीए के समझौते के तहत जुटे विशेषज्ञ, भारतीय वन्यजीव संस्थान ने साझा की नई तकनीक**

मॉस्को| भारत और रूस ने हिम तेंदुए (Snow Leopard) के संरक्षण और उनके अध्ययन की दिशा में एक नया कदम उठाया है। 26 अगस्त, 2026 को मॉस्को स्थित रूसी विज्ञान अकादमी के ए.एन. सेवेर्तसोव पारिस्थितिकी और विकास संस्थान में दोनों देशों के बीच एक महत्वपूर्ण गोलमेज सम्मेलन हुआ। यह बैठक अंतरक्षेत्रीय संघ 'इरबिस' और अंतर्राष्ट्रीय बिग कैट एलायंस (आईबीसीए) के बीच दिसंबर 2025 में हुए साझेदारी समझौते के तहत आयोजित की गई थी। इस पहल का मुख्य उद्देश्य हिम तेंदुए के अनुसंधान और संरक्षण के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आपसी सहयोग को और अधिक प्रभावी बनाना है।

भारतीय प्रतिनिधिमंडल ने सम्मेलन के दौरान विज्ञान आधारित पहलों के

जरिए हिम तेंदुए के संरक्षण में हासिल की गई देश की उपलब्धियों को पेश किया। भारतीय वन्यजीव संस्थान (डब्ल्यूआईआई) के अधिकारियों ने इस दौरान रेडियो टेलीमेट्री, आनुवंशिक विश्लेषण और हिम तेंदुए की जनसंख्या का सटीक अनुमान लगाने की दिशा में हुई प्रगति पर विस्तार से चर्चा की। भारत सरकार के पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के प्रतिनिधियों ने स्पष्ट किया कि संरक्षण प्रयासों को मजबूती देने में वैज्ञानिक उपकरणों की भूमिका अब काफी निर्णायक हो गई है।

इस उच्च स्तरीय बैठक में रूसी संघ के प्राकृतिक संसाधन एवं पर्यावरण मंत्रालय, मॉस्को चिड़ियाघर और रोसप्रिरोडनादज़ोर के विशेषज्ञों ने भाग लिया। भारतीय प्रतिनिधिमंडल ने विषयगत चर्चाओं के जरिए इस दुर्लभ प्रजाति के वैज्ञानिक अध्ययन के लिए एक सहयोगात्मक दृष्टिकोण अपनाने पर जोर दिया। यह सम्मेलन अंतरराष्ट्रीय भागीदारों के लिए हिम तेंदुए की निगरानी और अनुसंधान से जुड़े अनुभवों को साझा करने का एक बड़ा मंच साबित हुआ है, जिससे भविष्य में इस प्रजाति को बचाने के लिए बेहतर निगरानी तंत्र विकसित किया जा सकेगा।

राजनाथ सिंह और डॉ. मोहन यादव ने किया 472 करोड़ के प्रोजेक्ट का भूमि पूजन

जबलपुर| जबलपुरः रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की ओर कदम बढ़ाते हुए रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने 27 अगस्त, 2026 को जबलपुर स्थित वाहन कारखाने में टी-सीरीज टैंक ओवरहाल परियोजना की आधारशिला रखी। 472 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत वाली यह परियोजना मिनी रत्न रक्षा उपक्रम आर्मर्ड व्हीकल निगम लिमिटेड (एवीएनएल) की एक महत्वपूर्ण इकाई है। इसके तहत टी-72 और टी-90 टैंकों की मरम्मत और रखरखाव के लिए अत्याधुनिक सुविधाओं का निर्माण किया जाएगा।

सेना की बढ़ेगी मारक क्षमता

इस नए प्लांट में प्रतिवर्ष 80 टैंकों की मरम्मत करने की क्षमता विकसित की गई है। वर्तमान में भारतीय सेना को हर साल

230 टैंकों की मरम्मत की आवश्यकता होती है, जबकि अवाडी की हैवी व्हीकल्स फैक्टरी सालाना केवल 150 टैंक ही तैयार कर पाती है। जबलपुर की इस नई सुविधा से सेना को समय पर मरम्मत किए गए टैंक मिलेंगे, जिससे उसकी युद्धक तत्परता में सुधार होगा। राजनाथ सिंह ने इस दौरान अवाडी फैक्ट्री के 4,400 टैंकों की आपूर्ति के रिकॉर्ड और 25 वर्षों के एवीएनएल के अनुभव की भी चर्चा की।

आधुनिक युद्ध और आर्थिक विकास का मेल

परियोजना के शुभारंभ पर रक्षा मंत्री ने स्पष्ट किया कि ड्रोन और साइबर युद्ध के दौर में भी टैंकों की प्रासंगिकता बनी हुई है। देश का रक्षा उत्पादन 2014 के 46,000 करोड़ रुपये से बढ़कर वित्त वर्ष 2025-26 में 1.80 लाख करोड़ रुपये के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया है, जबकि रक्षा निर्यात 39,000 करोड़ रुपये पार कर चुका है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने इस निवेश को एमएसएमई क्षेत्र के लिए वरदान बताया और प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में देश की बढ़ती प्रतिष्ठा का उल्लेख किया। इस मौके पर रक्षा उत्पादन सचिव संजीव कुमार और एवीएनएल के सीएमडी सत्यब्रता मुखर्जी समेत कई वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

मध्य प्रदेश बनेगा रक्षा विनिर्माण का हब

राज्य की औद्योगिक नीतियों की प्रशंसा करते हुए रक्षा मंत्री ने 'इन्वेस्ट एमपी 3.0' और ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट 2025 का जिक्र किया। ग्वालियर-चंबल क्षेत्र में 3,073 हेक्टेयर भूमि पर रक्षा विनिर्माण की संभावनाओं और 16,960 करोड़ रुपये के प्रस्तावित निवेश से मध्य प्रदेश के अगले प्रमुख रक्षा केंद्र बनने की नींव मजबूत हो रही है। इस परियोजना से स्थानीय किसानों, मजदूरों और युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे।

AM/NS India के 'प्रोजेक्ट दक्ष' के नए बैच शुरू, रायपुर और दंतेवाड़ा के युवाओं को मिलेगा नि:शुल्क डिजिटल कौशल प्रशिक्षण

रोजगार केंद्रित प्रशिक्षण के साथ युवाओं को मिलेगा करियर मार्गदर्शन और प्लेसमेंट सहयोग

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

:आर्सेलरमित्तल निप्पॉन स्टील इंडिया प्राइवेट लिमिटेड (AM/NS India) ने अपनी कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (CSR) पहल 'प्रोजेक्ट दक्ष' के तहत रायपुर और दंतेवाड़ा में नए प्रशिक्षण बैचों की शुरुआत की है। स्थानीय युवाओं को बदलते रोजगार परिदृश्य के अनुरूप डिजिटल और तकनीकी कौशल से तैयार करने पर केंद्रित इस पहल के नए बैच का शुभारंभ रायपुर में 21 अगस्त को और दंतेवाड़ा में 19 अगस्त को किया गया।

प्रोजेक्ट दक्ष के माध्यम से AM/NS India स्थानीय युवक–युवतियों को नि:शुल्क, रोजगार केंद्रित कौशल प्रशिक्षण उपलब्ध करा रहा है। इसका उद्देश्य युवाओं को ऐसे व्यावहारिक और तकनीकी कौशल से जोड़ना है, जिनकी आज के रोजगार बाजार में जरूरत है और जो उन्हें बेहतर करियर अवसरों के लिए तैयार कर सकें।

कार्यक्रम के नए बैचों में युवाओं को डोमेस्टिक डेटा एंट्री ऑपरेटर और डोमेस्टिक आईटी हेल्पडेस्क अटेंडेंट जैसे तकनीकी ट्रेड्स में प्रशिक्षित किया जाएगा। पाठ्यक्रम में तकनीकी जानकारी के साथ व्यावहारिक प्रशिक्षण पर विशेष जोर दिया गया है, ताकि प्रतिभागी प्रशिक्षण के दौरान हासिल किए गए कौशल का कार्यस्थल पर प्रभावी ढंग से उपयोग कर सकें।

प्रशिक्षण से आगे, रोजगार तक पहुंच बनाने का प्रयास

प्रोजेक्ट दक्ष को केवल प्रशिक्षण कार्यक्रम तक सीमित न रखते हुए युवाओं की रोजगार क्षमता बढ़ाने पर विशेष ध्यान दिया गया है। प्रशिक्षण सफलतापूर्वक पूरा करने और निर्धारित मानकों के अनुरूप प्रमाणित होने वाले प्रतिभागियों को करियर मार्गदर्शन और प्लेसमेंट सहायता भी उपलब्ध कराई जाएगी।

डिजिटल तकनीक आज लगभग हर क्षेत्र में कामकाज का अहम हिस्सा बन चुकी है। ऐसे में स्थानीय युवाओं, विशेषकर ग्रामीण और अर्ध–शहरी क्षेत्रों से आने वाले युवक–युवतियों के लिए तकनीकी कौशल तक पहुंच उनके करियर के नए रास्ते खोल सकती है। प्रोजेक्ट दक्ष इसी आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए युवाओं को प्रशिक्षण से रोजगार की दिशा में आगे बढ़ने के लिए आवश्यक कौशल और मार्गदर्शन उपलब्ध कराने का प्रयास है।

रायपुर में प्रोजेक्ट दक्ष का संचालन NASSCOM Foundation और GRAStech के सहयोग से किया जा रहा है, जबकि दंतेवाड़ा में NASSCOM Foundation और U AISECT इस पहल से जुड़े हैं।

रायपुर में नए बैच की शुरुआत

रायपुर में 21 अगस्त को आयोजित कार्यक्रम में AM/NS India के प्रतिनिधियों के साथ परियोजना से जुड़े सहयोगी संस्थानों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे। दीप प्रज्वलन के साथ नए प्रशिक्षण बैच की औपचारिक शुरुआत की गई।

इस अवसर पर विद्यार्थियों से संवाद करते हुए उन्हें बदलते रोजगार परिदृश्य में डिजिटल और तकनीकी कौशल के महत्व के बारे में बताया गया। युवाओं को प्रशिक्षण के दौरान सीखने के अवसरों का पूरा लाभ उठाने और अपने कौशल को भविष्य के करियर की मजबूत नींव के रूप में विकसित करने के लिए प्रोत्साहित किया गया।

दंतेवाड़ा में भी नए बैच का शुभारंभ

दंतेवाड़ा में 19 अगस्त को आयोजित कार्यक्रम में जिला मिशन समन्वयक हरीश गौतम और जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र के प्रभारी रवि शंकर की विशेष उपस्थिति रही।

इस अवसर पर AM/NS India के प्रतिनिधियों, परियोजना से जुड़े सहयोगी संस्थानों तथा प्रशिक्षण टीम के सदस्यों ने नए बैच के विद्यार्थियों से संवाद किया। युवाओं को प्रशिक्षण के विभिन्न पहलुओं और डिजिटल क्षेत्र में उभरते रोजगार अवसरों के बारे में जानकारी दी गई तथा उन्हें अपने कौशल को निरंतर विकसित करने के लिए प्रोत्साहित किया गया।

दोनों स्थानों पर प्रशिक्षण के लिए चयनित छात्र–छात्राओं को एजुकेशन किट भी प्रदान की गई। नए बैच की शुरुआत को लेकर विद्यार्थियों में उत्साह देखने को मिला और उन्होंने प्रशिक्षण के माध्यम से नए कौशल सीखने तथा भविष्य के रोजगार अवसरों के लिए स्वयं को तैयार करने की उत्सुकता जताई।

रक्षाबंधन भाई-बहन के स्नेह, श्रद्धा और विश्वास का पर्व : डॉ. रमन सिंह

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

छत्तीसगढ़ विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने प्रदेशवासियों को रक्षाबंधन पर्व की बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं।

अपने संदेश में डॉ. रमन सिंह ने कहा कि भारतीय सामाजिक व्यवस्था आज संपूर्ण विश्व के लिए प्रेरणा का स्रोत है। हमारी सामाजिक व्यवस्था में भाई–बहन का रिश्ता एक ऐसा पवित्र संबंध है, जिसकी दूसरी कोई मिसाल नहीं है। रक्षाबंधन विशेष रूप से भावनाओं और संवेदनाओं का पर्व है। यह भाई–बहन के स्नेह, श्रद्धा और विश्वास के धागे से बंधा हुआ है। इसलिए इसे अपनत्व और प्रेम के बंधन से रिश्तों को मजबूत करने वाला पर्व कहा जाता है।

उन्होंने कहा कि रक्षाबंधन सनातन संस्कृति का एक श्रेष्ठ उदाहरण है, जो संपूर्ण विश्व में भारतीय सामाजिक व्यवस्था को विशिष्ट पहचान प्रदान करता है। देश में हर जाति और धर्म के लोग इस पर्व को उत्साहपूर्वक मनाते हैं। यह रक्षाबंधन की महत्ता, सामाजिक समरसता और सर्वव्यापकता का परिचायक है।

उमिया मार्केट में 33/11 केवी नवीन उपकेंद्र का लोकार्पण

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी के नगर संभाग (उत्तर) व्दारा मुख्यमंत्री विद्युत अधोसंरचना विकास योजना के अंतर्गत भनपुरी स्थित उमिया मार्केट में निर्मित 33/11 केवी नवीन विद्युत उपकेंद्र का लोकार्पण हुआ। पांच एमवीए क्षमता वाले इस उपकेंद्र से क्षेत्र में विद्युत आपूर्ति व्यवस्था अधिक सुदृढ़ होगी तथा उपभोक्ताओं को गुणवत्तापूर्ण एवं निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने में मदद मिलेगी।

लोकार्पण समारोह के मुख्य

अतिथि रायपुर ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र के विधायक मोतीलाल साहू थे। इस अवसर पर जोन क्रमांक 1 के अध्यक्ष गज्जू साहू सहित पार्षद नंद किशोर साहू, भगत राम हरवंश, मनमोहन मनहरे, अंबिका साहू तथा एल्डरमैन विक्रम सिंह ठाकुर विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। अधिकारियों ने बताया कि उपकेंद्र के निर्माण में 5 एमवीए पावर ट्रांसफार्मर के साथ 0.6 किलोमीटर 33 केवी लाइन तथा 1.7 किलोमीटर 11 केवी लाइन का निर्माण किया गया है। इस परियोजना पर लगभग 2.31 करोड़ रुपये की लागत आई है। उपकेंद्र के ऊर्जीकृत होने से घरेलू एवं व्यावसायिक निम्नदाब उपभोक्ताओं के साथ औद्योगिक उपभोक्ता लाभान्वित होंगे।

पूर्व में गोंदवारा क्षेत्र के उपभोक्ताओं को गाजी नगर उपकेंद्र तथा गोंदवारा उपकेंद्र से निकलने वाले 11 केवी फीडरों के माध्यम से विद्युत आपूर्ति की जा रही थी।

जेसीआई रायपुर मैक यूनाइटेड ने चितवन वृद्धाश्रम में दादा-दादी के साथ मनाया रक्षाबंधन

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

इस रक्षाबंधन पर जेसीआई रायपुर मैक यूनाइटेड ने चितवन वृद्धाश्रम में दादा–दादी के साथ प्रेम, अपनापन और खुशियों के बीच रक्षाबंधन का त्योहार मनाया। इस विशेष पहल का उद्देश्य उनके साथ खुशियां बांटना और उन्हें परिवार जैसा प्यार एवं साथ महसूस कराना था।

यह आयोजन पूर्व अध्यक्ष (मैक)पीपीपी जेएफआर राजेश अग्रवाल के मार्गदर्शन में तथा अध्याय प्रभारी जेसी डॉ. ऋषि पांडेय, अध्याय अध्यक्ष जेसी अर्क पियूष पांडेय एवं अध्याय सचिव जेसी अनंत दुबे के सहयोग और मार्गदर्शन में आयोजित किया गया।

समारोह में नृत्य प्रस्तुतियां, खेल, मनोरंजक गतिविधियां और आपसी बातचीत ने माहौल को खुशनुमा बना दिया। साथ ही एक विशेष नाटक के माध्यम से रक्षाबंधन के वास्तविक अर्थ–प्रेम, सुरक्षा, सम्मान और अपनत्व–को खूबसूरती से प्रस्तुत किया गया।

दादा–दादी ने भी रक्षाबंधन से जुड़ी अपनी खूबसूरत यादें और कहानियां साझा कीं। सबसे भावुक पल तब आया जब जेसीआई रायपुर मैक यूनाइटेड के सदस्यों ने दादा–दादी की कलाई पर राखी बांधी, जिससे उनके चेहरों पर खुशी और मुस्कान साफ दिखाई दी।

कार्यक्रम का समापन सभी के साथ मिलकर नृत्य करने और भोजन का आनंद लेने के साथ हुआ। यह आयोजन केवल राखी बांधने तक सीमित नहीं रहा, बल्कि प्यार, अपनापन और पारिवारिक जुड़ाव से भरा एक यादगार अवसर बन गया।

इस रक्षाबंधन, एक धागे ने सिर्फ कलाई नहीं, बल्कि दिलों को जोड़ा।

छत्तीसगढ़ में समान नागरिक संहिता पर व्यापक मंथन

धार्मिक और सामाजिक संगठनों सहित आयोग, निगम, मंडल के पदाधिकारियों ने दिए सुझाव

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

समान नागरिक संहिता के लिए गठित समिति के सदस्य सेवानिवृत्त आईएएस द्वय शत्रुघ्न सिंह और एम.के.राउत, वरिष्ठ अधिवक्ता मोहन पवार, सेवानिवृत्त ज्योति रानी सिंह और सदस्य सचिव श्याम धावड़े के समक्ष आज राजधानी रायपुर स्थित न्यू सर्किट हाउस में धार्मिक और सामाजिक संगठनों सहित आयोग, निगम, मंडल के पदाधिकारियों की बैठक आयोजित कर समान नागरिक संहिता के संबंध में सुझाव लिए गए। संविधान के अनुच्छेद 44 के तहत राज्य के नीति–निर्देशक तत्वों को साकार करने के उद्देश्य से गठित यूसीसी समिति के समक्ष धार्मिक और सामाजिक संगठनों तथा विभिन्न वर्गों सहित आयोग, निगम, मंडल के पदाधिकारियों की सहभागिता लगातार देखने को मिल रही है।

श्रीमद्भगवद्गीता हमें जीवन जीने की कला सिखाती है : डॉ. श्रीप्रकाश मिश्र

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

श्रीमद्भागवतगीता में सेवा को मनुष्य जीवन का सर्वोच्च कर्तव्य और आध्यात्मिक उन्नति का मुख्य मार्ग बताया गया है।सेवा केवल दूसरों की मदद करना ही नहीं है, बल्कि यह आध्यात्मिक विकास का भी एक अवसर है। निस्वार्थ सेवा के माध्यम से हम विनम्रता, करुणा और कृतज्ञता की भावना विकसित कर सकते हैं। यह विचार मातृभूमि सेवा मिशन धर्मक्षेत्र कुरुक्षेत्र के संस्थापक डॉ. श्रीप्रकाश मिश्र ने मातृभूमि सेवा मिशन की रायपुर इकाई के शुभारंभ अवसर पर आयोजित गीता सेवा संवाद कार्यक्रम में रायपुरा स्थित मां एड एजेंसी के परिसर में बतौर अतिथि व्यक्त किए। कार्यक्रम में पहुंचने पर मातृभूमि सेवा मिशन के संस्थापक डॉ. श्रीप्रकाश मिश्र का आयोजक मंडल द्वारा फूल मालाओं से दिव्य एवं भव्य स्वागत किया गया।

गीता सेवा संवाद कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मातृभूमि सेवा मिशन धर्मक्षेत्र कुरुक्षेत्र के संस्थापक डॉ. श्रीप्रकाश मिश्र ने कहा श्रीमद्भगवद्गीता को दिव्य संवाद ग्रंथ भी कहते हैं। श्रीमदभगवदगीता अर्जुन की जिज्ञासा और भगवान श्री कृष्ण के उत्तर से उपजा जीवात्मा और परमात्मा का अद्भुत संवाद इसमें समाया है। ऐसा संवाद जो मनुष्य मात्र के हृदय में उठते

प्रश्नों पर आधारित है और इन सबका समाधान परक उत्तर स्वयं भगवान श्री कृष्ण देते हैं। इसलिए यह पवित्र ज्ञान से भरा ग्रंथ है।

डॉ. श्रीप्रकाश मिश्र ने कहा निस्वार्थ भाव से दूसरों की मदद करना और समाज की भलाई के लिए कार्य करना ही सच्ची सेवा है, जिसका मनुष्य के आध्यात्मिक, मानसिक और सामाजिक विकास में अत्यंत महत्वपूर्ण स्थान है। गीता का सबसे बड़ा संदेश यह है कि मनुष्य को अपने अधिकार क्षेत्र के अनुसार कर्तव्य और समाज की सेवा करनी चाहिए, किंतु उसके फल की अपेक्षा नहीं रखनी चाहिए।

श्रीमद्भगवद्गीता एक जीवन शास्त्र है। श्रीमद्भगवद्गीता हमें जीवन जीने की कला सिखाती है। देश, काल भाषा, संप्रदाय एवं क्षेत्र से न बंधी हुई सार्वजनीन, सर्वकालिक, कालजयी गीतरूपी इस कृति ने संपूर्ण मानव जाति के लिए जीवन एवं कर्म सूत्र प्रदान किए। गीता सेवा संवाद कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए समाजसेवी एवं व्यवसायी नीरज शर्मा ने कहा मातृभूमि सेवा मिशन धर्मक्षेत्र कुरुक्षेत्र की रायपुर इकाई के माध्यम से समाज के असहाय एवं जरुराममंदो बच्चों सर्वांगीण विकास के लिए विभिन्न सामाजिक गतिविधियों का संचालन होगा। मिशन द्वारा समय समय पर अनेक लोकमंगल के कार्य संपन्न होगे।

कार्यक्रम के अतिविशिष्ट अतिथि एवं मध्यप्रदेश इकाई के संयोजक अशोक शर्मा ने कहा मातृभूमि सेवा मिशन के समस्त मानवता को समर्थित सेवा कार्य गीता के निष्काम कर्मयोग को समर्पित है। आभार ज्ञापन रायपुर इकाई के संयोजक एवं शिक्षाविद अरुण शर्मा ने किया। कायक्रम में संदीप सिंह सिकरवार, हेमंत जोशी, प्रदीप शर्मा सहित अनेक गणमान्य जन उपस्थित रहे। कार्यक्रम का समापन शांतिपाठ से हुआ।

तिल्दा-नेवरा स्टेशन पर संरक्षा संगोष्ठी, सुरक्षित ट्रेन परिचालन पर हुई विस्तृत चर्चा

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

27 अगस्त 2026 को दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे रायपुर रेल मंडल के संरक्षा विभाग द्वारा ट्रेनों के सुरक्षित परिचालन हेतु परिचालन, विद्युत परिचालन, इंजीनियरिंग तथा यांत्रिक विभाग के कर्मचारियों के साथ तिल्दा–नेवरा स्टेशन में संरक्षा संगोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसमें निम्न बिंदुओं पर चर्चा की गई–

शंटिंग के दौरान बरती जानेवाली सावधानियां तथा लोड/गाड़ियों का स्टेशन/यार्ड में सिक्योरिंग एवं रिलीजिंग करना, स्पैड से बचाव एवं पूर्ण ब्लॉक सेक्शन एवं ऑटोमैटिक ब्लॉक सेक्शन में ब्लॉक टिकट द्वारा ट्रेन की कार्य प्रणाली, गुड्स शेड एवं साइडिंग से लोड क्लियर के दौरान हॉट एक्सल, ब्रेक बाइंडिंग,डोर हिटिंग, असामान्य लोड एवं तरपोलीन को लटकने से बचाव के लिए क्रू,ट्रेन मैनेजर, स्टेशन कर्मचारी के द्वारा की जाने वाली जाँच, इंजीनियरिंग विभाग के द्वारा मौनसून के दौरान बरती जाने वाली सावधानियां, हाल ही में हुई दुर्घटनाओं का विश्लेषण, प्राथमिक उपचार पेटी के उपयोग का प्रदर्शन तथा अग्निशामक यंत्र का उपयोग एवं प्रदर्शन ।

GK TMT की 'बंधन' पहल: राखियों के साथ जुड़ा हुनर, हौसले और सपनों का रिश्ता

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

GK TMT - बंधन रिश्तों का इस रक्षाबंधन, GK TMT ने National Association for the Blind के साथ मिलकर "Bandhan" पहल की, जिसके तहत दृष्टिबाधित बेटियों द्वारा तैयार की गई राखियों को अपनाकर उनके हुनर, आत्मविश्वास और आत्मनिर्भरता को प्रोत्साहित किया गया।

इस पहल के माध्यम से राखियों की खरीद को सिर्फ सहयोग नहीं, बल्कि हुनर को सम्मान और सपनों को समर्थन देने का माध्यम बनाया गया।

GK TMT का मानना है कि मजबूत निर्माण केवल मजबूत नींव का नहीं, बल्कि एक मजबूत और संवेदनशील समाज के निर्माण का भी नाम है। क्योंकि बंधन सिर्फ एक धागे का नहीं–रिश्तों, हौसलों और सपनों का भी है।

धनपुर की पुरातात्विक धरोहरों को मिलेगा संरक्षण और संवर्धन का नया आधार

संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल के निर्देश पर विशेषज्ञ दल ने धनपुर, बेनीबाई, भस्मासुर एवं शहरखेरवा का किया व्यापक सर्वेक्षण

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

संस्कृति मंत्री एवं जिले के प्रभारी मंत्री श्री राजेश अग्रवाल के निर्देशानुसार गौरेला पेंड्रा मरवाही जिले की ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित एवं संवर्धित करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल शुरू हुई है। पुरातत्व, अभिलेखागार एवं संग्रहालय संचालनालय, महंत घासीदास स्मारक संग्रहालय रायपुर से पहुंचे चार सदस्यीय विशेषज्ञ दल ने जिले के प्रमुख पुरातात्विक स्थलों का व्यापक मैदानी सर्वेक्षण एवं सूक्ष्म निरीक्षण किया।

विशेषज्ञ दल ने ग्राम धनपुर के साथ बेनीबाई, भस्मासुर टापू एवं शहरखेरवा स्थित पुरातात्विक धरोहरों का निरीक्षण कर उनकी वर्तमान स्थिति, ऐतिहासिक महत्व, संरक्षण की आवश्यकता तथा भविष्य में विकसित की जा सकने वाली संभावनाओं का अध्ययन किया।

उल्लेखनीय है कि मंत्री राजेश अग्रवाल के जिले के प्रवास के दौरान कलेक्टर श्री विजय दयाराम के. ने जिले में बिखरी प्राचीन पुरातात्विक धरोहरों के संरक्षण एवं संवर्धन की आवश्यकता से उन्हें अवगत कराया था। मंत्री राजेश अग्रवाल के निर्देश के बाद संचालनालय पुरातत्व, अभिलेखागार एवं संग्रहालय, महंत घासीदास स्मारक संग्रहालय, सिविल लाइंस रायपुर से विशेषज्ञ दल को जिले के पुरातात्विक स्थलों के सर्वेक्षण के लिए भेजा गया।

चार सदस्यीय विशेषज्ञ दल ने किया मैदानी अध्ययन

रायपुर से पहुंचे विशेषज्ञ दल में पुरातत्ववेत्ता प्रभात कुमार सिंह, उत्खनन सहायक प्रवीण तिर्की, शोधकर्ता डॉ. राजीव जॉन मिंज एवं शोधकर्ता अमर भारद्वाज शामिल रहे। दल ने विभिन्न स्थलों का मौके पर पहुंचकर बारीकी से अध्ययन किया तथा पुरातात्विक अवशेषों, मूर्तियों और स्मारकों की स्थिति का प्रत्यक्ष अवलोकन किया।

धनपुर की प्राचीन धरोहरों का सूक्ष्म निरीक्षण

विशेषज्ञ दल ने ग्राम धनपुर में स्थित प्राचीन मंदिर एवं वहां स्थापित ऐतिहासिक मूर्तियों का सूक्ष्म निरीक्षण किया। विशेषज्ञों ने मंदिर की संरचना, परिसर में मौजूद पुरातात्विक अवशेषों तथा उनके संरक्षण की वर्तमान स्थिति का जायजा लिया।

इसके साथ ही धनपुर–धोबहर धरोहर केंद्र में संग्रहित प्राचीन मूर्तियों एवं अन्य पुरावशेषों का भी गहन अवलोकन किया गया। दल ने इन पुरावशेषों के ऐतिहासिक एवं पुरातात्विक महत्व का अध्ययन करते हुए उनके संरक्षण, रखरखाव और प्रभावी प्रबंधन की संभावनाओं पर भी विचार किया।

प्राचीन मंदिर परिसर का निरीक्षण करते हुए विशेषज्ञों ने संरचना के संरक्षण एवं आवश्यक सुदृढ़ीकरण की संभावनाओं का भी जायजा लिया।

बेनीबाई और भस्मासुर टापू की धरोहरों का भी अध्ययन

सर्वेक्षण दल ने बेनीबाई एवं भस्मासुर टापू में संरक्षित एवं स्थापित प्राचीन मूर्तियों का भी बारीकी से निरीक्षण किया। विशेषज्ञों ने इन धरोहरों की वर्तमान स्थिति, रखरखाव तथा संरक्षण से जुड़े विभिन्न पहलुओं का अध्ययन किया। मौके पर उपलब्ध पुरातात्विक सामग्री और स्मारकों की स्थिति को देखते हुए आवश्यक संरक्षण उपायों की संभावनाओं का भी आकलन किया गया।

शहरखेरवा में पुरातात्विक संभावनाओं की तलाश

विशेषज्ञ दल ने ऐतिहासिक महत्व के स्थल शहरखेरवा का भी विस्तृत सर्वे किया। यहां उपलब्ध पुरातात्विक अवशेषों एवं संभावित धरोहर स्थलों का निरीक्षण करते हुए क्षेत्र की पुरातात्विक संभावनाओं का अध्ययन किया गया। विशेषज्ञों ने स्थल की विशेषताओं और उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर संरक्षण एवं आगे के अध्ययन की संभावनाओं का जायजा लिया।

कलेक्टर ने विशेषज्ञ दल के साथ की बैठक

क्षेत्रीय सर्वेक्षण एवं निरीक्षण पूरा होने के बाद कलेक्टर विजय दयाराम के. ने रायपुर से आए विशेषज्ञ दल के साथ बैठक कर सर्वेक्षण के दौरान सामने आए महत्वपूर्ण तथ्यों की जानकारी ली। बैठक में विभिन्न पुरातात्विक स्थलों की वर्तमान स्थिति, संरक्षण की जरूरतों तथा आवश्यक कार्यों पर विस्तार से चर्चा हुई।

कलेक्टर ने पुरातात्विक मूर्तियों एवं स्मारकों के संरक्षण और सुदृढ़ीकरण से संबंधित आवश्यक कार्यों को शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि धनपुर क्षेत्र में मौजूद प्राचीन ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक धरोहरें जिले की अमूल्य पहचान हैं। इन धरोहरों के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए योजनाबद्ध और व्यापक प्रयास किए जाएंगे, ताकि जिले की इस महत्वपूर्ण विरासत को राष्ट्रीय स्तर पर विशिष्ट पहचान दिलाई जा सके।

संरक्षण के साथ पर्यटन विकास की भी संभावनाएं

धनपुर सहित जिले के अन्य पुरातात्विक स्थलों का यह सर्वेक्षण केवल संरक्षण की दृष्टि से ही महत्वपूर्ण नहीं है, बल्कि भविष्य में इन स्थलों को सांस्कृतिक एवं विरासत पर्यटन से जोड़ने की दिशा में भी आधार तैयार कर सकता है।

स्वामी एवं प्रकाशक शांतिदेवी नचरानी प्रतिदिन राजधानी, प्रतिदिन हाऊस जी.ई.रोड शारदा चौक रायपुर छत्तीसगढ़ के लिए मुद्रक हरीश कुमार नचरानी प्रतिदिन प्रिंटर्स एण्ड पब्लिशर्स कचहरी चौक जेल रोड रायपुर (छ.ग.) द्वारा मुद्रित एवं स्वामी शांतिदेवी नचरानी (रामचंद नचरानी एण्ड संस की कर्ता) द्वारा प्रतिदिन हाऊस जी.ई.रोड शारदा चौक से प्रकाशित। संपादक-शांतिदेवी नचरानी * कार्यकारी संपादक-हरीश नचरानी, मो.-9617598000। (किसी भी विवाद के लिए न्यायलयीन क्षेत्र रायपुर होगा।) RNI NO. CHH HIN/2001/05596 फोन नं.- 0771-2223399, मो.-6262904444